विश्वकर्मा फर्नीचर
मो. 98261-32636,90987-54366,98274-96911

तरुण छत्तीसगढ़

e-Paper- tarunchhattisgarhkorba.com

कोरबा एवं रायपुर से एक साथ प्रकाशित डाक पंजीयन क्रमांक- जी2-112/सी.जी/बीएलपी/003/2024-2026

सुनालिया ज्वेलर्स
हीरा, स्वर्ण, हॉलमार्क ज्वेलरी, रजत, राशि नग के विक्रेता
मो. 94255-32524,94241-43922
पावर हाउस रोड, कोरबा

वर्ष 36 अंक 293 | कोरबा, शुक्रवार, दिनांक 25 जुलाई 2025 डाक 26 जुलाई 2025 | पृष्ठ : 8 मूल्य 2.00 रुपए

विविधा
कांग्रेस सांसद सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा अन्य विपक्षी सांसदों के साथ नई दिल्ली में संसद के मानसून सत्र के दौरान विरोध में प्रदर्शन करती हुई

देश-विदेश
किसान, मछुआरे सब खुश... ब्रिटेन के साथ ट्रेड डील के बाद बढ़ जाएगी आमदनी

फीचर पेज
सेब, गाजर और चुकंदर का जूस पीने से मिल सकते हैं ये फायदे, जानिए रेसिपी

विरोध के बावजूद पूरे देश में होगा मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण का काम, चुनाव आयोग जल्द जारी करेगा शेड्यूल

नईदिल्ली, 25 जुलाई [एजेंसी]।

चुनाव आयोग द्वारा बिहार में किए जा रहे मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण का विपक्ष द्वारा संसद से लेकर सड़क तक विरोध किया जा रहा है। भारी विरोध के बावजूद चुनाव आयोग ने शुक्रवार को बड़ा एलान किया। दरअसल चुनाव आयोग ने कहा है कि देशभर में मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण का काम अब शुरू करने का फैसला किया गया है और जल्द ही इसके लिए शेड्यूल जारी कर दिया जाएगा। चुनाव आयोग ने बीती 24 जून को ही इस संबंध में आदेश जारी कर दिया था और कहा था कि संवैधानिक कर्तव्य के तहत और मतदाता सूची की अखंडता और सुरक्षा के लिए यह मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण का काम किया जाएगा। अब चुनाव आयोग ने उसकी शुरुआत कर दी है। चुनाव आयोग द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि मतदाता सूची की अखंडता को बनाए रखना निष्पक्ष और मुक्त चुनाव के लिए आधारभूत जरूरत है। जनप्रतिनिधि कानून, 1950 और रजिस्ट्रेशन ऑफ इलेक्टोरल रूल्स, 1960 के तहत योग्यता, मतदाता सूची तैयार करने की प्रक्रिया और तरीके की जानकारी दी गई है।

पिछले महीने 24 जून को निर्वाचन आयोग ने बिहार में विशेष मतदाता गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का निर्देश दिया था। यह 25 जून से 26 जुलाई 2025 के बीच होना है। चुनाव आयोग का कहना है कि मतदाता सूची में फर्जी, अयोग्य और दो जगहों पर पंजीकृत मतदाताओं को हटाने के उद्देश्य से पुनरीक्षण किया जा रहा है। वहीं विपक्षी पार्टियों का आरोप है कि चुनाव आयोग इस विशेष गहन पुनरीक्षण के जरिए पिछले दरवाजे से लोगों की नागरिकता की जांच कर रहा है। साथ ही विपक्ष का आरोप है कि इसकी आड़ में बड़े पैमाने पर लोगों से मतदान का अधिकार छीना जा सकता है। हालांकि, चुनाव आयोग ने आश्वासन दिया है कि अगर कोई व्यक्ति मतदाता सूची से बाहर हो जाए, तो इसका मतलब यह नहीं होगा कि उसकी नागरिकता समाप्त हो गई है। चुनाव आयोग ने यह भी कहा है कि कानून और संविधान के तहत उसे यह अधिकार प्राप्त है कि वह नागरिकता से जुड़े दस्तावेज मांग सके, ताकि लोगों को मताधिकार मिल सके। विपक्ष द्वारा मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण करने का भारी विरोध किया जा रहा है।

बिहार विधानसभा और संसद में इस मुद्दे पर हंगामा जारी है। विपक्ष के विरोध और आलोचना के बीच चुनाव आयोग ने कुछ सवाल उठाते हुए कहा कि भारत का संविधान, भारतीय लोकतंत्र की मां है। तो क्या विरोध से डरकर चुनाव आयोग को कुछ लोगों के दबाव में भ्रमित हो जाना चाहिए और उन लोगों का रास्ता साफ कर देना चाहिए, जो मृत मतदाताओं के नाम पर फर्जी मतदान करते हैं। जो मतदाता स्थायी तौर पर पलायन कर गए हैं, जो मतदाता फर्जी या विदेशी हैं, क्या उन्हें संविधान के खिलाफ जाकर, पहले बिहार में और फिर पूरे देश में मतदान करने दें।

राजस्थान के झालावाड़ में बड़ा हादसा

सरकारी स्कूल की छत गिरने से चार बच्चों की मौत और कई घायल

झालावाड़ 25 जुलाई [एजेंसी]।

शुक्रवार सुबह राजस्थान के झालावाड़ में एक बड़ा हादसा हो गया। जिले में एक सरकारी स्कूल की छत गिर गई। इस हादसे में चार बच्चों की मौत की खबर है। वहीं, 17 बच्चे घायल हुए हैं। जानकारी के अनुसार, ये घटना झालावाड़ जिले के मनोहर थाना क्षेत्र के पीपलोदी की है। जहां पर आज सुबह राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय की छत अचानक गिर गई, जिसके कारण कक्षा में मौजूद कई छात्र मलबे में दब गए। हादसे के बाद राहत और बचाव कार्य जारी है। इस हादसे को लेकर झालावाड़ के एसपी अमित कुमार ने बताया कि पिपलौदी प्राइमरी स्कूल की छत गिरने से 3-4 छात्रों की मौत हो गई है। इस हादसे में 17 बच्चों के घायल होने की भी खबर है। पुलिस के अनुसार, यह घटना जिले के मनोहरथाना ब्लॉक के पीपलोदी सरकारी स्कूल में उस समय हुई जब बच्चे कक्षा में थे। पुलिस ने बताया कि घटना के तुरंत बाद शिक्षकों और ग्रामीणों की मदद से बच्चों को मलबे से बाहर निकाला गया। इस घटना पर राज्य के सीएम भजनलाल शर्मा ने दुख जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि झालावाड़ के पीपलोदी में एक स्कूल की छत गिरने से हुई दुखद दुर्घटना अत्यंत दुखद और हृदय विदारक है।

घायल बच्चों के समुचित उपचार के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। वहीं, राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि झालावाड़ के मनोहरथाना में एक सरकारी स्कूल की इमारत गिरने की खबर आ रही है, जिसमें कई बच्चे और शिक्षक हताहत हुए हैं। मैं ईश्वर से कम से कम जनहानि और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

मालदीव में पीएम मोदी का ग्रैंड वेलकम, एअरपोर्ट पर स्वागत करने पहुंची मुइज्जू की पूरी कैबिनेट

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस समय अपने चार दिसवीय ब्रिटेन और मालदीव के दौरे पर हैं। अपना दो दिनों का ब्रिटेन का आधिकारिक दौरा पूरा करने के बाद आज पीएम मोदी मालदीव पहुंचे हैं। शुक्रवार को मालदीव की राजधानी माले में पीएम मोदी का भव्य स्वागत किया गया। पीएम मोदी के स्वागत के लिए खुद मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू एअरपोर्ट पहुंचे। माले एअरपोर्ट पर मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने गर्मजोशी से पीएम मोदी का स्वागत किया। इस दौरान मोइज्जू के कैबिनेट मिनिस्टर भी मौजूद रहे। मालदीव के राष्ट्रपति मोइज्जू ने गले मिलकर पीएम मोदी का स्वागत किया।

केंद्र सरकार का बड़ा फैसला, बुजुर्ग माता-पिता की देखभाल के लिए कर्मचारियों को देगी विशेष छुट्टी

रायपुर/दिल्ली 25 जुलाई। केंद्र सरकार के कर्मचारी 30 दिनों की छुट्टी का लाभ उठा सकेंगे, जिसमें 20 दिन की अर्धवेतन छुट्टी, 8 दिन की आकस्मिक छुट्टी और 2 दिन का प्रतिबंधित अवकाश शामिल है। यह जानकारी केंद्रीय कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने गुरुवार को राज्यसभा सांसद सुमित्रा बाल्मीकि के सवाल के जवाब में दी। दरअसल, केंद्र सरकार ने अपने कर्मचारियों को बुजुर्ग माता-पिता की देखभाल सहित निजी कारणों के लिए प्रति वर्ष 30 दिन की अर्जित छुट्टी (ईएल), 20 दिन की अर्धवेतन छुट्टी (हाफ पे लीव), 8 दिन की आकस्मिक छुट्टी (सीएल), और 2 दिन की प्रतिबंधित अवकाश (आरएच) लेने की अनुमति दी है।

मंत्री जितेंद्र सिंह ने बताया कि केंद्रीय सिविल सेवा (अवकाश) नियम, 1972 के तहत कर्मचारी निजी कारणों (बुजुर्ग माता-पिता की देखभाल) के लिए ये छुट्टियां ले सकते हैं। उन्होंने कहा, ÷केंद्र सरकार के कर्मचारियों को प्रति वर्ष 30 दिन की अर्जित छुट्टी, 20 दिन की अर्धवेतन छुट्टी, 8 दिन की आकस्मिक छुट्टी और 2 दिन की प्रतिबंधित अवकाश के साथ-साथ अन्य पात्र छुट्टियां दी जाती हैं, जिनका उपयोग वे किसी भी निजी कारण के लिए कर सकते हैं।

कार उफान नाले में बह गई, 8 लोगों को ग्रामीणों ने बचाया, मासूम की मौत

बिलासपुर। हरेली पर्व मनाने मंदिर गया खम्हरिया का साहू परिवार वापसी में हादसे का शिकार हो गया. पुल पर नियंत्रण खोने से पानी में कार के समाने से 3 साल का मासूम बह गया, वहीं शेष आठ सवारों की ग्रामीणों ने जान बचाई। खम्हरिया निवासी मोहनलाल साहू परिवार और रिश्तेदार के साथ हरेली पर्व पर दर्शन के लिए कार से उच्चभट्ठी स्थित शिव शक्ति पीठ मंदिर गए थे। वापसी के दौरान सीपत थाना क्षेत्र के झलमला गांव में तुंगन नाला क्रास करते समय कार अनियंत्रित होकर बह गई। कार में 4 व्यस्क और 5 बच्चे सवार थे, जिनमें से 8 को ग्रामीणों ने किसी तरह से बचा लिया, लेकिन 3 साल के मासूम तेजस को नहीं बचा पाए और वह नाले के तेज बहाव में बह गया। सीपत पुलिस एसडीआरएफ की टीम के साथ मौके पर सर्च ऑपरेशन चला रही है।

आज मानसून सत्र का पांचवां दिन, लोकसभा-राज्यसभा की कार्यवाही स्थगित, संसद के बाहर हुआ प्रदर्शन

नईदिल्ली, 25 जुलाई [एजेंसी]।

आज संसद के मानसून सत्र का पांचवां दिन है। लोकसभा और राज्यसभा में विपक्षी दलों का हंगामा और विरोध-प्रदर्शन जारी है। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच गतिरोध दूर करने के लिए दोनों पक्षों के नेताओं से की जा रही अपील लगातार बेअसर साबित हो रही है। सदन की कार्यवाही शुरू होने के चंद मिनटों बाद ही स्पीकर ओम बिरला और राज्यसभा में उपसभापति हरिवंश को सदन में अव्यवस्था और शोरगुल के कारण कार्यवाही को स्थगित करना पड़ रहा है। स्पीकर ओम बिरला सांसदों के व्यवहार को लेकर नाराजगी प्रकट करते हुए चेतावनी भी दे चुके हैं, लेकिन विपक्षी दलों के सांसद अपनी मांग पर अड़े हैं। शुक्रवार को कार्यवाही शुरू होने पर राज्यसभा में नए सदस्यों को शपथ दिलाई गई। हालांकि, नारेबाजी और शोरगुल के कारण कार्यवाही में व्यवधान पड़ा और दोनों सदनों की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। उपसभापति हरिवंश ने राज्यसभा की कार्यवाही स्थगित कर दी, जबकि स्पीकर ओम बिरला ने लोकसभा की कार्यवाही दो बजे तक स्थगित कर दी। संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही शुरू होने से पहले कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी समेत पार्टी सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा और अन्य विपक्षी दलों के सांसदों ने चुनाव आयोग की प्रक्रिया- SIR का प्रतीकात्मक रूप से विरोध किया। सदस्यों ने SIR को फाड़ दिया और उसे कूड़ेदान में फेंक दिया।

राहुल गांधी को समन पर रोक का अंतरिम आदेश बरकरार सावरकर पर टिप्पणी मामले में अदालत का फैसला

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ जारी समन पर रोक को फिलहाल जारी रखते हुए अंतरिम आदेश को बढ़ा दिया है। यह मामला 2022 की 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान दिए गए बयान से जुड़ा है, जिसमें राहुल गांधी ने विनायक दामोदर सावरकर को लेकर विवादास्पद टिप्पणी की थी। इस बयान पर मुंबई की एक कोर्ट ने उनके खिलाफ समन जारी किया था। राहुल गांधी ने इस समन को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। अब कोर्ट ने अगली सुनवाई तक समन पर रोक बनाए रखी है।

आईटीबीपी जवान की पीट-पीटकर हत्या, देहरादून से छत्तीसगढ़ ट्रांसफर हुआ था, छुट्टी पर घर आए थे

गया। गया के वजीरगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत बिहियाईन में कल देर शाम आईटीबीपी के जवान संजय यादव (30) की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। उनकी उम्र 30 वर्ष थी। वह छुट्टी में घर आए हुए थे। पुलिस ने उनके शव का पोस्टमार्टम कराकर स्वजनों को सुपुर्द कर दिया है।

अंत्येष्टि के लिए विभागीय अधिकारियों को आने का इंतजार किया जा रहा है। घटना से संबंधित कार्रवाई के लिए पुलिस आधे दर्जन ग्रामीणों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। वह फिलहाल देहरादून में कार्यरत थे, जहां से छत्तीसगढ़ के लिए स्थानांतरित हुए थे। नए स्थानांतरित जगह पर योगदान से पहले छुट्टी लेकर परिवार से मिलने घर आए थे। घटना का कारण पुरानी रंजिश बताई जा रही है।

कोल्डप्ले कॉन्सर्ट की वायरल एचआर हेड क्रिस्टिन कैबोट ने भी दिया इस्तीफा

एक किस ने जिंदगी में मचा दी उथल-पुथल

नई दिल्ली। अमेरिकी टेक कंपनी एस्ट्रोनॉमर की एचआर हेड क्रिस्टिन कैबोट और कंपनी के पूर्व CEO एंडी बायरन की जोड़ी उस वक्त सुर्खियों में आ गई, जब दोनों को कोल्डप्ले के कॉन्सर्ट में किस कैम पर एक-दूसरे के गले लगते और झूमते देखा गया। यह नजारा 16 जुलाई को बोस्टन, मैसाचुसेट्स के पास हुए कॉन्सर्ट में जंबो स्क्रीन पर दिखा। इसके बाद यह वीडियो सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल गया। अब खबर है कि कंपनी की एचआर हेड क्रिस्टिन कैबोट ने कंपनी से इस्तीफा दे दिया है।

थाईलैंड-कंबोडिया संघर्ष दूसरे दिन भी जारी, अब तक 15 की मौत, यूएस ने बुलाई आपात बैठक

नई दिल्ली। थाईलैंड और कंबोडिया की सीमा पर भयंकर सैन्य झड़पों ने दोनों मुल्कों को जंग के कगार पर ला खड़ा किया है। थाईलैंड के स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि इन झड़पों में 15 लोग मारे गए, जिनमें 14 आम नागरिक और एक सैनिक शामिल हैं, जबकि 46 लोग घायल हुए। कंबोडिया ने अभी तक अपने नुकसान की कोई खबर नहीं दी। हिंसा की शुरुआत बुधवार को एक बारूदी सुरंग के धमाके से हुई, जिसमें पांच थाई सैनिक घायल हो गए। इस घटना ने दोनों मुल्कों के बीच तनाव को और भड़का दिया।थाईलैंड के स्वास्थ्य मंत्री सोमसाक ने कंबोडिया पर आम नागरिकों और एक अस्पताल पर हमले का आरोप लगाया। उन्होंने सख्त लहजे में कहा, हम कंबोडिया सरकार से गुजारिश करते हैं कि वो फौरन इसे रोकें और अमन की राह पर लौटे। थाईलैंड ने कहा कि एक दशक में थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सबसे खूनी सीमा लड़ाई में 100,000 से अधिक लोग बॉर्डर का इलाका छोड़कर पलायन कर गए हैं। राजनयिक सूत्रों के हवाले से बताया है कि कंबोडियाई प्रधानमंत्री हुन मैनेट के कहने पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद दोनों देशों की सीमा पर झड़पों पर चर्चा के लिए शुक्रवार को एक आपातकालीन बैठक आयोजित करेगी।

हरियाणवी सिंगर मीता बरोदा पर फायरिंग, बाल-बाल बची जान

गोहाना 25 जुलाई। हरियाणवी गायक मीता बरोदा पर उसके गांव बरोदा के ही मंजीत ने फायरिंग कर दी। गायक अपने चचेरे भाइयों के साथ गांव में अपने प्लॉट पर मौजूद थे। उसी समय हमलावर गाड़ी से उतरकर अकेला वहां पहुंचा और उसे गाली देने लगा। इस पर बहस हो गई और मंजीत ने पिस्तौल निकालकर पहले हवाई फायर किया और उसके बाद मीता पर फायर किया। वे झुक गए और बाल-बाल बच गए। तीसरा फायर किया तो वह मिस हो गया। बताया गया कि मीता व उसके चचेरे भाइयों ने उससे हथियार छीनकर धुनाई कर दी। इसके बाद मंजीत वहां से भाग गया। विधानसभा चुनाव के समय दोनों में कहासुनी हुई थी। आरोप है कि उसी की रंजिश में ही अब उन पर हमला किया। बरोदा थाना में केस दर्ज किया गया।

जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद उपराष्ट्रपति सचिवालय का एक-एक रूम किया गया लॉक, अचानक कहां जाने लगे सभी अधिकारी ?

नईदिल्ली, 25 जुलाई [एजेंसी]।

जगदीप धनखड़ ने पिछले दिनों देश के उपराष्ट्रपति के पद से इस्तीफा दे दिया। धनखड़ के इस फैसले ने देश की राजनीति में एक नई चर्चा को जन्म दे दिया। पूर्व उपराष्ट्रपति धनखड़ के इस्तीफे के बाद सियासी पारा हाई है। इस बीच एक बड़ी खबर सामने आई है। दरअसल, जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के तीन दिन दिन बाद उनके सचिवालय को बंद कर दिया है। इसके अलावा उनके साथ काम करने वाले कई अधिकारियों को उनके मूल कैडर भी भेज दिया गया है। हालांकि, अधिकारियों द्वारा स्पष्ट किया है कि उपराष्ट्रपति भवन के किसी भी कमरे को सील नहीं किया गया है। एक रिपोर्ट में उप राष्ट्रपति कार्यालय के दो अधिकारियों के हवाले से बताया गया कि नव निर्मित उपराष्ट्रपति भवन में सचिवालय के लिए एक अलग विंग है। उप राष्ट्रपति के इस्तीफे के बाद यहां से एक-एक कर के अधिकारी चले गए हैं, जिसके बाद इसको बंद कर दिया गया है। हालांकि, अभी भी उपराष्ट्रपति एन्क्लेव में कुछ सरकारी अधिकारी मौजूद हैं। बताया जा रहा है कि जो अधिकारी यहां पर मौजूद है वह अपने कैडर में वापस लौटने के आदेश का इंतजार कर रहे हैं।

गौरतलब है कि जगदीप धनखड़ ने सोमवार शाम को अचानक अपना इस्तीफा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को सौंप दिया। उन्होंने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए अपना त्यागपत्र दे दिया। धनखड़ के अचानक इस्तीफे के बाद देश में अचानक एक नई बहस छिड़ गई है। राजनीतिक पारा हाई है।

स्किन केयर व कास्मेटोलाजी क्लिनिक

चर्म, गुप्त, कुष्ठ रोग विशेषज्ञ एवं सैक्स सलाहकार

डॉ.आर.के.अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.FDS (Lond.)F.i.a.m.s.(Ind.)
Mob.9424170010

-: परामर्श का समय :-
सुबह 10.30 से 1.30
(शाम को बंद)

डॉ.शशि अग्रवाल
M.B.B.S.D.V.D.(U.K)
Mob.9826389894

सुविधायें:- गंजापन, मस्से हटाना, दाद खाज खुजली, एक्जीमा, एलर्जी, सड़े नाखून, कुष्ठ रोग, काले दाग, मुंहासे, बाल झड़ना, सेक्स की कमी, शीघ्र पतन, धात, मानसिक रोगों का मशीनों व अत्याधुनिक दवाओं द्वारा शीघ्र ईलाज, फोटोथेरेपी, इलेक्ट्रीशिकेशन, क्रायोसर्जरी, सायकोथेरेपी का ईलाज।

मो. 9203907928,9826389894 (क्लीनिक)

विशेष : बुधवार को 20 मरीजों का फीस माफ...

पता : एचआईजी -4 नेहरू नगर, रिकाण्डो रोड घोड़ा चौक, बुधवारी बाजार के पास, कोरबा

फिलीपींस में तूफान को-मे का कोहराम, 25 की मौत, 2.78 लाख लोगों को सुरक्षित निकाला गया

मनीला, 25 जुलाई [एजेंसी]।

फिलीपींस में पिछले एक हफ्ते से जारी मूसलधार बारिश और भूस्खलन के बीच अब ट्रॉपिकल तूफान को-मे ने हालात और बिगाड़ दिए हैं। प्राकृतिक आपदाओं से जूझ रहे फिलीपींस के लिए यह तूफान एक और बड़ा झटका साबित हुआ है। ऐसे में सरकार और अंतरराष्ट्रीय सहयोग की भूमिका अहम बन जाती है ताकि लाखों लोगों को सुरक्षित और आवश्यक मदद मिल सके। इस खतरनाक तूफान के कारण अब तक कम से कम 25 लोगों की जान जा चुकी है और लगभग 2.78 लाख लोगों को अपने घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों की ओर जाना पड़ा है। तूफान शुक्रवार को देश के उत्तरी पहाड़ी इलाकों से गुजरा। को-मे नाम का यह तूफान गुरुवार की रात पांगासिनान प्रांत के अग्नो कस्बे में 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से टकराया। इसके झोंकों की गति 165 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच गई थी। शुक्रवार सुबह तक इसकी ताकत थोड़ी कम हुई और यह 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से पूर्वोत्तर दिशा की ओर बढ़ता दिखा।तूफान ने देश में पहले से ही चल रही मौसमी बारिश को और ज्यादा तीव्र बना दिया। पिछले एक हफ्ते से लगातार हो रही बारिश से कई इलाकों में बाढ़, पेड़ों के गिरने, भूस्खलन और बिजली के झटकों से लोगों की जान गई है। फिलहाल आठ लोग लापता हैं। हालांकि, तूफान को-मे से सीधे मौत की कोई पुष्टि अब तक नहीं हुई है। सरकार ने राजधानी मनीला में शुक्रवार को लगातार तीसरे दिन स्कूल बंद रखने का आदेश दिया है। लुजोन के मुख्य उत्तरी इलाके के 35 प्रांतों में कक्षाएं स्थगित कर दी गई हैं। कम से कम 77 शहरों और कस्बों में आपातकाल घोषित किया गया है, जिससे राहत फंड जल्दी मिल सके और जरूरी सामान जैसे चावल की कीमतें न बढ़ें। सरकारी आपदा प्रबंधन एजेंसी के अनुसार, 2.78 लाख से ज्यादा लोग बाढ़ और तूफान के कारण अपने घरों को छोड़ चुके हैं। इनमें से अधिकांश को आपातकालीन शेल्टर या रिश्तेदारों के घरों में शरण लेनी पड़ी।

अब तक लगभग 3,000 घर क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। राहत और बचाव के लिए सेना, पुलिस, कोस्ट गार्ड, दमकल कर्मियों और स्थानीय वॉलंटियरों को तैनात किया गया है। राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने व्हाइट हाउस यात्रा से लौटने के बाद राहत शिविरों का दौरा किया और लोगों को खाद्य सामग्री वितरित की। उन्होंने एक आपात बैठक में कहा कि अब जलवायु परिवर्तन के कारण ऐसी आपदाएं और ज्यादा और अनिश्चित होंगी। अमेरिकी सरकार ने राहत सामग्री और भोजन को दूर-दराज के क्षेत्रों में पहुंचाने के लिए अपने सैन्य विमानों की मदद देने का वादा किया है।

हरेली के रंग में रंगे प्रदेश के उद्योग मंत्री देवांगन की गेड़ी की सवारी

कोरबा। उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन गुरुवार को दादरखुर्द भगवान जगन्नाथ मंदिर परिसर और बालको नगर स्थित रामलीला मैदान में आयोजित हरेली पर्व पर शामिल हुए। दादरखुर्द में मंत्री श्री देवांगन ने नांगर और क़ृषि कार्य में उपयोग होने वाले सामग्रियों की पूजा अर्चना की। इस अवसर पर मंत्री श्री देवांगन हरेली पर्व के रंग में रंगे नज़र आए। श्री देवांगन गेड़ी चढ़े, पारंपरिक खेलों में सम्मिलित हुए। इस दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष गोपाल मोदी भी उपस्थित रहे।उन्होंने प्रदेश के पारंपरिक पर्व हरेली तिहार के अवसर पर आम नागरिकों को अपनी बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा है कि छत्तीसगढ़ एक कृषि प्रधान राज्य है। हरियाली अमावस्या को मनाया जाने वाला हरेली त्यौहार का छत्तीसगढ़ के जनजीवन में व्यापक प्रभाव देखा जा सकता है। इस दिन किसान भाई नांगर (हल) एवं कृषि औजार की पूजा करते है, जो हमारे कृषि प्रधान संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। वहीं दूसरी ओर देखा जाए तो हरेली पर्व का महत्व धरती को हरा-भरा बनाये रखने के लिए पेड़-पौधे की महत्ता को भी प्रदर्शित करता है। इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्रफुल्ल तिवारी, कोसाबाड़ी मंडल अध्यक्ष राजेश राठौर, पार्षद सुनीता चौहान, प्रताप सिंह ज़िन्दगी लक्ष्मण श्रीवास, पूर्व मंडल

अध्यक्ष श्री ईश्वर साहू, प्रकाश अग्रवाल, हारबाई यादव, चंचला राठौर समेत अधिक संख्या में कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी गण उपस्थित रहे। इसी तरह मंत्री श्री देवांगन कोरबा के बालकोनगर के रामलीला मैदान में सार्वजनिक हरेली आयोजन समिति द्वारा आयोजित हरेली कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर मंत्री श्री देवांगन ने कृषि औजारों और गेड़ी की पूजा कर परंपरागत रूप से हरेली त्योहार मनाया। उन्होंने छत्तीसगढ़ महतारी की पूजा-अर्चना कर अच्छी फसल और किसानों की खुशहाली व समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर मंत्री श्री देवांगन ने सांस्कृतिक नृत्य, मटका फोड़, गेड़ी दौड़ प्रतियोगिता में शामिल होने वाले बच्चों को पुरुस्कृत कर उनका हौसला अफजाई किया।इस अवसर पर महापौर संजू देवी राजपूत, बालको मंडल के अध्यक्ष दिलेन्द्र यादव, शिव बालक तोमर, पार्षद श्री सत्येंद्र दूबे, प्रभात डडसेना, जयनंद राठौर, अर्चना रुनीझा, दीपक चन्द्रा, समिति के सदस्य अशोक पटेल, अमर साहू, जितेंद्र वर्मा, धरम साहू समेत अन्य उपस्थित रहे।

स्वच्छता अमला विभिन्न वार्डो में घूमकर कर रहा साफ-सफाई

कोरबा। नगर पालिक निगम कोरबा के स्वच्छता विभाग के अमले द्वारा डीडीएम रोड से होते हुये पंप हाउस मुख्य मार्ग, बस्तियों के विभिन्न गलियों, मोहल्लों व पारों में किये जा रहे साफ-सफाई कार्यो को तत्काल पूरा करने निर्देश अधिकारियों को दिये। आयुक्त आशुतोष पाण्डेय के दिशा-निर्देशन में अपर आयुक्त विनय मिश्रा ने अधिकारियों के साथ कोरबा शहर के विभिन्न स्थलों का भ्रमण कर साफ-सफाई कार्यो का निरीक्षण किया। अपर आयुक्त श्री मिश्रा ने स्वच्छता दीदियों, सफाई कामगारों को नियमित साफ-सफाई करने, उत्सर्जित कचरे का त्वरित उठाव व परिवहन कर कचरे के समुचित प्रबंधन का कार्य अनवरत रूप से जारी रखने के निर्देश अधिकारियो को दिये।उल्लेखनीय है कि अपर आयुक्त विनय मिश्रा ने संबंधित अधिकारी कर्मचारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि डीडीएम मार्ग स्थित सड़क के किनारे उगी घास, बर्म, झाडियों की सफाई व ओम फ्लेट के पास कचरे के ढेर को तुरंत उठाव व परिवहन करना सुनिश्चित करें। तुलसी नगर होते हुए टी.पी. नगर गुरूद्वारा मुख्य मार्ग के दोनों तरफ स्थित नालियों में जाम की स्थिति की वजह से नाली का गंदा पानी सड़क पर आ रहा था, जिससे आवागमन करने वालों को काफी परेशानियाँ हो रही थी, नालियों की सतह से साफ-सफाई कराये जाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को अपर आयुक्त श्री मिश्रा ने दिया। उन्होने साफ-सफाई कार्यो में और अधिक कसावट लाने, निर्धारित मानदंडो के अनुरूप सफाई का कार्य करने, स्वच्छता कार्य के दौरान उत्सर्जित होने वाले अपशिष्ट का तुरंत स्थल से उठाव व परिवहन कर अपशिष्ट का उचित प्रबंधन करने के निर्देश अधिकारियां को दिये।अपर आयुक्त श्री मिश्रा ने निगम के अधिकारियों के साथ डीडीएम मार्ग होते हुये तुलसीनगर चौक, पंप हाउस बस्ती, स्टेडियम रोड, गुरूद्वारा मुख्य मार्ग, टी.पी. नगर चौक, बंगाली चाल, नया बस स्टैण्ड सहित शहर के विभिन्न स्थलों का भ्रमण कर साफ-सफाई कार्यो का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जोन कमिश्नर अखिलेश शुक्ला, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.संजय तिवारी, लीलाधर पटेल, उप अभिंयता सोमनाथ डेहरे, श्रवण झा आदि के साथ अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे

बालको मंडल ने मनाया छत्तीसगढ़ का पारंपरिक पर्व

कोरबा। भारतीय जनता पार्टी बालको नगर मंडल द्वारा छत्तीसगढ़ के प्रथम पारंपरिक पर्व हरेली तिहार का भव्य आयोजन बालको राम मंदिर के सामने प्रांगण में किया गया। लोकपरंपरा, खेल और छत्तीसगढ़ी संस्कृति से परिपूर्ण इस आयोजन ने पूरे क्षेत्र को उत्सवमय वातावरण से सराबोर कर दिया।कार्यक्रम में ग्रामीण खेलों और प्रतियोगिताओं को बढ़ावा देते हुए नारियल फेंक, रस्सी खींच, गेड़ी दौड़ समेत कई पारंपरिक गतिविधियाँ आयोजित की गईं। प्रतियोगिताओं में विजयी प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जिससे प्रतिभागियों में उत्साह की लहर देखी गई।कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि वरिष्ठ भाजपा नेता, पूर्व नेता

प्रतिपक्ष, पार्षद तथा स्ब्रुष्ट सदस्य श्री हितानंद अग्रवाल शामिल हुए। उन्होंने हरेली तिहार को छत्तीसगढ़ की अस्मिता से जुड़ा पर्व बताते हुए इस तरह के आयोजनों की सराहना की।

कार्यक्रम का संचालन भाजपा मंडल महामंत्री जय राठौर ने अत्यंत ऊर्जा और संयोजन के साथ किया, जबकि मंडल उपाध्यक्ष मनोज भारिया ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार प्रकट किया।

हरेली तिहार के माध्यम से भारतीय जनता पार्टी बालको मंडल ने न केवल पारंपरिक छत्तीसगढ़ी लोक उत्सवों को जीवंत किया, बल्कि सामाजिक एकता, सांस्कृतिक जागरूकता और पर्यावरण संरक्षण का भी संदेश दिया। यह आयोजन बालको क्षेत्र में जनसंपर्क, संगठनात्मक सामंजस्य और लोकसंस्कृति को एक मंच पर लाने का सफल प्रयास रहा।

भू-विस्थापितो ने फुंका एसईसीएल प्रबंधन का पुतला

कोरबा। एसईसीएल कुसमुंडा परियोजना द्वारा खदान विस्तार के लिए अधिग्रहित की गई जमीन के खिलाफ भू-विस्थापितों का आक्रोश थमने का नाम नहीं ले रहा है। शुक्रवार को एक बार फिर बड़ी संख्या में प्रभावित परिवारों ने सुभाष चौक पहुंचकर एसईसीएल प्रबंधन का पुतला दहन किया और कलेक्ट्रेट कार्यालय का घेराव कर विरोध प्रदर्शन किया।

जमीन गई, रोजगार नहीं मिला

कुसमुंडा क्षेत्र में दनेपाली, पढ़ानिया, चंद्रनगर सहित कई गांवों की कृषि भूमि को एसईसीएल ने खदान विस्तार के लिए अधिग्रहित किया है। लेकिन स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि जमीन लिए जाने के बावजूद न तो उन्हें रोजगार मिला और न ही बसाहट या समुचित मुआवजा दिया गया। इस वजह से प्रभावित परिवारों को आजीविका चलाने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प

प्रदर्शन के दौरान स्थिति उस समय तनावपूर्ण हो गई जब सैकड़ों की संख्या में भू-विस्थापित सुभाष चौक से नारेबाजी करते हुए कलेक्टरेट कार्यालय की ओर बढ़े। यहां उन्होंने मुख्य गेट पर प्रदर्शन करते हुए घेराव किया। इस दौरान पुलिस और आंदोलनकारियों के बीच हल्की झड़प की भी सूचना है।

लगातार हो रहे आंदोलन

यह कोई पहली बार नहीं है जब भू-विस्थापितों ने विरोध प्रदर्शन किया हो। बीते कुछ महीनों से लगातार एसईसीएल प्रबंधन के खिलाफ आंदोलन तेज होता जा रहा है। प्रभावितों की मांग है कि उन्हें तत्काल नौकरी, बसाहट और उचित मुआवजा दिया जाए, ताकि वे अपने परिवार का जीवन यापन कर सकें।

प्रशासन पर भी उठे सवाल

प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन पर भी आरोप लगाए कि वह एसईसीएल प्रबंधन के दबाव में काम कर रहा है और पीड़ितों की मांगों की अनदेखी कर रहा है। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर जल्द ही उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन और उग्र किया जाएगा।

एसईसीएल कुसमुंडा खदान में कोयला चोरी का खुलासा

कोरबा। एसईसीएल कुसमुंडा खदान में कोयला चोरी का एक और बड़ा मामला सामने आया है। एक ट्रांसपोर्ट कंपनी के चार ट्रकों से कुल 84 टन अवैध कोयला जब्त किया गया है, जिससे खदान से जुड़े माफिया नेटवर्क और एसईसीएल अफसरों की भूमिका पर गंभीर सवाल उठ खड़े हुए हैं।सूत्रों के अनुसार, एसईसीएल रोड सेल के अधिकारियों ने नियमित निरीक्षण के दौरान चार संदिग्ध ट्रकों को पकड़ा। जब इनकी रॉयल्टी पर्चियों और लोडिंग दस्तावेजों की गहन जांच की गई, तो गड़बड़ियां उजागर हुईं। दस्तावेजों के अनुसार, ट्रकों में 35 टन पासिंग था, लेकिन वास्तविक लोडिंग में 20 टन वैध और 15 टन अवैध कोयला पाया गया।जांच में खुलासा हुआ कि कोयला माफिया और ट्रांसपोर्टर मिलकर ऐसा नेटवर्क चला रहे हैं जिसमें 'सड़क खराब' का बहाना बनाकर ट्रकों में आधा कोयला वैध रूप से लोड किया जाता है और बाकी 15 टन चोरी का कोयला खदान के भीतर ही चोरी- छिपे ट्रक में भर दिया जाता है। इस तकनीक से ट्रक के पासिंग वैध होने के बावजूद वह फुल लोड दिखाई देता है और सुरक्षा जांच से बच निकलता है।

जानकारों का मानना है कि इतनी सुनियोजित चोरी बिना आंतरिक मिलीभगत के संभव नहीं है। अब जांच एजेंसियों के लिए यह एक चुनौती है कि वे केवल ट्रक या ट्रांसपोर्ट कंपनी तक सीमित न रहें, बल्कि इस पूरे भ्रष्टाचार के नेटवर्क की तह तक पहुंचें। 84 टन कोयले की यह बरामदगी किसी छोटी चोरी का मामला नहीं है, बल्कि यह एक सुनियोजित गिरोह की ओर इशारा करता है, जिसकी जड़ें कोयला प्रबंधन और ट्रांसपोर्ट सिस्टम में गहराई तक फैली हो सकती हैं। अब देखना होगा कि प्रशासन इस पर कितनी तत्परता से कार्रवाई करता है और दोषियों को कब तक सलाखों के पीछे पहुंचाया जाता है।

कोयला खदान क्षेत्र में बढ़ते अपराध पर हाईकोर्ट हुआ सख्त

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोयला खदान क्षेत्रों में बढ़ते अपराध, फ्लाई ऐश और कोल डस्ट से आमजन को हो रही परेशानी को लेकर छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने जिले की स्श्वष्टरुखदान में ट्रांसपोर्टर की हत्या के मामले पर स्वत- संज्ञान लेते हुए और राज्य शासन से जवाब मांगा है।

चार महीने पहले कोरबा की खदान में कोयले के ट्रांसपोर्ट को लेकर दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प हुई थी, जिसमें एक ट्रांसपोर्टर की हत्या हो गई थी। इस घटना और उससे जुड़े पर्यावरणीय संकट पर हाईकोर्ट ने कड़ा ऐतराज जताते हुए कहा कि उद्योग विकास के लिए जरूरी हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि आम नागरिकों की सुरक्षा और जीवन को खतरे में डाला जाए।हाईकोर्ट ने कहा— बिना कवर कोयला ढोने वालों को न मिले परमिटसुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं और उड़ती राख से जनता की जान जोखिम में है। फ्लाई ऐश और कोल डस्ट की वजह से स्वास्थ्य पर पड़ रहे गंभीर प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने निर्देश दिए कि बिना ढंकी हुई कोयला परिवहन गाड़ियों को परमिट जारी न किया जाए। हाईवे पेट्रोलिंग स्टाफ को भी निर्देशित किया गया है कि वे गाड़ियों की फोटो सहित नियमित जांच करें। की कार्यप्रणाली पर भड़के चीफ जस्टिसकोर्ट रूम में सुनवाई के दौरान की भूमिका पर नाराजगी जताते हुए चीफ जस्टिस ने कहा, का रवैया ऐसा है कि हम तो कोयला बेचते हैं, बाकी ट्रांसपोर्टर जाने। यह वैसा ही है जैसे शराब बेचने वाला कहे कि हम तो शराब बेचते हैं, बाकी पीने वाला जाने। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि इस तरह की गैर-जिम्मेदाराना कार्यप्रणाली को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हाईकोर्ट ने और को सख्त निर्देश दिए कि वे पर्यावरणीय सुधार कार्यों का विवरण शपथपत्र के साथ दोबारा पेश करें। इससे पहले की सुनवाई में कोर्ट ने एक कोर्ट कमिश्नर भी नियुक्त किया था, जिसने क्षेत्र का निरीक्षण कर अपनी रिपोर्ट सौंपी है।

दर्री मंडल में भाजपा का जनचौपाल एवं 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान आयोजित

कोरबा । कोरबा जिले में भारतीय जनता पार्टी दर्री मंडल द्वारा वार्ड क्रमांक 51, स्याहीमुड़ी स्थित फौजी चौक में जन चौपाल एवं शिव मंदिर प्रांगण में मोदी सरकार के 11 साल बेमिसाल-संकल्प से सिद्धि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्य, उद्योग एवं श्रम मंत्री सह कोरबा विधायक लखनलाल देवांगन रहे। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मोदी सरकार के 11 वर्ष सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को समर्पित रहे हैं। आज का पौधारोपण अभियान मातृभूमि और मातृत्व दोनों को सम्मान देने का प्रतीक है। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथियों में भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्रफुल्ल तिवारी, मंडल अध्यक्ष मनोज लहरे, निवर्तमान मंडल अध्यक्ष ईश्वर प्रसाद साहू, पूर्व मंडल अध्यक्ष तुलसी प्रसाद ठाकुर, नरेंद्र वाकडे, जिला कार्यकारिणी सदस्य मनोज अग्रवाल, पूर्व महामंत्री अनिल यादव, पार्षद फिरत राम साहू, मुकुंद सिंह कंवर, बंटी सरोज शांडिल्य, संयोजक तोमेश यादव, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य भूपेंद्र साहू, महामंत्री अंजय अग्रवाल, किशोर साहू, उपाध्यक्ष संजय कुर्वंवशी, सुनीता पांडेय,

जंगल से निकलकर गांव में पहुंच रहे सियार

कोरबा। जिले के कटघोरा वनमंडल अंतर्गत आने वाले जटगा और केंदई रेंज के जंगल से निकलकर आसपास के गांव में सियार आतंक मचा रहे हैं। चार से पांच की संख्या में सियार (सिकटा) दिनदहाड़े और रात के वक्त बच्चों से लेकर बड़े और जानवरों तक को अपना निशाना बना रहे हैं। सियारों ने एक हफ्ते से आतंक मचा रखा है और कई लोग इससे प्रभावित हो चुके हैं, लेकिन सूचना देने के बाद भी वन विभाग के कर्मचारियों का रवैया उदासीन बना रहता है। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि सियार वैसे तो करीब एक महीने से परेशान कर रहे हैं, लेकिन पिछले एक हफ्ते से इनका आतंक कुछ ज्यादा ही बढ़ गया है। ग्राम हड़मोड़ में सियार ने घर के बाहर खेल रहे 3 साल के मासूम बच्चे को दिनदहाड़े काट लिया। तीन दिन पहले ही शाम के वक्त ग्राम कोटवार शंकर को सियार ने तब काट लिया जब वह शोर मचने पर अपने घर के दरवाजे पर आकर खड़ा था। एक ग्रामीण ने बताया कि वन कर्मियों को जानकारी दी गई थी कि सियार आतंक मचा रहे हैं और 3 साल के बच्चे को भी काट लिया है, लेकिन आने की बात कह कर कोई भी वन कर्मी गांव नहीं पहुंचा और न ही घायलों का हाल जानने की फुर्सत मिली।बताया गया कि सियारों ने कई जानवरों को भी काट कर जख्मी कर दिया है। ग्राम हड़मोड़ के अलावा देवमट्टी, आमाटिकरा जटगा आदि आसपास के गांव में सियारों की दहशत है। ग्रामीण रतजगा कर सियार की तलाश में भी लगे रहते हैं ताकि सतर्क किया जा सके। आमाटिकरा में दो दिन पहले एक वृद्ध किसान को सियार ने तब काट लिया जब वह खेत में काम कर रहा था। उस किसान को अस्पताल ले जाने के संबंध में वन कर्मी को सूचना दी गई कि उसे अस्पताल ले जाना है,लेकिन वन कर्मी ने कहा कि अपने साधन से आ जाओ फिर यहां से ले जाएंगे। करीब 10 से 12 किलोमीटर दूर गांव में सियार का शिकार हुए वृद्ध की हालत ऐसी नहीं थी कि वह किसी के बाइक में पीछे बैठकर जा सके क्योंकि उसे लगातार चक्कर आ रहे थे। काफी इंतजार के बाद अंतत- डायल 112 वाहन में बिठाकर पीड़ित ग्रामीण को अस्पताल ले जाया गया

भाजपा कोर कमेटी की अहम बैठक हुई संपन्न

कोरबा । भारतीय जनता पार्टी कोरबा जिले की कोर कमेटी की एक महत्वपूर्ण बैठक जिला कार्यालय टी.पी. नगर में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी ने की। इस अवसर पर संगठन को और अधिक सशक्त, सक्रिय और जनसंपर्क केंद्रित बनाने को लेकर कई बिंदुओं पर विचार-विमर्श हुआ तथा महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। उक्त बैठक में छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री सह कोरबा विधायक लखनलाल देवांगन, जिला प्रभारी गोपाल साहू, कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल, कोरबा नगर निगम महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत, पूर्व गृहमंत्री ननकीराम कंवर, पूर्व जिलाध्यक्ष मनोज शर्मा, डॉ. राजीव सिंह, अशोक चावलानी, जोगेश लांबा, पवन गर्ग, ज्योतिनंद दुबे, संतोष देवांगन एवं हितानंद अग्रवाल सहित कोर कमेटी के सभी प्रमुख सदस्य उपस्थित रहे।अपने अध्यक्षीय संबोधन में गोपाल मोदी ने कहा कि भाजपा का मूल आधार समर्पित कार्यकर्ता हैं। संगठनात्मक मजबूती के लिए कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने बताया कि कोरबा जिला भाजपा आने वाले समय में संगठनात्मक गतिविधियों को और तेज गति से विस्तार देने की दिशा में कार्य करेगी। बैठक में पार्टी की आगामी कार्ययोजना, विधानसभा एवं बूथ स्तर तक के सशक्तिकरण, सार्वजनिक जनसंपर्क अभियानों, और नवीन युवाओं को

हरेली पर्व पर छत्तीसगढ़ महतारी मंदिर पहुंचे पूर्व मंत्री ने की पूजा अर्चना

कोरबा। पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने हरेली के पावन पर्व पर हसदेव नदी के तट पर भवानी मंदिर के समीप निर्मित प्रदेश के एकमात्र छत्तीसगढ़ महतारी मंदिर पहुंचकर पूजा अर्चना कर अंचल और प्रदेशवासियों की खुशहाली और समृद्धि के लिए कामना किया। इस अवसर पर जयसिंह अग्रवाल ने मंदिर परिसर में कृषि उपकरणों की विधिवत पूजा अर्चना किया।तत्पश्चात मंचिय कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। मंचीय कार्यक्रम के शुरुआत में समारोह के मुख्य अतिथि जयसिंह अग्रवाल का मंदिर संचालन समिति के सदस्यों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जयसिंह अग्रवाल ने छत्तीसगढ़ महतारी मंदिर के सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कि विगत 21 वर्षों से मंदिर संचालन समिति के सदस्यगण इस परिसर में अपनी सेवाएं दे रहे है जो कि प्रशंसनीय है। विगत 21 वर्षों से मुझे भी यहां आकर छत्तीसगढ़ महतारी की पूजा अर्चना करने का सौभाग्य प्राप्त होते आ रहा है। उन्होंने आगे कहा कि मंदिर परिसर के पास ही एक सुविधा जनक सामुदायिक भवन एवं शेड का निर्माण करवाया गया है जिससे विभिन्न कार्यक्रम के आयोजनों में लाभ मिलता है। श्री अग्रवाल ने आगे कहा कि हरेली का पर्व किसानों, खेतीहर, कामगरों का महान लोकपर्व है इस दिन किसान अपने कृषि उपकरणों का घर के आंगन में परंपरागत ढ़ंग से पूजा अर्चना करते है। चारों तरफ खेत-खलिहानों में मनमोहक और आंखो को सुकून देने वाले हरियाली तथा शीतल हवाएं से आनंद मिलता है।

संचालन समिति के अध्यक्ष मोहन प्रधान ने स्वागत उद्बोधन किया। जिन्होंने बताया कि समूचे छत्तीसगढ़ में कोरबा एकमात्र ऐसी जगह है जहां आज से बीस साल पहले

जयसिंह अग्रवाल ने छत्तीसगढ़ महतारी मंदिर का निर्माण करवाया था। जहां प्रतिवर्ष हरेली पर्व का भव्य आयोजन किया जाता है। इस मंदिर परिसर में दूरस्थ अंचलों के भी श्रद्धालु पहुंचकर पूजा अर्चना करते हैं। तथा प्रदेश के ख्यातिलब्ध लोक कलाकारों के जत्थे नृत्य अथवा गायन विधाओं में अपनी प्रस्तुतियां देते हैं। यहां सुबह से ही मेले जैसा माहौल बना रहता है।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि पूर्व महापौर राजकिशोर प्रसाद एवं पूर्व सभापति श्यामसुंदर सोनी ने भी अपने विचार व्यक्त किया । कार्यक्रम स्थल पर हर आयु वर्ग के लोगों के लिए नारियल फेक, गेडी दौड़ सहित अनेक पारंपरिक खेल स्पर्धाओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि व अन्य मंचस्थ अतिथियों के हाथों पुरूस्कृत किया गया। आज के कार्यक्रम में कोरबा के लोक कलाकार थीरमन दास अपने दल के साथ रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर उपस्थित बड़ी संख्या में महिलाओं ने हरीतिमा का प्रतीक हरे रंग की साड़ियां पहन रखी थीं। उपस्थित लगभग एक हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम का संचालन अंचल के प्रसिद्ध रंगमंच कर्मी घनश्याम श्रीवास ने किया तथा आभार प्रदर्शन समिति के महासचिव प्यारे लाल चौधरी ने व्यक्त किया । कार्यक्रम को सफल बनाने में संरक्षक मोहन प्रधान, महासचिव प्यारे लाल चौधरी, संगठन सचिव सुरेश कुमार द्विवेदी, आर.के. पाण्डेय, गीता महंत, सपना चौहान, द्रोपती तिवारी, कुसुम द्विवेदी, अमृता निषाद, ममता अग्रवाल, दिनेश कुमार केवट, ममता कटकवार, वरिष्ठ संरक्षक हरिशचंद्र निषाद, यू.आर. महिलांगे, रामाधार पटेल, थिरमन दास, रजनीश निषाद, पवन जांगड़े, रमेश श्रीवास, डिगम्बर कर्ष, रामेश्वर महंत, दिलहरण महंत, निर्मल राज, छतराम यादव, एन डी कोलियर, श्याम बाई महंत, झलकुंवर, राजमति यादव आदि का सराहनीय योगदान रहा।

इस अवसर पर कृपाराम साहू, डॉ.रामगोपाल कुर्रे, नारायण कुर्रे, बद्री किरण, मुकेश राठौर, सुभाष राठौर, सुकसागर निर्मलकर, मनक साहू, आनंद पालीवाल, पालुराम साहू, सुरेश सहगल, अनिवाशा बंजारे, प्रदीप पुरायणे, झलकुंवर, शालु पनरिया, शांता मण्डावे सहित बड़ी संख्या में कोरबा शहर व ग्रामीण अंचल के गणमान्य स्त्री पुरूष उपस्थित रहे।

महापौर संजू देवी राजपूत के मुख्य आतिथ्य में ग्राम दादर में हरेली तिहार मनाया गया धुमधाम से

कोरबा । नगर निगम कोरबा क्षेत्र के रवि शंकर शुक्ला नगर अंतर्गत ग्राम दादर में छत्तीसगढ़ की पारंपरिक पहचान हरेली तिहार का उल्लासपूर्वक आयोजन किया गया। इस लोकपर्व में नगर निगम की महापौर संजू देवी राजपूत मुख्य रूप से उपस्थित रहीं और उन्होंने परंपरागत रीति-रिवाजों के साथ इस सांस्कृतिक उत्सव में भाग लिया। हरेली तिहार छत्तीसगढ़ का पहला त्यौहार माना जाता है, जो विशेष रूप से किसानों और ग्रामीण जीवन से जुड़ा हुआ है। इस दिन लोग खेती-बाड़ी के औजारों की पूजा करते हैं, बैलों को स्नान कराकर सजाया जाता है, और गांव-गांव में पारंपरिक खेलकूद जैसे कि गेड़ी दौड़, रस्साकशी, फुगड़ी, कबड्डी और भौंरा प्रतियोगिता आदि सहित अन्य का आयोजन होता है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महापौर संजू देवी राजपूत ने ग्रामीण संस्कृति को जीवंत बनाए रखने पर जोर देते हुए कहा कि हरेली तिहार हमारी संस्कृति और कृषि परंपरा का जीवंत प्रतीक है। इस प्रकार के आयोजन हमें हमारी जड़ों से जोड़ते हैं और नई पीढ़ी को हमारी समृद्ध विरासत से परिचित कराते हैं। इस अवसर पर क्षेत्रवासियों ने पारंपरिक परिधान पहनकर नृत्य-गान प्रस्तुत किए, नगर निगम की ओर से उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने बच्चों को पारंपरिक खेलों के लिए प्रोत्साहित किया। महिलाओं ने गेड़ी चढ़ने जैसे पारंपरिक खेलों में भाग लिया और कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 'हरेली गीत' की प्रस्तुति रही। इस आयोजन में नगर निगम के अधिकारी-कर्मचारी, वार्डवासी, समाजसेवी संगठन और स्कूली बच्चे भी बड़ी संख्या में शामिल हुए। हरेली पर्व पर वृक्षारोपण भी किया गया, जिसमें नीम, आम, पीपल जैसे पौधे लगाए गए।

नौकरशाहों का बोलबाला चौपट हुई शिक्षा व्यवस्था

युक्तियुक्तकरण के नियमों से खिलवाड़, दर्ज हो एफआईआर

जांजगीर चांपा। जिले में शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण में डीईओ, बीईओ और डिप्टी कलेक्टर की मनमानी जमकर चली है। इनके द्वारा नियमों को तोड़ मोड़कर अपने सुविधा और संतुलन के हिसाब से परिभाषित किया गया है। सहायक शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण में महिलाओं को तीस से चालीस किमी दूर के स्कूल में पदस्थ किया गया है।

काउंसिलिंग में महिलाओं को वरीयता दी गई थी जो यहां उनके लिए अभिशाप बन गया।पुरुष शिक्षक यथावत अपने स्कूल में हैं और महिलाओं को दूर जाना पड़ रहा है। यह किस तरह की काउंसिलिंग है। वहीं इस जिले के लगभग 100 शिक्षकों को दूसरे जिले में भेज दिया गया है। यह इस जिले के लिए बड़ा नुकसान है। इन शिक्षकों को भी ऐसे स्कूलों में भेजा गया है जहां दर्ज संख्या कम है और वहां जाकर इन्हें दूसरे विषय को पढ़ाना है। यही काम ये शिक्षक इस जिले में भी कर सकते हैं। सारंगढ़ सहित प्रदेश के अन्य कई जिलों के शिक्षकों को जिले के ही स्कूल समायोजित किया गया है मगर यहां के अधिकारी शिक्षकों का मानसिक शोषण पर उतारू हैं। जिन शिक्षकों को स्कूल में पढ़ाना था वे

माह भर से हाईकोर्ट और जिला स्तरीय, संभाग स्तरीय कमेटी में अभ्यावेदन लेकर भटक रहे हैं। बच्चों की पढ़ाई चौपट है और अधिकारी अभ्यावेदन के निराकरण के नाम पर माह बी भर मीटिंग में लगे हुए हैं मगर समस्या का हल निकालने की मंशा उनकी नहीं है। कुछ लोगों के अभ्यावेदन में शिक्षकों को राहत मिली है मगर उसके लिए दोषी अधिकारियों को कोई दंड नहीं मिला है। किसी ब्लाक में कला के शिक्षक को कला तो कहीं हिंदी का शिक्षक माना गया है दोनों बातें एक साथ कैसे हो सकती है। मगर नौकरशाहों की जिद के आगे जिले के सत्ता पक्ष से लेकर विपक्ष तक के नेताओं की एक नहीं चली।जिसका खामियाजा शिक्षकों के साथ विद्यार्थियों को भी भुगतना पड़ रहा है। क्या नियमों को तोड़ने वाले ऐसे लापरवाह नौकरशाहों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज नहीं होना चाहिए जो शासकीय नियमों की व्याख्या अपनी सुविधा के अनुसार। करें, ऐसे अधिकारी समाज प्रदेश और राष्ट्र के लिए घातक हैं इनके खिलाफ सभी प्रभावित शिक्षक और उनके परिजन को एक जुट होकर राष्ट्रपति, राज्यपाल से शिकायत करने की तैयारी में हैं।महिला शिक्षक एकजुट होकर राष्ट्रीय और राज्य स्तर के महिला आयोग में भी जाने की तैयारी कर रहे हैं। उनकी मांग है कि ऐसे भ्रष्ट अधिकारियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज हो चाहे वह डिप्टी कलेक्टर हो संयुक्त संचालक हो, डीईओ हो या बीईओ हो ।

255 पद के लिए433 शिक्षकों की काउंसिलिंग

क्या 255 पद के लिये 433 शिक्षकों की काउन्सलिंग हो सकती है, और यदि हो सकती है तो जिन्होंने जगह का चयन नहीं किया उनके स्थान पर दूसरे को अवसर क्यों नहीं दिया गया।यदि काउंसिलिंग की जा सकती है तो जिन्होंने जगह का चयन नहीं किया उनके स्थान पर दूसरे को अवसर दिया जाए और बिना सहमति के जारी किया गया आदेश निरस्त किया जाए

तितलागढ़ पैसेंजर में बोगी की कमी से होती है भारी भीड़

लंबी दूरी की इस पैसेंजर ट्रेन के लिए रेल विभाग है पूरी तरह से उदासीन

जांजगीर चांपा। रेल विभाग द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए बिलासपुर से तितलागढ़ पैसेंजर चलाया जाता है किंतु इस ट्रेन में डिब्बे की कमी से हमेशा भारी भीड़ होती है जिससे महिलाओं एवं बच्चों सहित यात्रियों को यात्रा करने में भारी मुसीबतो का सामना करना पड़ता है । रेल विभाग इस गाड़ी में अगर चार डिब्बा(बोगी)और बढ़ा देती है तो इसे यात्रियों को सुविधा हो जाएगी।

इस संबंध में अवगत होगी बिलासपुर जंक्शन से तितलागढ़ जंक्शन के लिए सुबह 6:50 पर प्रतिदिन तितलागढ़ पैसेंजर ट्रेन नंबर 58214 चलाई जाती है। जिसमें केवल छह बोगियां ही रहती है इस गाड़ी में मात्र 6 बोगी होने के कारण यात्रियों को यात्रा करने में सीट उपलब्ध होना तो दूर ट्रेन में चढ़ना मुश्किल हो जाता है जहां यात्रियों को यात्रा करने में भारी तकलीफों का सामना करना पड़ता है । यह ट्रेन बिलासपुर से सुबह 6:50 से रवाना होकर तितलागढ़ शाम 7 बजे अपने गौतम गंतव्य को पहुंचती है इतनी लंबी दूरी के पैसेंजर गाड़ी में मात्र 6 बोगी का होना यात्रियों के साथ बड़ा ही अन्याय है क्योंकि सुबह बिलासपुर से जब यह ट्रेन रवाना होती है तो इसमें ग्रामीण क्षेत्र से यात्री अधिक होते हैं क्योंकि यह यात्री ट्रेन छोटी-बड़ी सभी स्टेशनों में रूकती है जिसके कारण लोगों को प्रात: के समय महिलाओं को विशेष कर आने-जाने को उनके लिए सुविधाजनक गाड़ी है। इसी कारण शादी विवाह के समय ही नहीं बल्कि रक्षाबंधन,होली, दीपावली आदि अनेक त्योहारों में विशेष कर महिलाओं का इस ट्रेन के माध्यम से आवागमन होता है, परंतु मात्र 6 बोगियां होने के कारण इसमें यात्रा करने वाले लोगों को सीट उपलब्ध नहीं हो पाती और यात्रियों को खड़े होकर लंबी दूरी की यात्रा तय करनी पड़ती है। जबकि यह ट्रेन 432 किलोमीटर की यात्रा तितलागढ़ तक तय करती है इस कारण इस ट्रेन में विशेष कर गरीब वर्ग के लोग यात्रा करना अधिक पसंद करते हैं किंतु कम बोगी होने के कारण इन्हें यह यात्रा कठिनाई भरा करना पड़ता है और वे इस ट्रेन से यात्रा करके पछताते रहते हैं।

सबसे ध्यान देने वाली बात यह है कि बिलासपुर रेल मंडल द्वारा कभी-कभी ट्रेन को सही समय पर छोड़ा जाता है और अधिकतर यह ट्रेन लेट लतीफ ही बिलासपुर से रवाना किया जाता है जिसके कारण प्रत्येक स्टेशनों में यात्रियों की संख्या अधिक हो जाती है इसलिए रेल विभाग को चाहिए कि तितलागढ़ ट्रेन में कम से कम 4 बोगी बढ़ाया जाए, ताकि आवागमन करने वाले लोगों को यात्रा करते समय सीट उपलब्ध हो सके। हालांकि यात्रियों की यह परेशानी किसी जनप्रतिनिधि को नजर नहीं आता क्योंकि वह कभी पैसेंजर ट्रेनों में यात्रा नहीं करते जिससे लोगों की मुसीबत का पता उन्हें नहीं चल पाता रेलवे प्रबंधन को इस दिशा में गंभीर होकर कार्य करने की आवश्यकता है साथ ही साथ तितलागढ़ पैसेंजर ट्रेन 4 बोगी तत्काल बढ़ाने जाने की जरूरत है । यह लोगों की मांग भी है जिसे तत्काल पूरा किया जाना नितांत जरूरी है। जिसके लिए क्षेत्रीय सांसद को विशेष कर ध्यान देने की जरूरत है ताकि रेल सुविधाओं का यात्रियों को लाभ मिल सके

रेत के अवैध कारोबार के खिलाफ प्रशासन हुआ सख्त

जांजगीर चांपा। धार्मिक नगरी में लंबे समय से चल रही अवैध रेत खनन और डंपिंग पर आखिरकार प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। हाल ही में नव पदस्थ हुए तहसीलदार टिकेंद्र नूरुटी ने कार्यभार संभालते ही नगर में चल रहे अवैध गतिविधियों पर नकेल कसना शुरू कर दी है। इसी क्रम में बैराज मोड़ के पास शासकीय भूमि में बड़ी मात्रा में हो रही अवैध रेत डंपिंग पर उन्होंने औचक कार्रवाई कर नगर पंचायत जनप्रतिनिधियों की संलिप्तता को उजागर कर दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर के बैराज मोड़ के समीप विगत दिनों से अवैध रूप से रेत का भंडारण किया जा रहा था। यह कार्य नगर पंचायत के ही कुछ प्रभाव शाली जनप्रतिनिधियों की मिलीभगत से किये जाने की चर्चा है। सोमवार को मुखबिर से सूचना मिलने पर तहसीलदार नूरुटी अपनी राजस्व टीम और पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि एक जेसीबी मशीन और हाइवा वाहन के माध्यम से रेत की ढुलाई और डंपिंग का कार्य जारी था जिसे उचे दामों में बेचने की फिराक में थे। मौके पर उपस्थित व्यक्तियों से जब तहसीलदार ने रेत डंपिंग और मशीन संचालन के संबंध में वैध दस्तावेज मांगे, तो वे कोई भी वैध अनुमति पत्र प्रस्तुत नहीं कर सके। इससे स्पष्ट हो गया कि रेत का भंडारण पूरी तरह से अवैध था और शासन की खनिज नीति के विपरीत था।

तहसीलदार ने मौके पर ही रेत डंपिंग को रुकवाते हुए संबंधित वाहनों को जब्त कर थाना के सुपुर्द कर दिया। इसके साथ ही अवैध खनन से जुड़े लोगों की पहचान कर उनके विरुद्ध खनिज अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। इस कार्रवाई से नगर में हड़कंप मच गया है। आम जनता में प्रशासन की तत्परता और निष्पक्षता को लेकर सकारात्मक संदेश गया है। विगत दिनों से जनप्रतिनिधियों के संरक्षण में चल रही अवैध रेत डंपिंग को रोकने की दिशा में यह एक बड़ा कदम माना जा रहा है। स्थानीय नागरिकों ने भी तहसीलदार के इस निर्णय की सराहना की है। सूत्रों की मानें तो इस प्रकरण में नगर पंचायत के कुछ जनप्रतिनिधियों के नाम सामने आ रहे है। जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अवैध खनन गतिविधियों में लिप्त हैं। तहसील प्रशासन द्वारा इस मामले की गहन जांच की जा रही है, और निकट भविष्य में और भी नामों का खुलासा हो सकता है।

तहसीलदार टिकेंद्र नूरुटी ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि शिवरीनारायण क्षेत्र में अवैध खनन और रेत डंपिंग किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप पारदर्शिता और कड़े नियंत्रण के साथ कार्य किया जाएगा, ताकि राजस्व की हानि को रोका जा सके और पर्यावरण की रक्षा सुनिश्चित हो सके। नगरवासियों को उम्मीद है कि प्रशासन की यह सक्रियता आगे भी जारी रहेगी और अवैध कार्यों में लिप्त प्रभाव शाली लोगों पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी यह कार्रवाई एक उदाहरण बनकर सामने आई है कि यदि प्रशासन चाहे तो कानून से ऊपर कोई नहीं है।

खरौद में डायरिया का प्रकोप एक सप्ताह में मिले 47 मरीज

जांजगीर। दूषित पानी की वजह से जिले में डायरिया फैल रहा है। सबसे ज्यादा असर नगर पंचायत खरौद में देखा गया है। यहां पिछले सात दिन में 47 मरीज मिले हैं। सभी को सीएचसी में भर्ती किया गया। इलाज के बाद अधिकतर मरीजों को छुट्टी दे दी गई है। दो मरीजों की हालत गंभीर बनी हुई है।

खरौद के तिवारी पारा में मरीजों की पहचान के लिए स्वास्थ्य विभाग ने शिविर लगाया। यह शिविर 18 और 19 जुलाई को चला। इसमें 10 नए मरीज सामने आए। लगातार बढ़ते मामलों को देखते हुए हाईकोर्ट ने चिंता जताई है। कोर्ट ने स्वास्थ्य विभाग से जवाब मांगा है। नगर पंचायत क्षेत्र में साफ पानी की व्यवस्था नहीं होने से संक्रमण फैल रहा है। स्वास्थ्य विभाग की टीम लगातार निगरानी कर रही है। मरीजों को समय पर इलाज देने का दावा किया जा रहा है। विभाग ने लोगों से उबला पानी पीने और साफ-सफाई रखने की अपील की है। फिलहाल हालात नियंत्रण में हैं। गंभीर 37 मरीजों को सीएचसी में किया भर्ती खरौद सीएचसी में 13 से 21 जुलाई तक करीब 37 डायरिया पीड़ित मरीजों की पहचान हुई। 17 जुलाई को 9 और 18 जुलाई को 8 मरीजों को लक्षण दिखने पर भर्ती किया गया। अकलतरा के ग्राम हरदी महामाया में पहले भी लोग डायरिया के शिकार हुए हैं।

लाकअप में युवक की मौत, हाईकोर्ट ने हत्या की जगह गैर इरादतन हत्या का मामला माना

जांजगीर चाम्पा। जस्टिस संजय के अग्रवाल एवं जस्टिस दीपक कुमार तिवारी की डीबी ने मुलमुला थाने में प्रतिबंधित धारा के तहत हिरासत में लिए गए युवक की मौत के मामले में मुलमुला थाना के तत्कालीन टीआई, दो आरक्षक एवं एक सैनिक को हत्या के बजाय गैरइरादतन हत्या का दोषी माना है। कोर्ट ने आरोपितों को निचली अदालत से सुनाई गई आजीवन कारावास की सजा को 10 वर्ष कठोर कारावास में बदला है। जांजगीर चाम्पा जिला के मुलमुला पुलिस को 17-9-2016 को देवेंद्र कुमार साहू ऑपरेटर, सीएसपीडीसीएल, विद्युत उपकेंद्र, नरियरा ने सूचना दी कि सतीश नोरगे निवासी ग्राम नरियरा, उपकेंद्र नरियरा में शराब पीकर उपद्रव कर रहा है, जिसे रोजनामचा सनहा में दर्ज किया गया। इसके तुरंत बाद तत्कालीन थाना प्रभारी जे.एस. राजपूत ने उक्त सूचना को कांस्टेबल दिलहरन मिरी और सुनील ध्रुव के साथ उप-स्टेशन नरियरा के लिए रवाना हुए पहुँचने पर उन्होंने पाया कि सतीश नोरगे नशे की हालत में था और उसके मुँह से शराब की अत्यधिक गंध आ रही थी। सतीश नोरगे का नियमानुसार सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पामगढ़ में चिकित्सीय परीक्षण कराया गया। डॉ.

श्रीमती रश्मि दहिरे ने एमएलसी की और पाया कि सतीश नोरगे नशे की हालत में था, मुँह से शराब की अत्यधिक गंध आ रही थी, आँखें लाल थीं और वह ठीक से खडे भी नहीं हो पा रहा था। पुलिस ने उसे प्रतिबंधित धारा 107, 116 के तहत गिरफ्तार कर परिजनों को गिरफ्तारी की सूचना दी गई। दूसरे दिन सुबह परिजन को उसके बीमार होने पर अस्पताल ले जाने की जानकारी दी गई। पामगढ़ अस्पताल में जांच उपरांत डॉक्टर ने मृत घोषित किया। पुलिस हिरासत में युवक की मौत के बाद परिजन व आम लोगों ने हंगामा कर मामले की जांच एवं दोषी पुलिस कर्मियों पर हत्या का मुकदमा दर्ज कराने की मांग की। जांच उपरांत इस मामले में जांजगीर न्यायालय में चालान पेश किया गया। विशेष सत्र परीक्षण संख्या 27/2016 में खाकी वर्दीधारी व्यक्तियों को दोषी ठहराया गया। अदालत ने तत्कालीन टीआई मुलमुला जितेंद्र सिह राजपूत, सुनील ध्रुव कांस्टेबल (ए-2), दिलहरन मिरी कांस्टेबल और राजेश कुमार सैनिक को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 सहपठित धारा 34 के तहत आजीवन कारावास, 2000/- प्रत्येक का जुर्माना भरने की सजा सुनाई। सजा के खिलाफ आरोपितों ने हाईकोर्ट में अपील पेश की। जस्टिस संजय के अग्रवाल एवं दीपक कुमार तिवारी की डीबी ने सुनवाई उपरांत अपने आदेश में कहा कि इस मामले को ध्यान में रखते हुए और सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गए निर्णयों के मद्देनजर, हमारा यह विचार है कि भारतीय दंड संहिता की धारा 304 भाग 2 के अंतर्गत अपराध बनता है। अपीलकर्ताओं के विरुद्ध धारा 302 के अंतर्गत दोषसिद्धि को धारा 34 के साथ पठित धारा 304 भाग 2 के अंतर्गत दोषसिद्धि में परिवर्तित करते परिणामस्वरूप, उन्हें दी गई आजीवन कारावास की सजा रह की जाती है और उन्हें कठोर कारावास की सजा सुनाई जाती है। और अलग रखा जाता है और परिवर्तित दोषसिद्धि के लिए दस वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई जाती है। हालाँकि, निचली अदालत द्वारा उन पर लगाया गया जुर्माना व शर्ते कि वह चूक न करे, बरकरार रहेगा। आपराधिक अपील आंशिक रूप से स्वीकार की जाती है।

हरेली तिहार पर किसानों ने की कृषि औजारों की पूजा

जांजगीर-चांपा। जिले में छत्तीसगढ़ का लोकप्रिय पर्व हरेली धूमधाम से मनाया गया। किसानों ने हल और कृषि औजारों की विशेष पूजा की। पर्व के कारण खेती-बाड़ी का काम पूरी तरह बंद रहा। सुबह से ही ग्रामीणों ने हल और अन्य कृषि औजारों को तालाब में धोया। आंगन में चौक बनाकर हल, पावड़ा, टांगी, ट्रैक्टर और केज व्हील की पूजा-अर्चना की गई। पूजा में चीला, बोबरा और नारियल का भोग लगाया गया।

गांव-गांव में नारियल जीत-हार का खेल आयोजित किया गया। नारियल फेंकने की प्रतियोगिता में लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

इस दौरान बच्चों और युवाओं ने गेंड़ी खेल का आनंद लिया।

नारियल की हार-जीत खेलने वाली टोलियां ने लिया आनंद

शहरी क्षेत्रों में भी हरेली का त्योहार मनाया गया। जिन घरों में कृषि औजार नहीं थे, वहां देवी-देवताओं की पूजा कर परंपरा निभाई गई। सड़कों पर नारियल की हार-जीत खेलने वालों की टोलियां दिखीं। त्योहार को लेकर बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों में खासा उत्साह देखा गया। लोगों ने एक दिन पहले शाम से ही तैयारियां पूरी कर ली थीं।

हरेली तिहार पर दो हजार पौधे रोपे गए

जांजगीर-चांपा। जिले में प्रशासन और उद्योगों के सहयोग से चरणबद्ध तरीके से वृक्षारोपण कराकर ऑक्सीजन जोन-ग्रीन जोन के रूप में विकसित करने का लक्ष्य रखा है। इसी क्रम में हरेली तिहार के अवसर पर कलेक्टर जन्मेजय महोबे के निर्देश में अकलतरा विकासखंड के ग्राम खिसोरा मेंएक पेड़ मां के नाम अभियान 2.0 के तहत वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में एमवी के इंडस्ट्री, अमरताल के सहयोग से दो हजार से अधिक पौधे आम, अमरूद, आँवला, गुलमोहर सहित छायादार एवं औषधीय पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, उद्योगों, नागरिकों, अधिकारी-कर्मचारी ने एक पेड़ माँ के नाम संकल्प के साथ पौधरोपण किया। इस अवसर पर जिला खनि अधिकारी अनिल साहू, डिप्टी कलेक्टर पवन कोसमा, उद्योग विभाग के अधिकारी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जिले में पंचायतों, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों द्वारा विभिन्न स्थानों में सतत रूप से पौधरोपण किया जा रहा है। नागरिक पर्यावरण संरक्षण की इस मुहिम से जुड़कर एक पेड़ माँ के नाम को एक जनांदोलन का स्वरूप दे रहे है। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर श्री महोबे के निर्देशन में यह अभियान जिलेभर में सतत आगे बढ़ाया जा रहा है, वे स्वयं इस पूरी प्रक्रिया की मॉनिटरिंग कर रहे हैं ताकि स्वच्छ वायु, बेहतर पर्यावरण और प्राकृतिक सुंदरता का उपहार दिया जा सके।

अधिक ब्याज का लालच देकर करोड़ो की धोखाधड़ी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

जांजगीर-चांपा। कम समय में अधिक ब्याज देने का लालच देकर लोगों से करोड़ों रुपए की धोखाधड़ी करने वाले आरोपी को थाना जांजगीर पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

थाना प्रभारी मणिकांत पाण्डेय ने बताया कि आरोपी नकुल साहू और उसके अन्य साथी के द्वारा लोगों को कम समय में अधिक ब्याज देने का लालच देकर लोगों से किस्त-किस्त में नगद एवं आरटीजीएस के माध्यम से कुल 1 करोड़ 15 लाख रुपए ले लिया है। जमा किये पैसा को वापस मांगने पर आनाकानी कर रहा है। प्रार्थी परमेंद्र कुमार निवासी पुरानी बस्ती जांजगीर की रिपोर्ट पर थाना जांजगीर में अपराध कायम कर विवेचना लिया गया।

परंपरागत रूप से मनाया गया हरेली त्यौहार

जांजगीर चांपा। छत्तीसगढ़ राज्य की राजधानी रायपुर स्थित श्री दूधाधारी मठ में हरेली का त्यौहार परंपरागत रूप से मनाया गया। इस अवसर पर कृषि कार्यों में उपयोग में लाए जाने वाले नांगर, फावड़ा, गैंती, कुदारी, साबर, आदि विभिन्न कृषि यंत्रों की साफ सफाई की गई। जल से धोकर उन्हें पीढ़ा पर विराजित कर विधिवत पूजा अर्चना की गई। तथा श्रद्धालु भक्तों को प्रसाद वितरित किया। गया महामंडलेश्वर राजेश्री महन्त रामसुन्दर दास जी महाराज ने अपने संदेश में कहा कि -जब से श्री दूधाधारी मठ की स्थापना हुई है तब से यहां हरेली का त्यौहार परंपरागत रूप से मनाया जाता है इसे लोग नांगर तिहार के नाम से भी जानते हैं। कृषि कार्य में नांगर का बहुत महत्व है, पहले कृषि हल पर ही आधारित थी। वर्तमान में ट्रैक्टर आदि के प्रचलन से इसका उपयोग अब कम होने लगा है। उन्होंने कहा कि -हरेली के दिन लोग गौवंशियों की भी सेवा करते हैं उन्हें निरोगी रखने के लिए अंडी

की पत्तियां खिलाने की भी परंपरा ग्रामीण क्षेत्रों में है। लोग इसका निर्वाह करते हैं। उन्होंने हरेली पर्व की प्रदेशवासियों को बधाई दी है। इस अवसर पर विशेष रूप से नागा जी महाराज, पुजारी रामावतार दास जी,रामदेव दास जी, शशांक जी, सुरेंद्र बैरागी, वैभव वैष्णव, भीष्मा, अंकित, नंदलाल फेकर, रतन साहू, राजा वैष्णव, मीडिया प्रभारी निर्मल दास वैष्णव सहित संत महात्मगन एवं विद्यार्थी गण काफी संख्या में उपस्थित थे।

अपराध रोकने पुलिस की मदद करेगी ग्राम रक्षा समिति

जांजगीर। जिले में कानून व्यवस्था को और मजबूत करने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में आपराधिक गतिविधियों पर नियंत्रण रखने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय के निर्देश पर जिले के समस्त थाना एवं चौकी क्षेत्रों में ग्राम रक्षा समिति का गठन किया जा रहा है। इस पहल के माध्यम से ग्राम स्तर पर स्थानीय नागरिकों को सीधे पुलिस प्रशासन से जोड़कर सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

पुलिस अधीक्षक ने सभी थाना प्रभारियों एवं चौकी प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में आने वाले प्रत्येक ग्राम में ग्राम रक्षा समितियों का गठन करने कहा है। इन समितियों में 8 से 15 सदस्यों को शामिल किया जाएगा। सदस्य चयन के दौरान यह ध्यान रखा जाएगा कि वे महिला या पुरुष हों, जिनकी सामाजिक छवि साफ-सुथरी हो एवं वे जिम्मेदारीपूर्वक समाज हित में कार्य कर सकें।पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय ने बताया कि कि जिले में शांति व्यवस्था को किसी भी हाल में भंग नहीं होने दिया जाएगा। असामाजिक तत्वों के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है, और ग्राम रक्षा समिति के गठन से पुलिस को जमीनी स्तर पर सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों की भागीदारी से ही किसी भी समाज में स्थायी शांति और सुरक्षा संभव है। ग्राम रक्षा समितियों का गठन इसी सोच का एक भाग है, जिसके माध्यम से स्थानीय लोगों को सुरक्षा व्यवस्था में सहभागी बनाया जा रहा है।

अनमोल वचन......

जिनकी कामयाबी नहीं रोकी जा सकती,
उनकी बदनामी शुरू की जाती है।

शक की गुंजाइशें कम नहीं

चुनाव आयोग ने पूरे देश में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण शुरू करने के लिए सभी राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को सक्रिय कर दिया है। कुछ विपक्षी दलों व अन्य लोगों ने इस प्रक्रिया को चुनौती देते हुए शीर्ष अदालत का रुख किया था। हालांकि जुलाई के अंत तक निर्वाचन आयोग द्वारा राष्ट्रव्यापी पुनरीक्षण पर अंतिम फैसला लेने की भी चर्चा है। अधिकांश राज्यों में 2002 से 2004 के दौरान मतदाता सूचियों का पुनरीक्षण किया गया था।

आयोग की बेवसाइट के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में उपलब्ध सूची 2008 की है, जबकि उत्तराखंड में आखरी गहन पुनरीक्षण 2006 में होने की सूचना है। अवैध विदेशी प्रवासियों के नाम मतदाता सूची में शामिल होने के विवाद के बाद बिहार में यह बहस गरम हुई। इसी वर्ष बिहार में विधानसभा चुनाव होने हैं, जबकि असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु व पश्चिम बंगाल में भी अगले वर्ष होंगे। बूथ स्तर के कर्मचारियों का आरोप है कि घर-घर जाकर की गई जांच में बड़ी संख्या में नेपाल, बांग्लादेश व म्यामांर के अवैध प्रवासियों के नाम मतदाता सूची में मिले। इस सारी कवायद पर संदेह व्यक्त करने वालों के अनुसार चुनाव आयोग द्वारा मांगे जा रहे दस्तावेज लोगों के पास उपलब्ध नहीं हैं।

साठ फीसद से भी कम नागरिकों के पास पक्का मकान है, केवल 14त्न वयस्क दसवीं तक पढ़े हैं। सवाल है, बड़ी संख्या में बिहारी मजदूर रोजगार के सिलसिले में अन्य राज्यों में जा चुके हैं, उनका नाम इस सूची में शामिल करने का जिम्मा कौन लेगा। हाशिए पर खड़े लोग, दलितों, वंचितों व गरीबी रेखा के नीचे गुजार करने वालों से दस्तावेजों की सूची मांगना गैरवाजिब है। उस पर भी जिनके नाम पहले ही मतदाता सूची में मौजूद हैं और वे तीन-चार बार अपना मत प्रयोग कर चुके हैं। हैरत है कि इतने व्यापक स्तर पर बनाए गए आधार कार्ड पर सरकार और उसका समूचा तंत्र विश्वास क्यों नहीं कर पाता। सबके लिए एक सामूहिक व्यवस्था क्यों नहीं दी जाती। देश के हर नागरिक के लिए एकमात्र परिचय पत्र की व्यवस्था हो, जिसके मार्फत समूची जनसंख्या का सटीक अंदाजा भी हो और वही नागकिता की पहचान बने। उसी को मतदानपत्र, लाइसेंस, पैन, बैंक अकाउंट आदि से जोड़ा जाए। आम नागरिक को तनाव देना व सरकारी महकमों के चक्कर काटने के लिए मजबूर करना या हर कुछ दिनों बाद दस्तावेजों की गड्डियां मुहैया कराना कब तक चलता रहेगा। निः संदेह सरकार की नीयत पर शक की गुंजाइशें कम नहीं हो रहीं।

राशिफल

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज आप किसी जरुरी काम को पूरा करने में सफल रहेंगे साथ ही किसी नए काम की शुरुआत कर सकते हैं। आज आपके दाम्पत्य जीवन में मधुरता आएगी, माता पिता का आशीर्वाद बना रहेगा। आप अपनी इच्छा शक्ति मजबूत करके अपने सपनों को पूरा करने में सफल रहेंगे।

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आप पिता के साथ व्यापार में हाथ बटाएंगे, जिससे उन्हें खुशी मिलेगी। इस राशि के सरकारी एग्जाम की तैयारी करने वाले छात्रों को जल्द ही सफलता मिलेगी, लेकिन अभी मेहनत करने की जरुरत है। शादीशुदा रिश्तों में तालमेल बना रहेगा और आज आप परिवार के साथ बैठकर इंजॉय करेंगे।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए मिली जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आज आप बिजनेस के लेन देन में थोड़ी सतर्कता अवश्य बरतें। आज नेटवर्क मार्केटिंग करने वालों को नए क्लाइंट मिलेंगे, जिससे आपको बड़ा मुनाफा होगा। आज आप माता पिता को बाहर घूमाने ले जा सकते हैं, उनको खुशी मिलेगी।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए खुशनुमा बना रहेगा। आज आपको रोजगार में नए अवसर प्राप्त होंगे, जो आपकी तरक्की में सहायता करेंगे। आज आपका दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा और आज बच्चे भी मन लगाकर पढ़ाई करेंगे। स्वास्थ्य के लिहाज से आज का दिन बढ़िया रहेगा, आज आप खुद को बेहतर महसूस करेंगे।

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक ठाक रहने वाला है। आज आप इन्वेस्टमेंट का प्लान बना सकते हैं और आज आपको अच्छा ऑफर मिलने की संभावना है। आज आप सामाजिक कार्य में अपनी रुचि दिखायेंगे और आज आपकी मुलाकात अनुभवी व्यक्तियों से होगी।

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहेगा। आज आप पार्टनरशिप में किसी काम की शुरुआत कर सकते हैं, जिसमें आपको बढ़िया धन लाभ होगा। आज आप माता पिता के साथ किसी धार्मिक स्थल की यात्रा करने जा सकते हैं, जहां आपको मानसिक शांति मिलेगी। आज आप किसी दोस्त से अपने मन की बात कर सकते हैं, जिससे आपका मन हल्का होगा।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आपके बिजनेस में बड़ा धन - लाभ होगा और परिवार का माहौल भी खुशनुमा बना रहेगा। आपके दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। इस राशि के हेल्थ केयर से जुड़े हुए व्यक्तियों को आज अनुभवी डॉक्टरों से बहुत कुछ सीखने को मिलेगा।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहेगा। व्यापारिक दृष्टी से आज सब ठीक रहेगा और आपके व्यावसायिक रिश्ते भी मजबूत बनेंगे। आज परिवार के प्रति आपकी जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं, धैर्य और संयम बनाएं रखें। इस राशि के छात्र टेस्ट पेपर में अच्छे अंक प्राप्त करेंगे, जिससे पेरेंट्स को गर्व होगा।

धनु राशिः आज आपका दिन नयी संभावनाओ से भरा रहेगा। आज आपके व्यवसाय में सुधार होगा और परिवार के साथ समय बिताने का आपको मौका मिलेगा। शादीशुदा रिश्तों में खुशियां आएंगी , बड़ों का आशीर्वाद प्राप्त होगा। आज आपकी जिन्दगी में किसी नए व्यक्ति का प्रवेश हो सकता है, जो भविष्य में आपके बहुत काम आयेगा।

मकर राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा बना रहेगा। इलेक्ट्रिक बिजनेस करने वाले आज दोगना लाभ कमायेंगे और अपने व्यापार को आगे बढ़ाएंगे। आज किसी रिश्तेदार की मदद से आपका रुका हुआ काम कंप्लीट हो जायेगा, जिससे आपको खुशी मिलेगी। इस राशि के छात्र आज रचनात्मक कार्यों को करने में वक्त बितायेंगे और वो किसी कॉम्पटीशन में पार्टिसिपेट कर सकते हैं।

कुम्भ राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहेगा। आज आप किसी नए काम की शुरुआत कर सकते हैं, जिसमें जीवनसाथी का पूरा सपोर्ट मिलेगा। आज आप नेगेटिव चीजों से दूरी बनाकर रखें और सारा ध्यान अपने काम में लगायें। आज स्टूडेंट स्कूल में नए फ्रेंड बनायेंगे जिससे उनको खुशी मिलेगी। आज आपको नौकरी में प्रमोशन मिलने के योग बन रहें हैं, जिससे घर में खुशी का माहौल रहेगा। आज आप मेहनत और लग्न से किसी प्रोजेक्ट को पूरा करने में सफल रहेंगे, जिससे आप सुकून की सांस लेंगे।

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। आज आपको व्यापारिक लेन देन में मुनाफा होने के साथ साथ बड़ा आर्डर मिलने के योग बन रहे हैं। जीवनसाथी से आज आपको मंहगा उपहार प्राप्त हो सकता है, जिससे आपको खुशी मिलेगी। आज अगर आप किसी काम के लिए जा रहें हैं, तो अपने डॉक्यूमेंट को एक बार अच्छे से चेक कर लें। आज आपको शारीरिक कष्ट से राहत मिलेगी , जिससे आप खुद को रोज की अपेक्षा बेहतर महसूस करेंगे।

पारिस्थितिक और मानवीय आपदा ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना

//विनीत नारायण//

ग्रेट निकोबार द्वीप, जो भारत के अंडमान और निकोबार द्वीप समूह का हिस्सा है, अपनी अनूठी जैव विविधता और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए जाना जाता है। यह द्वीप भारत का सबसे दक्षिणी बिंदु, इंदिरा प्वॉइंट, होने के साथ-साथ यूनेस्को बायोस्फीयर रिजर्व भी है। कुछ समय पहले नीति आयोग द्वारा प्रस्तावित 72,000 करोड़ की ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना ने इस क्षेत्र को वैश्विक व्यापार, पर्यटन और सामरिक महत्त्व का केंद्र बनाने का लक्ष्य रखा है। इस परियोजना में एक अंतरराष्ट्रीय कंटेनर ट्रांसशिपमेंट टर्मिनल, एक ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा, एक टाउनशिप और एक गैस और सौर ऊर्जा आधारित पावर प्लांट का निर्माण शामिल है। इस परियोजना को लेकर पर्यावरणविद्, आदिवासी अधिकार कार्यकर्ताओं और विपक्षी दलों ने गंभीर चिंताएं व्यक्त की हैं।

ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना को नीति आयोग ने 2021 में शुरू किया था, जिसका उद्देश्य इस द्वीप को एक आर्थिक और सामरिक केंद्र के रूप में विकसित करना है। यह द्वीप मलक्का जलडमरूमध्य के पास स्थित है, जो विश्व के सबसे व्यस्त समुद्री मागरे में से एक है। परियोजना के तहत 16,610 हेक्टेयर भूमि का उपयोग किया जाएगा जिसमें से 130.75 वर्ग किमी. प्राचीन वन क्षेत्र शामिल है। इस परियोजना को राष्ट्रीय सुरक्षा और भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति के तहत महत्त्वपूर्ण माना जा रहा है, लेकिन इसके पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभावों ने इसे विवादों के केंद्र में ला खड़ा किया है।

ग्रेट निकोबार द्वीप 1989 में बायोस्फीयर रिजर्व घोषित किया गया था और 2013 में यूनेस्को के मैन एंड बायोस्फीयर प्रोग्राम में शामिल किया गया। यह द्वीप 1,767 प्रजातियों के साथ एक समृद्ध जैव विविधता का घर है, जिसमें 11 स्तनधारी, 32 पक्षी, 7 सरीसृप और 4 उभयचर प्रजातियां शामिल हैं, जो इस क्षेत्र में स्थानिक हैं। परियोजना के लिए लगभग 9.6 लाख से 10 लाख पेड़ों की कटाई की जाएगी जो द्वीप के प्राचीन वर्षा वनों को अपूरणीय क्षति पहुंचाएगी। यह न केवल स्थानीय वनस्पतियों और जीवों को प्रभावित करेगा, बल्कि प्रवाल भित्तियों (कोरल रीफ्स) और समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र को भी नुकसान पहुंचाएगा। गलाथिया खाड़ी, जहां ट्रांसशिपमेंट टर्मिनल प्रस्तावित है, लेदरबैक कछुओं और निकोबार मेगापोड पक्षियों का प्रमुख प्रजनन स्थल है।

2021 में गलाथिया खाड़ी वन्य जीव अभयारण्य को डिनोटिफाई कर दिया गया जो भारत की राष्ट्रीय समुद्री कछुआ संरक्षण योजना (2021) के विपरीत है। यह कछुओं और अन्य समुद्री प्रजातियों के लिए गंभीर खतरा पैदा करता है क्योंकि बंदरगाह निर्माण से होने वाला प्रदूषण, ड्रेजिंग, और जहाजों की आवाजाही उनके प्रजनन और अस्तित्व को प्रभावित करेगी। द्वीप पर शोम्पेन और निकोबारी आदिवासी समुदाय रहते हैं, जो विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह के रूप में वर्गीकृत हैं। ये समुदाय अपनी आजीविका और संस्कृति के लिए जंगलों और प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भर हैं। परियोजना से इनके पारंपरिक क्षेत्रों का 10त्न हिस्सा प्रभावित होगा जिससे उनकी सामाजिक संरचना और जीविका पर खतरा मंडराएगा।

विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि बाहरी लोगों के संपर्क से इन जनजातियों में रोगों का खतरा बढ़ सकता है, जिससे उनकी आबादी विलुप्त होने की कगार पर पहुंच सकती है। ग्रेट निकोबार द्वीप अंडमान-सुमात्रा फॉल्ट लाइन पर स्थित है, जो भूकंप और सुनामी के लिए अत्यधिक संवेदनशील है। 2004 की सुनामी ने इस क्षेत्र को भारी नुकसान पहुंचाया था। पर्यावरण प्रभाव आकलन में भूकंपीय जोखिमों को कम करके आंका गया है, और विशेषज्ञों का कहना है कि परियोजना के लिए साइट-विशिष्ट भूकंपीय अध्ययन नहीं किए गए। यह एक बड़े पैमाने पर आपदा का कारण बन सकता है। परियोजना के लिए काटे गए जंगलों की भरपाई के लिए हरियाणा और मध्य प्रदेश में प्रतिपूरक वनीकरण का प्रस्ताव है। लेकिन ये क्षेत्र निकोबार की जैव विविधता से कोई समानता नहीं रखते। यह पारिस्थितिक संतुलन को बहाल करने में असमर्थ है। पर्यावरण मंजूरी प्रक्रिया और मूल्यांकन दस्तावेज को राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला देकर गोपनीय रखा गया है। विशेषज्ञों का तर्क है कि केवल हवाई अड्डे का सामरिक महत्त्व हो सकता है, न कि पूरी परियोजना का। पारदर्शिता की यह कमी परियोजना की वैधता पर सवाल उठाती है।

विपक्षी दलों, विशेष रूप से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, ने परियोजना को 'पारिस्थितिक और मानवीय आपदा' करार दिया है। पर्यावरणविद् और नागरिक समाज संगठनों ने इसे जैव-विविधता और आदिवासी अधिकारों के लिए खतरा बताया है। राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने 2023 में परियोजना की पर्यावरण और वन मंजूरी की समीक्षा के लिए एक उच्चस्तरीय समिति गठित की थी, लेकिन इसके बावजूद परियोजना को आगे बढ़ाने में जल्दबाजी दिखाई दे रही है। ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक विकास के लिए महत्त्वपूर्ण हो सकती है, लेकिन इसके पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभावों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पारदर्शी और व्यापक पर्यावरण प्रभाव आकलन, आदिवासी समुदायों के साथ उचित परामर्श और भूकंपीय जोखिमों का सटीक मूल्यांकन आवश्यक है। साथ ही, परियोजना के आर्थिक व्यवहार्यता की पुनः समीक्षा होनी चाहिए क्योंकि भारत में हाल में शुरू हुआ विशाखापत्तनम का ट्रांसशिपमेंट टर्मिनल पहले से ही वैश्विक व्यापार में योगदान दे रहा है।

पर्यावरण और जैव विविधता के संरक्षण के लिए कई कदम उठाए जा सकते हैं। जैसे कि परियोजना क्षेत्रों से बाहर रखा जाए। आदिवासी समुदायों को निर्णय लेने की प्रक्रिया में शामिल किया जाए। भूकंपीय जोखिमों के लिए साइट-विशिष्ट अध्ययन किए जाएं। निकोबार के भीतर ही प्रतिपूरक वनीकरण पर ध्यान दिया जाए। ग्रेट निकोबार द्वीप भारत की प्राकृतिक और सांस्कृतिक धरोहर का हिस्सा है। भ्रामक तथ्यों के आधार पर जल्दबाजी में लिए गए निर्णय न केवल पर्यावरण को नुकसान पहुंचाएंगे, बल्कि भारत की वैश्विक पर्यावरण संरक्षण प्रतिबद्धताओं को भी कमजोर करेंगे।

तालिबान शासन को मान्यता भारत के समक्ष चुनौतियां

//गिरीश पांडे//

हाल में अफगानिस्तान में तालिबान की सरकार को रूस की ओर से आधिकारिक मान्यता मिल गई है। चीन, संयुक्त अरब अमीरात और दूसरे कई देशों की राजनयिक इंगेजमेंट के बावजूद रूस दुनिया का पहला देश बन गया है, जिसने अफगानिस्तान को राजनयिक मान्यता प्रदान कर दी है। इसे हम रूस का वैंकिमंच पर अप्रत्याशित और निर्णायक कदम कह सकते हैं। यह कदम ऐसे समय उठा है जब अमेरिका, भारत और यूरोप जैसे प्रमुख देश अब भी तालिबान शासन को मान्यता देने से परहेज कर रहे हैं। रूस के इस कदम के पीछे कई रणनीतिक कारण निहित हैं। मसलन, रूस, पश्चिमी दबावों से मुक्त होकर स्वतंत्र शक्ति संतुलन स्थापित करना चाहता है। अफगानिस्तान, मध्य एशियाई गणराज्यों की सीमा पर स्थित है, जहां रूस की पारंपरिक पकड़ रही है।

तालिबान से संपर्क इसी विस्तार का हिस्सा है। रूस के निर्णय का असर अफगानिस्तान तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे दक्षिण एशिया और वि राजनीति पर इसका असर पड़ने की संभावना है। 1979 में सोवियत सैनिकों के अफगानिस्तान में दखल के बाद से लेकर 1989 तक मिखाइल गोर्बाचोव के अपनी सेना वापस बुलाने तक अफगानिस्तान और रूस जटिल ऐतिहासिक द्विपक्षीय संबंधों में उलझे रहे।

हालांकि, 20 साल बाद अप्रैल, 2025 में रूस ने तालिबान को आतंकी संगठन की लिस्ट से हटाया था और इसके बाद अफगानिस्तान के साथ आर्थिक संबंधों को मजबूत करने की दिशा में काम कर रहा था। अफगानी क्षेत्र में ट्रासपोर्ट कॉरिडोर ऐसी ही एक संभावना है। कहा यह भी जा रहा है कि रूस को आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट खोरासन प्रांत (आईएसकेपी) के मद्देनजर तालिबान से सुरक्षा सहयोग की दरकार है। इस समूह ने रूस में पिछले साल आतंकी हमले को अंजाम दिया था और जिसमें 130 लोग मारे गए थे। इसलिए रूस ने इस बार यह महत्त्वपूर्ण कदम उठाया है।

ध्यान देने की बात है कि अगस्त, 2021 में अमेरिका और नाटो के अफगानिस्तान छोड़ने के बाद तालिबान ने अफगानिस्तान पर कब्जा कर लिया था। तब तालिबान ने कहा था कि वह अफगानिस्तान में लिबरल शासन चलाएगा, लेकिन उसके बाद उन्होंने कड़े शिया कानून लागू कर दिए। महिलाओं के प्रति कड़ी भेदभाव वाली नीतियों की वजह से पश्चिम के देशों ने तालिबान को राजनयिक तौर पर अलग-थलग रखा है। जानकार कहते हैं कि अब चीन भी रूस के नक्शेकदम पर चलेगा और अफगानिस्तान को मान्यता देने के बारे में सोचेगा। वैसे भी अभी रूस और चीन की 'अनिलमिटेड दोस्ती' चल रही है।

जहां तक भारत का संबंध है, रूस के इस निर्णय से भारत के समक्ष कुछ चुनौतियां और विकल्प उभरते हैं। पहला तो यही है कि रूस भारत का पारंपरिक सहयोगी रहा है। रूस द्वारा तालिबान को मान्यता देना भारत के हितों के विपरीत प्रतीत हो सकता है, विशेषकर जब अफगानिस्तान से आतंकवाद की आशंका बनी हुई हो। इसके अलावा, रूस, ईरान, चीन और पाकिस्तान का तालिबान से व्यवहार भारत के लिए अलग-थलग पड़ने की स्थिति पैदा कर सकता है, और तालिबान की सत्ता में मजबूती, जम्मू-कश्मीर में कट्टरपंथी ताकतों को परोक्ष समर्थन दे सकती है। इसलिए अभी भारत का तालिबान के साथ सॉफ्ट एंगेजमेंट चल रहा है, और तालिबान के साथ बिना उसे औपचारिक मान्यता दिए सीमित और नियंत्रित संवाद जारी हैं।

भारत, अफगानिस्तान की सुरक्षा स्थिति की भी बराबर निगरानी कर रहा है। अफगानिस्तान को लेकर भारत का दृष्टिकोण हमेशा ही अफगान के लोगों के साथ दीर्घकालिक और विशेष मित्रता से प्रेरित रहा है, और साथ ही एक दीर्घकालिक साझेदार के रूप में अफगानिस्तान में शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने में भारत का हित सीधे जुड़ा है। अफगानिस्तान के साथ अपने पुराने संबंधों पर जोर देते हुए भारत ने युद्धग्रस्त देश की मानवीय और विकास संबंधी जरूरतों को पूरा करने की सदैव ही प्रतिबद्धता जताई है।

यह तब खास हो जाता है, जब चीन और पाकिस्तान अफगानिस्तान में सक्रिय हैं। अफगान जनता के बीच विशेषकर शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्रों में भी भारत की साख यथावत बनी रहनी चाहिए। सरकार को जहां आतंकवाद-निरोधक तंत्र और खुफिया संपकरे को मजबूत करना होगा, वहीं रूस, ईरान और मध्य एशिया के साथ संवाद तेज कर एक संतुलित कूटनीति भी अपनानी होगी। यहां यह भी ध्यान में रखना जरूरी होगा कि रूस द्वारा तालिबान को मान्यता देना केवल कूटनीतिक घटना नहीं है, यह संकेत है इस बात का कि वि व्यवस्था पुनः आकार ले रही है। भारत को नये परिदृश्य में सजग, सक्रिय और संतुलित रह कर अपना मार्ग चुनना होगा ताकि अपने हितों की रक्षा करते हुए क्षेत्रीय स्थिरता में भी योगदान दे सके।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनकड़ का त्यागपत्र आखिर क्यों

//अजय दीक्षित//

केंद्रीय सरकार और उप राष्ट्रपति जगदीप धनकड़ के बीच इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज शेखर को लेकर उत्पन्न विवाद को लेकर 75 वर्षीय भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनकड़ विगत दिवस अचानक अपने पद से इस्तीफा दे दिया। राजस्थान के झुंझनू जिले से आने वाले जगदीप धनकड़ का लंबा संसदीय जीवन रहा है।वे इस दौरान विधानसभा सदस्य, लोकसभा सदस्य, केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री, पश्चिमी बंगाल के राज्यपाल, और 2022 से भारत के उपराष्ट्रपति पद आसीन थे। पेशे से वकील जगदीप धनकड़ ने जिला न्यायालय, राजस्थान हाइकोर्ट, और सर्वोच्च न्यायालय में वकालत भी की । उन्होंने अपनी राजनीति एक समाजवादी नेता के तौर पर लोकदल से की। जाट परिवार में जन्मे जगदीप धनकड़ किसान नेता थे।बाद में वे भारतीय जनता पार्टी से जुड़े और तमाम संवैधानिक पदों पर रहे ।

जगदीप धनकड़ ने अपने त्यागपत्र में कहा कि वह अपने स्वास्थ्य कारणों से पद छोड़ रहे हैं। लेकिन उनके त्यागपत्र ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। अब क्या कारण रहे कि उनको त्यागपत्र देना पड़ा है। लेकिन जब तक वे ही कुछ नहीं कहते तब तक तो स्वास्थ्य ही कारण माना जाएगा।हालांकि 21 जुलाई शाम छह बजे तक उन्होंने सांसदों के साथ मीटिंग की है और उसके बाद अचानक त्याग पत्र लिख राष्टपति से मिले और घर चले गए। भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा, संसदीय कार्य मंत्री किरण जिजउ, केंदीय मंत्री पहलाद जोशी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उनसे मुलाकात की। लेकिन कोई सार्थक संकेत निकल कर नहीं आया बताया जाता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी संपर्क किया है।बताया जाता है कोई बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की मीटिंग थी जिसमें जेपी नड्डा और संसदीय कार्य मंत्री किरण जिजउ को जाना था और वे गए नहीं । लेकिन इतना भर उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा का कारण नहीं हो सकता कोई भीतर खाने की बात है जो कल चिंगारी बनी ।सरल और विनोदी स्वभाव के जगदीप धनकड़ ने पहले पश्चिमी बंगाल में ममता बनर्जी से लोहा लिया और तीन साल से राज्यसभा में कांग्रेस से लोहा ले रहे थे।अभी बीच में तो कांग्रेस ने उन्हें हटाने के लिए अविश्वास प्रस्ताव भी दे दिया था हालांकि उससे ने हटते नहीं लेकिन कड़वाहट न आए इस लिए उन्होंने खुद राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे से बातचीत की । हां जस्टिस वर्मा से बहुत नाराज थे क्योंकि उनके घर जले हुए नोट मिले थे। जगदीप धनकड़ ने सर्वोच्च न्यायालय से प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की थी।कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी कहा कि उन्हें त्यागपत्र नहीं देना चाहिए।जगदीप धनकड़ के इस्तीफे कोई विशेष कारण है क्योंकि उन्होंने अभी जस्टिस वर्मा से संबंधित महाभियोग प्रस्तावों का परीक्षण हेतु कमेटियों का गठन किया था जिससे राज्यसभा कुछ अधिकारियों को भी शामिल किया था जिसमें पक्ष के लोगों को आपत्ति थी।शायद मल्लिकार्जुन खड़गे ने बकायदा पत्र भी लिखा था।

सूत्रों के मुताबिक किसान आंदोलन में कुछ मांगो का जवाब भी वे कृषि मंत्री शिवराज सिंह से चाहते थे। लेकिन यह सब कयास ही हैं अलबत्ता उनके द्वारा लिखित स्वास्थ्य कारणों को ही जगदीप धनकड़ के उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा के प्रमुख कारण माना जा सकता है।

तस्वीरों की दुनिया

प्रयागराज में गंगा और यमुना नदियों का जल स्तर घटने पर संगम के एक क्षेत्र का हवाई दृश्य।

जयपुर में हरियाली अमावस्या के अवसर पर अरावली पहाड़ियों का एक शांत दृश्य।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पार्टी नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और अन्य लोग नई दिल्ली में पार्टी के सामाजिक न्याय 2.0 आंदोलन के तहत एक बैठक के दौरान।

कांग्रेस सांसद सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा अन्य विपक्षी सांसदों के साथ नई दिल्ली में संसद के मानसून सत्र के दौरान बिहार में मतदाता सूची के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण के विरोध में प्रदर्शन करती हुईं।

उत्तराखंड के त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के पहले चरण के दौरान टिहरी गढ़वाल में महिलाएं अपना मतदाता पहचान पत्र दिखाती हुईं।

उद्योगपति अनिल अंबानी के मुंबई स्थित कार्यालय पर गुरुवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अनिल अंबानी समूह की कंपनियों और यस बैंक के खिलाफ 3,000 करोड़ रुपये के कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत एक साथ छापेमारी की।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह नई दिल्ली में संसद के मानसून सत्र के दौरान।

भारत-ब्रिटेन के बीच ऐतिहासिक एफटीए, पीएम मोदी और स्टार्मर की मौजूदगी में विजन डाक्यूमेंट-2035 पर भी लगी मुहर

नईदिल्ली, 25 जुलाई [एजेंसी]।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बेहद आक्रामक शुल्क नीति से फैली वैश्विक अस्थिरता के बीच वैश्विक उद्योग जगत में भरोसा जगाते हुए भारत और ब्रिटेन ने गुरुवार को मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए।लंदन में पीएम नरेन्द्र मोदी और ब्रिटिश प्रधानमंत्री किएर स्टार्मर की मौजूदगी में भारत के वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और उनके ब्रिटिश समकक्ष जोनाथन रेनोल्ड ने समग्र आर्थिक व कारोबारी समझौते (सीटा) पर हस्ताक्षर किए।इसे दोनों प्रधानमंत्रियों ने ऐतिहासिक करार दिया। इसके साथ ही दोनों नेताओं ने भारत व ब्रिटेन के द्विपक्षीय रिश्तों के अगले 10 वर्षों की दिशा तय करने वाले विजन डाक्यूमेंट-2035 को भी मंजूरी दी। इसमें रक्षा व सुरक्षा क्षेत्र में औद्योगिक सहयोग को बढ़ाने वाले रोडमैप को भी मंजूरी दी गई है। पीएम मोदी दो दिवसीय यात्रा पर बुधवार देर रात लंदन पहुंचे। गुरुवार को स्टार्मर के साथ बैठक के बाद प्रेस कांफ्रेस में उन्होंने सीटा के बारे में कहा- यह समझौता केवल आर्थिक साझेदारी नहीं, बल्कि साझा समृद्धि की योजना है। एक ओर भारत के कपड़ा, जूते, रत्न व आभूषण, समुद्री खाद्य, इंजीनियरिंग उत्पादों को ब्रिटेन में बड़ा बाजार मिलेगा। भारत के कृषि व खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के लिए भी ब्रिटेन में नए अवसर बनेंगे। भारत के युवाओं, किसानों, मछुआरों, और मझोले व छोटे उद्यमों को विशेष तौर पर लाभ होगा। दूसरी ओर, भारत के लोगों व उद्योग के लिए ब्रिटेन के उत्पादों, चिकित्सा उपकरणों व उड्डयन क्षेत्र के कल-पुर्जों की उपलब्धता सुलभ व किफायती होगी। इससे कारोबार करना आसान होगा।ब्रिटेन को भारत के सक्षम कार्यकुशल श्रमिक उपलब्ध होंगे। दोनों देशों में निवेश बढ़ेगा और इससे रोजगार के नए अवसर बनेंगे। इतना ही नहीं, दो लोकतांत्रिक देशों और विश्व की दो बड़ी अर्थव्यवस्थों के बीच समझौते से वैश्विक स्थिरता और संपन्नता को भी बल मिलेगा। इस दौरान पीएम स्टार्मर ने इस समझौते को ब्रिटिश जनता और कारोबारियों के लिए फायदेमंद बताया। उन्होंने इसे यूरोपीय संघ से बाहर निकलने के बाद ब्रिटेन का सबसे महत्वपूर्ण कारोबारी समझौता करार दिया। उन्होंने कहा- इससे द्विपक्षीय व्यापार में तेजी से वृद्धि होगी। ब्रिटिश उपभोक्ताओं को सस्ते कपड़े, जूते और खाद्य उत्पाद मिलेंगे। यह ब्रिटेन में हजारों नौकरियां पैदा करेगा और कामकाजी लोगों की जेब में अधिक पैसा डालेगा। पिछले तीन वर्षों में मोदी सरकार ने यूएई, आस्ट्रेलिया और चार यूरोपीय देशों के संगठन ईएफटीए के साथ कारोबारी समझौते किए हैं, लेकिन ब्रिटेन के साथ किया गया यह समझौता विशेष महत्व रखता है। ब्रिटेन न केवल दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है, बल्कि भारत के साथ इसके रणनीतिक रिश्ते भी तेजी से विकसित हो रहे हैं।

वर्तमान में, दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय कारोबार (सेवा और उत्पाद) 56 अरब डालर का है, जो इस समझौते के बाद केवल पांच वर्षों में दोगुना हो सकता है। भारत अभी यूरोपीय संघ और अमेरिका के साथ भी कारोबारी समझौते को अंतिम रूप देने में लगा है और बताया जा रहा है कि इन पर भी जल्द ही हस्ताक्षर होंगे। पीएम मोदी और पीएम स्टार्मर के बीच द्विपक्षीय संबंधों के सारे आयामों पर विस्तार से बात हुई है। मोदी ने ब्रिटेन में खालिस्तान समर्थक संगठनों की भारत विरोधी गतिविधियों और भारत में आर्थिक अपराध करके ब्रिटेन में शरण लेने वालों की वापसी का मुद्दा भी उठाया। ब्रिटिश पीएम ने पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लोगों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। प्रेस कांफ्रेंस में भी पीएम मोदी ने खालिस्तान समर्थकों की गतिविधियों की तरफ इशारा करते हुए कहा- हम एकमत हैं कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में दोहरे मापदंडों का कोई स्थान नहीं है।

संबंधों को मजबूती देगी पीएम मोदी की मालदीव यात्रा, द्विपक्षीय संबंधों को मिलेगा नया आयाम

माले, 25 जुलाई [एजेंसी]।

पीएम मोदी ब्रिटेन यात्रा समाप्त कर मालदीव के लिए रवाना हो गए। वहीं, मालदीव में भारत के उच्चायुक्त जी. बालासुब्रमण्यम ने गुरुवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की शुक्रवार से शुरू हो रही दो दिवसीय यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच कई महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। यह दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण यात्रा है। बालासुब्रमण्यम ने कहा, यह तीसरी बार है जब प्रधानमंत्री मालदीव का दौरा करेंगे। पहली बार उन्होंने 2018 में और फिर 2019 में मालदीव की यात्रा की थी। मोहम्मद मुइज्जू के राष्ट्रपति काल में किसी राष्ट्राध्यक्ष की भी यह पहली यात्रा है।2017 के बाद से यह पहली बार है जब मालदीव ने स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए किसी को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया है। राष्ट्रपति मुइज्जू के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री मोदी 25-26 जुलाई से मालदीव की राजकीय यात्रा पर होंगे। मुइज्जू के साथ चर्चा करने के अलावा प्रधानमंत्री मोदी 26 जुलाई को मालदीव की स्वतंत्रता की 60वीं वर्षगांठ के समारोह में मुख्य अतिथि भी होंगे। राष्ट्रपति मुइज्जू अक्टूबर 2024 में भारत यात्रा पर आए थे। दोनों नेताओं ने दुबई में सीओपी बैठक के दौरान भी मुलाकात की थी।

पिता ने डेढ़ वर्षीय बेटे को बोरवेल में फेंका, पत्नि चली गई थी मायके, विवाद के बाद उठाया कदम

जयपुर। जयपुर में एक पिता ने अपने डेढ़ साल के बेटे को 200 फीट गहरे बोरवेल में फेंक दिया। पिता बेटे की बीमारी और पत्नी के मायके जाने से परेशान था। जमवारामगढ़ थाना अधिकारी रामपाल शर्मा के अनुसार, दीपोली गांव निवासी ललित सैनी के तीन बच्चे हैं, जिनमें से छोटा बेटा कई बीमारियों से ग्रस्त है। झगड़ा कर करीब आठ महीने पहले पत्नी के मायके जाने के बाद ललित अकेले बच्चों की देखभाल कर रहा था। बुधवार रात उसने छोटे बेटे को खुले बोरवेल में फेंक दिया। घटना के बाद आसपास के लोगों ने पत्नी व उसके स्वजनों को सूचित किया। पुलिस ने गुरुवार सुबह बच्चे को निकालने का प्रयास शुरू किया, लेकिन शाम तक वह नहीं निकाला जा सका था। पुलिस का कहना है कि ऐसा लगता है कि बच्चा मर चुका है, उसके निकालने का प्रयास किया जा रहा है।

1 अगस्त को आएगा बिहार में मतदाता सूची का ड्राफ्ट... अगर छूट गया आपका नाम

नईदिल्ली, 25 जुलाई [एजेंसी]।

बिहार में मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण के दौरान बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम कटाने और फर्जी मतदाता बनाने के लग रहे आरोपों के बीच चुनाव आयोग ने गुरुवार को कहा है कि यदि एक अगस्त को प्रकाशित होने वाली प्रारूप मतदाता सूची में किसी का नाम छूट गया है या नाम गलत जुड़ गया है तो राजनीतिक दल और जागरूक मतदाता आपत्ति दर्ज करा सकते है। चुनाव आयोग ने अपने बयान में कहा है कि प्रारुप मतदाता सूची जारी होते ही बिहार के सभी 12 राजनीतिक दलों को इसकी प्रिटेंड और डिजिटल प्रति दी जाएगी। साथ ही इस प्रारूप मतदाता सूची को वेबसाइट पर भी अपलोड किया जाएगा। आयोग ने पुनरीक्षण अभियान के तहत 24 जुलाई तक बिहार के 99 प्रतिशत मतदाताओं तक पहुंचने का दावा दिया है। आयोग ने प्रारूप से जुड़ी आपत्तियों को संबंधित विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचन पंजीयन अधिकारी (ईआरओ) व सहायक निर्वाचन पंजीयक अधिकारी (एईआरओ) के पास दर्ज कराने को कहा है। साथ ही कहा है कि यदि वहां से वे संतुष्ट नहीं होते है, तो जिला निर्वाचन अधिकारी और राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के पास उसे चुनौती दे सकते है। बिहार में गणना फार्म जमा करने की अंतिम तिथि 25 जुलाई है।आयोग के मुताबिक बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) और बूथ लेवल एजेंट(बीएलए) की पड़ताल में अब तक 21.6 लाख मृत मतदाताओं के नाम पाए गए है जबकि 31. 5 लाख मतदाता स्थाई रूप से स्थानांतरित पाए गए है। वहीं सात लाख मतदाताओं के वोट एक से अधिक जगह पर पाए गए है। इसके साथ ही एक लाख मतदाताओं का अब तक कोई पता नहीं चल पा रहा है। आयोग के मुताबिक इसके अतिरिक्त बीएलओ व बीएलए के घर-घर दौरों के बावजूद भी करीब सात लाख मतदाताओं के गणना फार्म अभी वापस नहीं मिले है। आयोग के मुताबिक इन सभी लोगों की सूची जिलों में राजनीतिक दलों के अध्यक्षों को 20 जुलाई को उपलब्ध करा दी गई है। वहीं 7.21 करोड़ मतदाताओं के गणना फार्म डिजिटल तरीके से अपलोड़ कर दिए गए है। गौरतलब है कि बिहार में मौजूदा समय में 7.90 करोड़ मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में दर्ज है।

किंग चार्ल्स से मिले पीएम मोदी, भेंट किया खास गिफ्ट

लंदन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूनाइटेड किंगडम की अपनी आधिकारिक यात्रा के दौरान गुरुवार को सैंड्रिंघम हाउस में किंग चार्ल्स तृतीय से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान उन्होंने किंग चार्ल्स तृतीय को शरद ऋतु में लगाए जाने वाले एक पेड़ का उपहार दिया। इसकी जानकारी शाही परिवार ने एक्स पर पोस्ट करके दी।शाही परिवार ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि आज दोपहर, राजा ने सैंड्रिंघम हाउस में भारत गणराज्य के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत किया। इस दौरान, महामहिम को इस शरद ऋतु में लगाए जाने वाले एक पेड़ का उपहार दिया गया, जो प्रधानमंत्री द्वारा शुरू की गई पर्यावरण पहल, एक पेड़ माँ के नाम से प्रेरित है, जो लोगों को अपनी माताओं के सम्मान में एक पेड़ लगाने के लिए प्रोत्साहित करती है।

पीएम मोदी के विदेशी दौरों पर 2021 से 2024 तक खर्च हुए 295 करोड़, सबसे अधिक खर्च इन पांच देशों की यात्रा पर हुए

नई दिल्ली। सरकार द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, 2025 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिका और फ्रांस सहित पांच देशों की यात्रा पर 67 करोड़ रुपये से अधिक खर्च हुए, जबकि 2021 से 2024 तक उनकी विदेश यात्राओं से संबंधित कुल व्यय लगभग 295 करोड़ रुपये रहा।आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष मोदी की मारीशस, साइप्रस, कनाडा और क्रोएशिया, घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया की यात्राओं के संबंधित आंकड़े उपलब्ध नहीं थे। इन यात्राओं के लिए विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह द्वारा गुरुवार को राज्यसभा में टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन के प्रश्न के लिखित उत्तर में साझा किए गए आंकड़ों में कुल व्यय के कालम में कहा गया है कि बिलों का निपटान किया जा रहा है।

मजबूत होते रिश्ते... लंदन में पीएम मोदी की ब्रिटेन पीएम के साथ चाय पर चर्चा, देखें तस्वीरें

लंदन, 25 जुलाई [एजेंसी]।

लंबे समय से ठंडे बस्ते में पड़े भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर के बाद , प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने ब्रिटिश समकक्ष कीर स्टार्मर के साथ कुछ पल बिताए। पीएम मोदी ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री स्टार्मर के साथ चाय पर चर्चा की।पीएम मोदी ने एक्स पर दो तस्वीरें साझा करते हुए लिखा कि चेकर्स में प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के साथ चाय पर चर्चा... भारत-ब्रिटेन संबंधों को और मजबूत बना रही है।

2014 में पदभार ग्रहण करने के बाद से यह प्रधानमंत्री मोदी की ब्रिटेन की चौथी यात्रा है। यह चाय पर चर्चा दोनों प्रधानमंत्रियों के बीच आधिकारिक ठोस वार्ता से पहले हुई। पीएम मोदी की ब्रिटेन यात्रा के दौरान पीयूष गोयल और जोनाथन रेनॉल्ड्स ने भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए। पीएम मोदी और स्टार्मर ने बकिंघमशायर स्ट्रीट क्रिकेट के खिलाड़ियों से मुलाकात की और उन्हें एक हस्ताक्षरित टी20 विश्व कप बल्ला भेंट किया। उन्होंने प्रीमियर लीग ट्रॉफी देखी, जो भारतीय युवाओं में फुटबॉल की लोकप्रियता को दर्शाती है।

बादशाह की हरकत देख आगबबूला हो जाएंगे हनी सिंह ये बयान नहीं खत्म होने देगा 16 साल पुरानी दुश्मनी ?

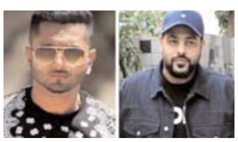

नईदिल्ली, 25 जुलाई [एजेंसी]।

शाह रुख-सलमान, कटरीना-दीपिका से लेकर भले ही बड़े-बड़े स्टार्स ने अपनी दुश्मनी भुलाकर हाथ मिला लिया हो, लेकिन रैप की दुनिया के दो किंग के बीच की लड़ाई तो खत्म होना अब नामुमकिन सा लग रहा है। बीते साल एक पल फैंस को ऐसा लगा था कि बादशाह और हनी सिंह के बीच की दुश्मनी अब खत्म हो गई है। जिस तरह से रैपर ने यो यो की हेल्थ को लेकर कंसर्न जताया था, उससे फैंस काफी खुश थे। हालांकि, अब बादशाह ने अपने नए पोस्ट से ये बता दिया है कि वह हनी सिंह संग 16 साल से चली आ रही वॉर को खत्म करने के मूड में नहीं हैं। उन्होंने हाल ही में फैन के एक पोस्ट पर ऐसा कमेंट किया है, जिसने आग में घी का काम किया। ये तो हम सब जानते हैं कि बॉलीवुड को कई सुपरहिट गाने देने के बाद हनी सिंह गायब हो गए थे। अपने एक पुराने इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि वह बाइपोलर डिसऑर्डर नामक बीमारी से जूझ रहे थे। जब लंबे समय बाद यो यो लौटे, तो उन्होंने अपनी बॉडी पर काफी काम किया। उनकी फिटनेस ने फैंस को भी हैरान कर दिया था।

हनी सिंह के फिजिक को लेकर ही हाल ही में एक फैन ने एक्स अकाउंट पर दो फोटोज शेयर की। जिसमें एक फोटो में रैपर थोड़े हेल्दी हैं, लेकिन दूसरी फोटो में वह एकदम फिट लग रहे हैं। इस फोटो को शेयर करते हुए फैन ने लिखा, ये क्या खाता है। फैन के इस पोस्ट में नीचे कमेंट बॉक्स में बादशाह ने लिखा, क्रेडिट। आपको बता दें कि बादशाह ने ये दावा किया था कि उन्होंने हनी सिंह के ब्राउन रंग और अंग्रेजी बीट गाने के लिरिक्स लिखे थे, लेकिन यो यो ने उन्हें इसका क्रेडिट नहीं दिया था।

एक लंबे समय बाद उनकी इसी बात पर ताना मारते हुए हनी सिंह ने इंस्टाग्राम पर उनका इंडियन आइडल का वीडियो शेयर करते हुए लिखा था, ऐसे लिरिक्स लिखवाने हैं बस तकदीर बन जाएगी मेरी।आपको बता दें कि हनी सिंह और बादशाह माफिया मुंडीर का हिस्सा थे, जिसमे रफ्तार भी थे, लेकिन 2012 में ये बैंड टूट गया और सब अलग हो गए। तब से लेदुश्कमनी र अब तक बादशाह और हनी सिंह की बरकरार है।

पति बना शैतान, कर्ज चुकाने के लिए अधिकारी पत्नी का बना डाला आपत्तिजनक वीडियो, फिर किया ब्लैकमेल

पुणे। पुणे में एक हैरत में डालने वाला मामला सामने आया है। एक पति ने अपनी अधिकारी पत्नी को ब्लैकमेल करने के लिए उसका आपत्ति जनक अवस्था में वीडियो बना लिया। उसने ऐसा अपनी कार की किश्त चुकाने के लिए किया।31 वर्षीय सरकारी अधिकारी ने आरोप लगाया है कि पति ने उसके निजी पलों को रिकार्ड करने के लिए उसके बेडरूम में गुप्त रूप से जासूसी कैमरे लगाए। उसके माता-पिता से 1.5 लाख रुपये दहेज की मांग कर उसे मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया।आरोपित पति भी एक सरकारी कर्मचारी है। उसने बाथरूम में भी कैमरे लगाए थे।इस संबंध में पुलिस ने कहा है कि महिला की शिकायत के आधार पर पति, सास, तीन ननदों और दो ननदों के पतियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने शिकायत का हवाला देते हुए कहा कि राज्य सरकार के एक विभाग में द्वितीय श्रेणी की महिला अधिकारी को पति और उसके परिवार के सदस्यों द्वारा शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया। आंबे गांव पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि महिला को उसके पति और रिश्तेदारों ने उसे मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया।

किसान, मछुआरे सब खुश... ब्रिटेन के साथ ट्रेड डील के बाद बढ़ जाएगी आमदनी

नई दिल्ली। विकसित देशों के साथ व्यापार समझौते की दिशा में एक और कदम उठाते हुए भारत ने गुरुवार को ब्रिटेन के साथ कंप्रेहेंसिव इकोनॉमिक एंड ट्रेड एग्रीमेंट (सीटा) पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते से टेक्सटाइल, लेदर व फुटवियर आइटम, इलेक्ट्रॉनिक्स, जेम्स व ज्वैलरी, इंजीनियरिंग एवं स्पोर्ट्स गुड्स, खिलौने, दवा, केमिकल्स जैसे रोजगारपरक सेक्टर के साथ भारत के कृषि उत्पाद, प्रोसेस्ड फूड और समुद्री उत्पादों के निर्यात में भारी बढ़ोतरी होगी। क्योंकि इन सभी वस्तुओं के निर्यात पर ब्रिटेन में अब कोई शुल्क नहीं लगेगा। अब तक इन वस्तुओं पर आठ प्रतिशत से लेकर 70 प्रतिशत तक का शुल्क लगता था। कृषि उत्पाद में मुख्य रूप से फल, सब्जी, बासमती चावल, अन्य अनाज, अचार, तैयार भोजन के निर्यात पर कोई शुल्क नहीं लगने से किसानों को लाभ मिलेगा तो रोजगारपरक सेक्टर का निर्यात बढ़ने से एमएसएमई लाभान्वित होंगे। समझौते के मुताबिक भारतीय एमसएमई अब ब्रिटेन की सरकारी खरीद में भी हिस्सा ले सकेंगे। दोनों देशों ने सीटा के तहत अपने वर्तमान के 56 अरब डॉलर के व्यापार को 2030 तक 112 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा है। सीटा पर अगले एक साल में अमल होने की उम्मीद की जा रही है। वाणिज्य मंत्रालय के मुताबिक ब्रिटेन अभी सालाना 27 अरब डॉलर के टेक्सटाइल व गारमेंट का आयात करता है और इसमें भारत की हिस्सेदारी सिर्फ 1.79 अरब डॉलर की है। व्यापार समझौता होने से ब्रिटेन के बाजार में भारतीय टेक्सटाइल आइटम बांग्लादेश, पाकिस्तान, कंबोडिया जैसे देशों से सस्ते हो जाएंगे जिससे हमारा निर्यात बढेगा। मंत्रालय को उम्मीद है कि ब्रिटेन के बाजार में लेदर व फुटवियर आइटम के निर्यात में भी अगले एक-दो साल में पांच-छह प्रतिशत का इजाफा होगा। ब्रिटेन अभी चीन और वियतनाम से सबसे अधिक इलेक्ट्रॉनिक्स आइटम का निर्यात करता है, लेकिन शून्य शुल्क होने से इलेक्ट्रॉनिक्स का निर्यात भी बढ़ेगा। ब्रिटेन में जेम्स व ज्वैलरी निर्यात बढ़ाने की पूरी गुंजाइश है। ब्रिटेन सालाना तीन अरब डॉलर के ज्वैलरी का आयात करता है जबकि भारत ब्रिटेन में सालाना सिर्फ 40 करोड़ डॉलर के ज्वैलरी का निर्यात करता है। शुल्क समाप्त होने से यह अगले दो-तीन साल में यह निर्यात दोगुना हो सकता है।

शुल्क अधिक होने के कारण भारत ब्रिटेन के बाजार में कृषि पदार्थों का काफी कम निर्यात कर रहा था। ब्रिटेन कृषि उत्पाद व अन्य खाद्य पदार्थों का सालाना 37.52 अरब डॉलर का आयात करता है और इसमें भारत की हिस्सेदारी सिर्फ 81 करोड़ डालर की है।अब शुल्क समाप्त होने से भारत से चाय, बासमती चावल, अंगूर, आम, मसाला, प्याज, मखाना, लीची, सब्जी जैसे विभिन्न आइटम के निर्यात में भारी बढ़ोतरी होगी।

डीएसपी मैडम के नाम पर बदमाशों ने काटी मौज... पुलिस वर्दी वाले ने देवघर ले जाकर स्कार्पियो चालक को लूटा

भागलपुर, 25 जुलाई [एजेंसी]।

वरीय पुलिस पदाधिकारी के नाम पर स्कार्पियो बुक कर देवघर ले जाकर अपराधी ने चालक से लूटपाट की। लूटपाट करने के मामले में वाहन मालिक हबीबपुर शाहजंगी के रहने वाले समसीर के बयान पर कोतवाली थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। समसीर ने पुलिस को बताया कि वाहन बुक कराने वाले कभी एसएसपी, कभी एसपी सिटी तो कभी डीएसपी बनकर फोन पर धमका रहे थे। उन्होंने ही वाहन चालक आमिर से देवघर में लूटपाट की। समसीर ने बताया है कि छह दिन पहले 18 जुलाई की रात उसे हुसैनपुर के रहने वाले नन्हे ने काल कर कहा कि गाड़ी लेकर देवघर जाना है और वहां से किसी डीएसपी मैडम को लेकर आना है। उसकी बात पर उन्होंने अपने चालक को वहां जाने के लिए कहा। स्टेशन परिसर में देखा कि एक शख्स गार्ड के यूनिफार्म में था।उसने कहा कि डीएसपी मैडम को देवघर से लाना है। सुबह जब देवघर पहुंचा, तो वह वाहन को इधर-उधर घुमाता रहा। आनर के मोबाइल पर शाम में किसी ने काल किया और कहा कि वह डीएसपी बोल रही हैं। उसके बाद छापेमारी करने के लिए जाने की बात कही। बाद में किसी राकेश ने काल किया और कहा कि गाड़ी कल वापस होगी।उसने कहा कि यूपीआई काम नहीं कर रहा है। यह बोलकर 6500 रुपये आनर से मंगवा लिया। जीपीएस लगा था इसलिए बदमाशों ने गाड़ी छोड़ दी। जीआरपी थाना ने केस दर्ज करने से मना

कर दिया। तब समसीर ने एसएसपी से मिलकर शिकायत की। जिसके बाद एसएसपी हृदय कांत के निर्देश पर कोतवाली थाना में केस दर्ज कर पुलिस सच्चाई का पता लगाने में जुट गई है। पूरे मामले की जांच कर रही है।जोगसर पुलिस पर बीच सड़क युवक की पिटाई का आरोप लगा है। युवक के स्वजन समेत स्थानीय लोगों ने का कहना है कि पुलिस ने युवक का गिरहवां (कालर) पकड़ लिया। फिर उसकी पिटाई करने के बाद पुलिस जीप में बैठा कर युवक को थाना ले गई। हालांकि स्वजनों का भी यह भी कहना है कि आरोपित युवक नशे की हालत में था। घटना गुरुवार की दोपहर खरमनचक स्थित एक शापिंग काम्प्लेक्स के पास की है।आरोपित युवक अक्षय कुमार साहेबगंज का रहने वाला है।

इस मामले में जोगसर थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर केएनके सिंह ने युवक की पिटाई के आरोप को बेबुनियाद बताते हुए उन्होंने कहा कि शराब के नशे में बाइक सवार युवक को रोका गया। उसे पुलिस जीप में बैठने के लिए बोला गया, तो वह इन्कार करने लगा।

इसके बाद जबरन उसको जीप में बैठा कर थाना लाया गया। उसके खिलाफ केस दर्ज कर अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।आरोपित अक्षय के भाई सुमित ने बताया कि उसका भाई बाइक से जा रहा था। अचानक पुलिस वालों ने उसे रुकने के लिए कहा। बीच सड़क पर बाइक लगाने से मना कर वह साइड लगाने लगा। तभी पुलिस उसके भाई को मारने लगे। भाई नशे की हालत में था। वहीं, सुमित के समर्थन में स्थानीय लोगों ने भी कहा कि पुलिस ने युवक की पिटाई की है।

एपस्टीन की फाइलों में ट्रंप का नाम होने की खबर फर्जी, व्हाइट हाउस ने वॉल स्ट्रीट जर्नल की आलोचना की

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति भवन व्हाइट हाउस ने वाल स्ट्रीट जर्नल अखबार की उस खबर को फर्जी करार दिया है, जिसमें यह दावा किया गया है कि बाल यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन की फाइलों में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का नाम है।अखबार ने प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के हवाले से बुधवार को दावा किया कि अटार्नी जनरल पाम बोंडी ने ट्रंप को मई में बताया था कि उनका नाम एपस्टीन को लेकर न्याय विभाग की फाइलों में आया है। इस बीच, दक्षिण फ्लोरिडा के एक संघीय जज ने एपस्टीन से संबंधित जूरी की गवाही के दस्तावेज सार्वजनिक करने की न्याय विभाग की मांग खारिज कर दी।व्हाइट हाउस ने वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट की आलोचना की और इसे फेक न्यूज करार दिया। न्याय विभाग ने जुलाई की शुरुआत में इस निष्कर्ष पर पहुंचा था कि एपस्टीन की जांच को जारी रखने का कोई आधार नहीं है। इसके बाद से ही एपस्टीन के यौन शोषण के मामलों को लेकर ट्रंप प्रशासन के रवैये से खुद अमेरिकी राष्ट्रपति के समर्थक भी नाराज हैं।इधर, बोंडी ने बुधवार को एक बयान में कहा, फाइलों में ऐसा कुछ नहीं है, जिससे आगे की जांच का कोई औचित्य नहीं है।

छात्रों को फाइव स्टार होटलों में ले जाती थी टीचर, फिर शराब पिलाकर बनाती थी संबंध, अब कोर्ट से मिल गई जमानत

मुंबई, 25 जुलाई [एजेंसी]।

मुंबई के एक विशेष कोर्ट ने नाबालिग छात्र का यौन शोषण करने के आरोप में गिरफ्तार 40 वर्षीय शिक्षिका को जमानत दे दी और कहा कि दोनों के बीच संबंध आपसी सहमति से थे। यहां के एक प्रतिष्ठित स्कूल की शिक्षिका को छात्र का बार-बार यौन शोषण करने के आरोप में इसी महीने की शुरुआत में गिरफ्तार किया गया था।ये आरोप लगाए गए हैं कि महिला फाइव स्टार होटलों में ले जाकर छात्र का यौन शोषण करती थी। संबंध बनाने से पहले उसे शराब भी पिलाती थी। विशेष जज सबीना मलिक ने सोमवार को शिक्षिका को जमानत दी। शिक्षिका के खिलाफ यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत मामला दर्ज है।कोर्ट ने आदेश में कहा कि पीड़ित की उम्र 16 वर्ष से अधिक है और दोनों पक्षों से मिले साक्ष्य दर्शाते हैं कि उनके बीच सहमति से संबंध बने थे। आरोपित शिक्षिका ने स्कूल से इस्तीफा दे दिया है। इसलिए दोनों में अब संबंध नहीं है। वकील नीरज यादव और दीपा पुंजानी के जरिये दाखिल जमानत याचिका में शिक्षिका ने कहा कि यह मामला छात्र की मां के कहने पर गढ़ा गया है।

छात्र के माता-पिता को इस संबंध के बारे में जानकारी थी और वे इसके खिलाफ थे। शिक्षिका ने कहा कि उसके 11 वर्ष के जुड़वां बच्चे हैं, जिनमें से एक अस्थमा से पीड़ित है।उनकी पढ़ाई प्रभावित हो रही है और वे मां के न होने के कारण भावनात्मक तनाव में हैं। जबकि अभियोजन पक्ष ने उसकी याचिका का विरोध किया और कहा कि जमानत मिलने पर वह फरार हो जाएगी।

प्रेम,वास्तुकला और इतिहास की अद्भुत नगरी

मांडू का इतिहास लगभग 6वीं शताब्दी से जुड़ा हुआ है, लेकिन इसका स्वर्ण युग मालवा सल्तनत (15वीं सदी) के दौरान आया। इस दौरान यहाँ कई भव्य महलों, मस्जिदों, बावड़ियों और दरवाजों का निर्माण हुआ। मांडू की भौगोलिक स्थिति— विंध्याचल की पहाड़ियों पर और नर्मदा घाटी के किनारे— इसे एक स्वाभाविक किला बनाती है।

मध्य प्रदेश के धार ज़िले में स्थित मांडू (ख्ड्डठ्ठस्त्रह्व), जिसे मांडवगढ़ या शादीशुदा पत्थरों का शहर भी कहा जाता है, भारतीय पर्यटन मानचित्र पर एक अनूठा और ऐतिहासिक स्थल है। पहाड़ियों पर बसा यह नगर न केवल स्थापत्य कला और प्राचीन स्मारकों के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि रानी रूपमती और बाज बहादुर की अमर प्रेम कहानी के लिए भी मशहूर है। मांडू की हवाओं में इतिहास की गूंज, प्रेम की सरगम और स्थापत्य का सौंदर्य साथ-साथ बहता है।

मांडू का ऐतिहासिक परिचय

मांडू का इतिहास लगभग 6वीं शताब्दी से जुड़ा हुआ है, लेकिन इसका स्वर्ण युग मालवा सल्तनत (15वीं सदी) के दौरान आया। इस दौरान यहाँ कई भव्य महलों, मस्जिदों, बावड़ियों और दरवाजों का निर्माण हुआ। मांडू की भौगोलिक स्थिति— विंध्याचल की पहाड़ियों पर और नर्मदा घाटी के किनारे— इसे एक स्वाभाविक किला बनाती है।

1. जहाज़ महल

यह महल दो झीलों— कपूर तालाब और मुंज तालाब— के बीच स्थित है, जिससे यह एक जहाज़ की तरह प्रतीत होता है। इसका निर्माण 15वीं सदी में सुल्तान ग़ियासुद्दीन खिलजी ने अपनी 15,000 रानियों के लिए करवाया था। रात्रि में इसका प्रतिबिंब जल में झलकता है, जो एक अद्भुत दृश्य प्रस्तुत करता है।

2. हिंदोला महल

हिंदोला (झूला) महल अपनी झुकी हुई दीवारों के कारण प्रसिद्ध है। इसका उपयोग दरबारी सभाओं के लिए किया जाता था। इसकी स्थापत्य शैली वास्तुकला के चमत्कारों में गिनी जाती है।

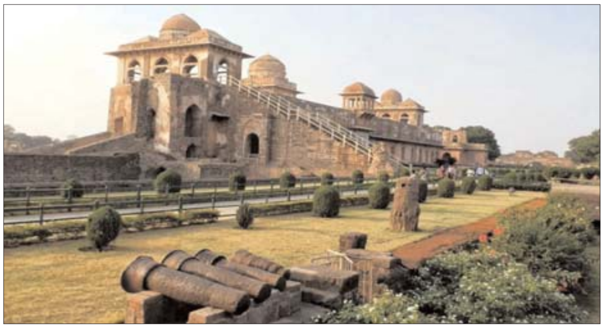

3. रूपमती महल

यह वह स्थान है जहाँ से रानी रूपमती नर्मदा नदी को निहारती थीं। यह प्रेम कहानी का सबसे भावनात्मक स्थल है, जहाँ से मांडू की घाटी और नर्मदा के दर्शन होते हैं।

4. बाज बहादुर महल

यह महल मांडू के अंतिम स्वतंत्र शासक बाज बहादुर का निवास था। इसकी वास्तुकला में राजपूत और मुस्लिम शैलियों का संगम देखने को मिलता है।

5. जामा मस्जिद

यह मस्जिद दिल्ली की जामा मस्जिद से प्रेरित है और मांडू के स्थापत्य वैभव को दर्शाती है। इसके विशाल प्रांगण और सुंदर मेहराबें इसकी विशेषता हैं।

6. रेवा कुंड

यह पवित्र कुंड नर्मदा नदी को समर्पित है और माना जाता है कि रूपमती इसी से जल ग्रहण करती थीं।

मांडू उत्सव

प्रत्येक वर्ष दिसंबर-जनवरी के महीने में मांडू उत्सव का आयोजन होता है, जिसमें स्थानीय लोक-संगीत, नृत्य, कला प्रदर्शन, साइकिल टूर और हॉट एयर बलून जैसी गतिविधियाँ होती हैं। यह उत्सव मांडू को जीवंत रूप देता है।

कैसे पहुँचे?- निकटतम हवाई अड्डा- इंदौर (लगभग 100 किमी)

रेलवे स्टेशन-इंदौर और रतलाम दोनों से सड़क मार्ग उपलब्ध

सड़क मार्ग- इंदौर, धार और महेश्वर से मांडू के लिए बसें और टैक्सियाँ आसानी से मिलती हैं

ठहरने की व्यवस्था

मांडू में मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा संचालित होटल और कुछ निजी रिसॉर्ट्स उपलब्ध हैं। प्राकृतिक सुंदरता के बीच रुकना अपने आप में एक अद्वितीय अनुभव होता है।

यात्रा का सर्वोत्तम समय

अक्टूबर से मार्च के बीच मांडू घूमने के लिए सबसे उपयुक्त समय होता है। खासकर मानसून के बाद (जुलाई-सितंबर) मांडू की हरियाली और झीलें इसे और भी सुंदर बना देती हैं।

मांडू केवल एक ऐतिहासिक नगर नहीं, बल्कि एक जीवित कथा है— प्रेम, कला और संस्कृति की। यहाँ की हवाएं रूपमती के सुरों को, दीवारें बाज बहादुर के प्रेम को और झीलें बीते समय की परछाइयों को संजोए हुए हैं। यदि आप एक शांत, सुंदर और ऐतिहासिक स्थल की यात्रा की योजना बना रहे हैं, तो मांडू अवश्य आपकी सूची में होना चाहिए।

बैटल ऑफ गलवान में सलमान खान के साथ काम करने को लेकर उत्साहित चित्रांगदा सिंह, जताई खुशी

अभिनेता सलमान खान पिछले कुछ दिनों से फिल्म बैटल ऑफ गलवान को लेकर चर्चा में बने हुए हैं, जिसके निर्देशन की कमान अपूर्व लाखिया को सौंपी गई है। इस फिल्म में सलमान की जोड़ी अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह के साथ बनी है और यह पहला मौका होगा, जब ये दोनों कलाकार पर्दे पर साथ दिखाई देंगे। अब चित्रांगदा ने पहली बार सलमान के साथ काम करने को लेकर अपनी उत्सुकता साझा की है। आइए जानें उन्होंने क्या कहा।

रिपोर्ट के अनुसार, चित्रांगदा ने बताया कि वह फिल्म में शामिल होने पर बेहद खास महसूस कर रही हैं। उन्होंने कहा, मुझे आज भी याद है कि मिस्टर खान कहते थे कि हमें साथ काम करने का मौका जरूर मिलेगा और आखिरकार अब ऐसा हो रहा है। जैसे कि सलमान कहते हैं, एक बार मैंने कमिटमेंट कर दी तो मैं अपने आप की भी नहीं सुनता। मुझे लगता है कि उन्होंने उस कमिटमेंट का सम्मान किया है।

बैटल ऑफ गलवान के निर्देशक अपूर्व लाखिया हैं, जिन्होंने साल 2003 में आई फिल्म मुंबई से आया मेरा दोस्त के जरिए बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इस फिल्म की कहानी साल 2020 के गलवान घाटी संघर्ष पर आधारित है। यह फिल्म किताब इंडियाज मोस्ट फीयरलेस 3 के एक अध्याय पर आधारित होगी, जिसे शिव अरूर और राहुल सिंह ने लिखा है। सलमान फिल्म में कर्नल संतोष बाबू की भूमिका निभा रहे हैं। इसमें वह भारतीय सेना की वर्दी पहने दिखेंगे।

नीलम गिरी ने रेड क्रॉप टॉप में दिखाया बोल्ड डांस मूव

भोजपुरी सिनेमा की ग्लैमरस एक्ट्रेस नीलम गिरी एक बार फिर अपने अंदाज से इंटरनेट पर कहर ढा रही हैं. सोशल मीडिया पर खासा एक्टिव रहने वाली नीलम ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर एक डांस वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह रेड क्रॉप टॉप और ब्लैक पैंट में नजर आ रही हैं. उनका यह बोल्ड अंदाज फैंस को खूब पसंद आ रहा है. वीडियो में नीलम गिरी दिलकश अदाओं के साथ कातिलाना डांस मूव्स करती दिखाई दे रही हैं. उनका कॉन्फिडेंस, एक्सप्रेशन और एनर्जी सभी कुछ कमाल का है. इस वीडियो पर फैंस के साथ-साथ भोजपुरी स्टार प्रदीप पांडे चिंटू ने भी कमेंट करते हुए लिखा ङ्क आग , जिससे यह पोस्ट और भी चर्चाओं में आ गई है. नीलम गिरी की इस पोस्ट को अब तक हजारों लाइक्स और कमेंट्स मिल चुके हैं. फैन्स उन्हें गॉर्जियस, हॉट, और क्वीन जैसे टाइटल्स दे रहे हैं. बता दें कि नीलम जल्द ही फिल्म पांडे जी का बेटा हूं 2 में प्रदीप पांडे चिंटू के साथ नजर आने वाली हैं, जिसे लेकर फैंस में जबरदस्त उत्साह है. नीलम का ये स्टाइल और उनका आत्मविश्वास ही उन्हें बाकी भोजपुरी एक्ट्रेसेज़ से अलग बनाता है. इंस्टाग्राम पर उनके लाखों फॉलोअर्स हैं जो उनके हर नए पोस्ट का बेसब्री से इंतज़ार करते हैं.

सेब, गाजर और चुकंदर का जूस पीने से मिल सकते हैं ये फायदे, जानिए रेसिपी

सेब, गाजर और चुकंदर का जूस एक पौष्टिक पेय है, जो शरीर को कई तरह के स्वास्थ्य लाभ प्रदान कर सकता है। यह जूस न केवल स्वादिष्ट है, बल्कि इसमें विटामिन्स, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट्स की भरपूर मात्रा होती है। इस लेख में हम आपको इस जूस के सेवन से मिलने वाले फायदों के बारे में विस्तार से बताएंगे और साथ ही इसकी रेसिपी भी साझा करेंगे, जिससे आप इसे आसानी से घर पर बना सकें।

कैसे बनाएं सेब, गाजर और चुकंदर का जूस?

सेब, गाजर और चुकंदर का जूस बनाने के लिए आपको ताजे सेब, गाजर और चुकंदर की जरूरत होगी। सबसे पहले सभी सब्जियों को अच्छे से धो लें, फिर उन्हें छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। अब एक जूसर मशीन में इन सभी सब्जियों को डालकर जूस निकाल लें। निकालने के बाद इस जूस को ग्लास में डालकर ठंडा-ठंडा परोसें। आप चाहें तो इसमें थोड़ा शहद या नींबू का रस भी मिला सकते हैं, जिससे इसका स्वाद और भी बढ़ जाएगा।

रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में है सहायक

सेब, गाजर और चुकंदर का जूस विटामिन-सी और अन्य जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर होता है, जो हमारे शरीर की सुरक्षा प्रणाली को मजबूत करने में मदद करते हैं। नियमित रूप से इस जूस का सेवन करने से शरीर की बीमारियों से लड़ने की क्षमता बढ़ती है और संक्रमण से बचाव होता है। इसके अलावा यह जूस शरीर को हानिकारक तत्वों से लड़ने में मदद करता है।

पाचन क्रिया को सुधारने में है मददगार

सेब, गाजर और चुकंदर का जूस फाइबर से भरपूर होता है, जो पाचन के लिए बहुत फायदेमंद होता है। फाइबर कब्ज को दूर करने और आंत को स्वस्थ रखने में मदद करता है। इसके अलावा यह जूस पेट की सफाई करता है और पाचन को बेहतर बनाता है। नियमित रूप से इसका सेवन करने से पाचन संबंधी समस्याओं से राहत मिलती है और पेट स्वस्थ रहता है।

आंखों की रोशनी को कर सकता है बेहतर

सेब, गाजर और चुकंदर का जूस विटामिन-ए से भरपूर होता है, जो आंखों के लिए बहुत फायदेमंद होता है। विटामिन-ए आंखों की रोशनी को बेहतर करने में मदद करता है और रात को ठीक से देखने में सहायक होता है। इसके अलावा इसमें मौजूद बीटा-कैरोटीन आंखों की रोशनी को सुरक्षित रखने में भी मदद करता है। इसलिए इस जूस का सेवन आपकी आंखों के स्वास्थ्य के लिए लाभकारी हो सकता है।

दिल के लिए है फायदेमंद

सेब, गाजर और चुकंदर का जूस दिल के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद तत्व दिल की बीमारियों के जोखिम को कम करते हैं और रक्त संचार को सुधारते हैं। इसके अलावा इसमें प्राकृतिक तत्व होते हैं, जो रक्त वाहिकाओं को चौड़ा करके रक्त प्रवाह को बेहतर बनाते हैं। नियमित रूप से इस जूस का सेवन करने से दिल स्वस्थ रहता है और कई दिल से जुड़ी समस्याओं से बचाव होता है।

विजय देवरकोंडा की किंगडम ट्रेलर रिलीज डेट का खुलासा, 26 जुलाई को होगा लॉन्च

साउथ स्टार विजय देवरकोंडा की आगामी फिल्म किंगडम के दिलचस्प टीजर ने फैंस को मंत्रमुग्ध कर दिया था. अब बारी है फिल्म के ट्रेलर की. मेकर्स ने किंगडम के ट्रेलर की रिलीज डेट और वेन्यू का एलान किया है. मेकर्स ने फिल्म से विजय देवरकोंडा का नया पोस्टर जारी किया है और फिल्म के ट्रेलर के बारे में खुलासा किया है. सितारा एंटरटेनमेंट ने मंगलवार को फिल्म के ट्रेलर का एलान किया है. मेकर्स ने एक्स (पूर्व में ट्विटर)हैंडल पर फिल्म का एक नया पोस्टर साझा किया है और कैप्शन में लिखा है, अनगिनत प्रार्थनाएं,एक आदमी का सफर. उसकी किस्मत खुलती देखें. उसके किंगडम की ओर हर कदम. किंगडम ट्रेलर 26 जुलाई को रिलीज होगी. तिरुपति में भव्य ट्रेलर लॉन्च का कार्यक्रम रखा गया है.

गौरतलब है कि किंगडम का ट्रेलर 26 जुलाई को तिरुपति में एक भव्य कार्यक्रम में रिलीज होगा. फिल्म 31 जुलाई, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी. मेकर्स ने एक शानदार पोस्टर भी जारी किया, जिसमें विजय देवरकोंडा माथे पर सिंदूर का टीका लगवाते दिखाई दिखाई दे रहे हैं. पोस्टर के दूसरी तरफ विजय काले कुर्ते में दिखाई दे रहे हैं और जनता उनका स्वागत कर रही है. पोस्टर से यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि विजय देवरकोंडा एक वीर योद्धा के रूप में युद्ध के मैदान में उतरने की तैयारी कर रहे हैं. इस दमदार पोस्टर ने फिल्म के लिए फैंस की उत्सुकता और बढ़ा दी है. बता दें, फिल्म की रिलीज की तारीख में कई बदलाव हुए हैं, पहले इसे 30 मार्च, 2025 को रिलीज किया जाना था. इसे पोस्टपोन करके 30 मई फिर 4 जुलाई कर दिया गया. हाल ही में फिल्म की टीम ने 31 जुलाई की रिलीज की तारीख की पुष्टि की है.स्पाई एक्शन ड्रामा किंगडम में विजय देवरकोंडा अहम भूमिका में हैं. इस फिल्म में वह एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रहे हैं. यह 31 जुलाई, 2025 को कई भाषाओं में बड़े पर्दे पर रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है.

कान का मैल फूलने से हो रहा है तेज दर्द, अपना लें ये घरेलू उपाय, निकल जाएगी सारी गंदगी

कई बार बारिश में भीगने से या नहाने से कान में पानी चला जाता है। जिससे कान में मौजूद वैक्स फूल जाती है और दर्द होने लगता है। कान में गंदगी जमा होने से भी दर्द बढ़ जाता है। कान का मैल वैसे तो कान की सुरक्षा करता है। लेकिन नमी के कारण या बहुत ज्यादा सूखने के कारण कान में मैल परेशान करने लगता है। कई बार कान में इस गंदगी और मैल के जमा होने से इंफेक्शन हो जाता है। अगर आपके कान में भी मैल बढ़ रहा है, जिसकी वजह से कान में खुजली, दर्द या कम सुनाई दे रहा है तो कुछ आसान घरेलू उपाय करके कान की सफाई कर सकते हैं। इसे फालतू मैल बाहर निकल जाएगा और कान के दर्द में भी आराम मिलेगा। कान का मैल निकालने के उपाय- * कान का मैल निकालने के लिए आप सरसों का तेल, नारियल तेल या जैतून का तेल इस्तेमाल कर सकते हैं। तेल को हल्का गुनगुना करके कान में किसी ड्रॉपर की मदद से डाल दें। दादी नानी के जमाने से लोग कान में तेल डालते रहे हैं। इससे वैक्स नरम हो जाएगा और आसानी से निकल जाएगा। * हाइड्रोजन पेरोक्साइड की मदद से भी कान का मैल साफ किया जा सकता है। इससे कान का मैल आसानी से घुल जाता है। आप किसी भी मेडिकल स्टोर से ये ईयर ड्रॉप खरीदकर आधा चम्मच पानी में मिलाकर कान में डाल लें। इससे मैल फूल जाएगा और निकालना आसान होगा। * कान में गुनगुना पानी डालकर भी मैल निकाल सकते हैं। इससे कान का मैल फूल जाएगा और निकालना आसान हो जाएगा। अगर कान में दर्द भी हो रहा है तो आप तुलसी के पत्तों का रस निलाकर कान में डाल सकते हैं। इससे दर्द में तुरंत राहत मिल जाएगी। * नमक के पानी का घोल भी कान के मैल को निकालने में असरदार साबित हो सकता है। पानी में आधा चम्मच नमक डालकर उबाल लें। अब कॉटन की मदद से सिर को एक तरफ झुकाते हुए 1-2 ड्रॉप पानी डालें। कुछ मिनट के लिए अपने सिर को एक तरफ झुकाकर ही रखें। अब साफ कपड़े की मदद से हल्के हाथ से मैल को साफ करें। ध्यान रखें कि कान के ज्यादा अंदर तक कोई चीज न डालें। अगर कान में बहुत ज्यादा दर्द हो रहा है तो डॉक्टर को दिखाएं। क्योंकि ऐसा कान में इंफेक्शन होने के कारण या कान में कोई फुंसी होने के कारण भी हो सकता है।

शब्द सामर्थ्य -119

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. राजद प्रमुख 6. रखवाला, रक्षा करने वाला 7. दयालु, रहम करने वाला (उ.) 10. युग्म, जोड़ा, एक राशि, एक फिल्म अभिनेता 13. कैदखाना, जेल, हिरासत 15. जानकी, जनकनंदनी 17. व्यर्थ की बात, बकबक 18. नारी, स्त्री, महिला 21. विक्रय करना 22. वाणी, कथन, वादा 24. ताश में दस अंकों वाला पत्ता 25. नगर का, नागरिक, चतुर।

ऊपर से नीचे

1. बेफ्रिक, निश्चिंत, जिसे कोई परवाह न हो 2. मूर्ति 3. दोस्त, प्रेमी 4. कुशल, विशेषज्ञ 5. बगुला 8. झुका हुआ, झुकाया गया, नत 9. इधर-उधर, पास पड़ोस 11. किस्मत, तकदीर, भाग्य 14. बंदर, मर्कट, कपि 16. शक्तिशाली, बलवान 18. संतान, संतति 19. अस्तबल, घुड़साल 20. राजी करना, रूठे हुए को प्रसन्न करना 23. सरिता, नदिया, नद।

1		2			3	4	5	■
	■		■	■	6			■
7			8	■	■	■	■	9
	■	■	10		11	■	12	
13	14			■	15	16	■	
■		■	■	■	17			
18		19	■	20	■		■	■
	■	21			■	22		23
24			■	25			■	

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 118 का हल

मा	म	ला	■	सि	वा	य	■	कि
लि	■	चा	ह	त	■	म	म	ता
क	सू	र	■	म	ग	न	■	ब
■	र	■	■	■	द	■	■	■
क	मा	न	■	पा	र	स	■	स
मी	■	म	जा	ल	■	न	क	ली
ना	दा	न	■	ना	र	द	■	का
■	मि	■	■	■	तौं	■	■	■
सु	नी	ल	■	अ	धी	र	■	जी

हर्षवर्धन राणे की सिला से सादिया खतीब की पहली झलक आई सामने

बॉलीवुड अभिनेता हर्षवर्धन राणे जल्द ही फिल्म सिला में नजर आएंगे। इस रोमांटिक एक्शन ड्रामा में उनकी जोड़ी सादिया खतीब के साथ बनी है और यह पहला मौका होगा, जब ये दोनों कलाकार पर्दे पर साथ दिखाई देंगे। हर्षवर्धन के बाद अब सिला ने सादिया की पहली झलक सामने आ गई है, जिसमें वह खून से लथपथ दिख रही हैं। पोस्टर में उनका धाकड़ अवतार दिख रहा है। वह हाथ में तलवार लिए एक्शन अवतार में नजर आ रही हैं। निर्माताओं ने पोस्टर साझा करते हुए लिखा, मुद्दतों के बाद मिली शिद्दतों वाली मोहब्बत, काफी भी सिर झुका ले- सिला है ऐसी इबादत का। इस फिल्म के निर्देशन की कमान ओमंग कुमार ने संभाली है, जिन्हें मैरी कॉम और सरबजीत जैसी फिल्मों के निर्देशन के लिए जाना जाता है। हर्षवर्धन और सादिया के अलावा बिग बॉस 18 के विजेता करणवीर मेहरा भी इस फिल्म का हिस्सा हैं, वहीं इप्सिता भी फिल्म में अहम भूमिका निभा रही हैं। सादिया ने फिल्म शिकारा के जरिए अभिनय की दुनिया में कदम रखा था।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत बैकुंठपुर नगर पालिका परिषद द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित

कोरिया बैकुंठपुर। कोरिया जिला मुख्यालय बैकुंठपुर के नगर पालिका परिषद द्वारा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम नगर के विभिन्न सार्वजनिक स्थलों—टूरा टूरी बगिया, फिल्टर प्लांट, में रखा गया। आने वाले समय में नगर पालिका परिषद के द्वारा सड़क किनारे, शासकीय परिसरों, विद्यालय परिसर, पार्क, और मोहल्लों में आयोजित किया गया, जहां बड़ी संख्या में पौधे रोपे गए।

नगर पालिका परिषद बैकुंठपुर के मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) संजय दुबे के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में नगर पालिका के समस्त अधिकारी, कर्मचारी, सफाई मित्रों, वार्ड पार्षदों और आम नागरिकों ने भाग लिया। सभी ने सामूहिक रूप से पौधरोपण करते हुए इस पहल को पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी का प्रतीक बताया। कार्यक्रम के दौरान सीएमओ ने कहा कि एक पेड़ मां के नाम एक भावनात्मक एवं सामाजिक जुड़ाव का माध्यम है, जिससे हर नागरिक पेड़ को मां के रूप में सम्मान देते हुए उसकी देखरेख के लिए संकल्पित होता है। उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत 350 पौधे रोपे गए हैं और आगे चलकर 4500 से अधिक पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

पौधों में नीम, पीपल, आम, जामुन, गुलमोहर, करंज जैसे छायादार और औषधीय महत्व वाले प्रजातियों को प्राथमिकता दी गई। कार्यक्रम में नागरिकों को पौधों के महत्व और उनकी देखभाल के बारे में भी जागरूक किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका द्वारा पौधों की सुरक्षा के लिए ट्री गार्ड्स लगाने की भी व्यवस्था की गई है। वृक्षारोपण के पश्चात सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने यह संकल्प लिया कि लगाए गए प्रत्येक पौधे को जीवित रखने और उसकी देखभाल के लिए व्यक्तिगत जिम्मेदारी तय की जाएगी।

सावन में रुद्राभिषेक पूजा का विशेष महत्व आस्था, शांति और कल्याण का प्रतीक

कोरिया बैकुंठपुर। हिंदू धर्म में सावन का महीना भगवान शिव की उपासना का सबसे पवित्र समय माना जाता है। इस माह में भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए भक्तगण विविध पूजन, व्रत और अनुष्ठान करते हैं, जिनमें रुद्राभिषेक पूजा का विशेष स्थान है। यह पूजा न केवल आध्यात्मिक शांति देती है बल्कि जीवन में सुख, समृद्धि और स्वास्थ्य की प्राप्ति का भी मार्ग प्रशस्त करती है।

रुद्राभिषेक एक विशेष वैदिक पूजा पद्धति है जिसमें भगवान शिव के रुद्र रूप का अभिषेक विविध पवित्र द्रव्यों जैसे जल, दूध, शहद, दही, घृत, गंगाजल, बेलपत्र, भस्म, कुश आदि से किया जाता है। यह अभिषेक वैदिक मंत्रों और विशेषत: रुद्र सूक्त के पाठ के साथ किया जाता है। सावन माह में रुद्राभिषेक का विशेष महत्व है क्योंकि यह महीना भगवान शिव को समर्पित होता है। ऐसी मान्यता है कि सावन में की गई शिव उपासना शीघ्र फलदायी होती है।

रुद्राभिषेक से न केवल पापों का क्षय होता है, बल्कि मनोकामनाएं भी पूर्ण होती हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस माह में भगवान शिव धरती पर विशेष रूप से सक्रिय रहते हैं और भक्तों की प्रार्थनाओं को शीघ्र स्वीकार करते हैं। रुद्राभिषेक से जीवन में शांति, धन, संतान सुख, रोग से मुक्ति तथा मानसिक शुद्धता प्राप्त होती है। रुद्राभिषेक पूजा में प्रयुक्त द्रव्य जैसे दूध, जल और शुद्ध घी आदि सकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न करते हैं। रुद्र सूक्त का उच्चारण वातावरण को शुद्ध करता है और मानसिक तनाव को कम करता है। बेलपत्र और तुलसी जैसे तत्वों से स्वास्थ्यवर्धक गुणों का भी लाभ मिलता है।

राजधानी में हरेली तिहार परंपरा अनुसार मनाया गया

रायपुर। राजधानी में आज हरेली तिहार परंपरा अनुसार मनाया गया। मुख्यमंत्री निवास में भी एक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें मुख्यमंत्री सहित कैबिनेट मंत्री शामिल हुए। राजधानी में आज हरेली तिहार पर तंत्र-मंत्र शक्तियों से बचाने के लिए घर-घर में नीम की डाली बच्चों द्वारा लगाई गई। जिसको लेकर बच्चों में काफी उत्साह देखा गया। विभिन्न सामाजिक एवं शैक्षणिक संस्थाओं द्वारा गेड़ी दौड़ एवं सावन सुंदरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इष्ट मित्र फाउंडेशन द्वारा यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। हरेली तिहार छत्तीसगढ़ का एक प्रमुख तिहार है, इस दिन किसान कृषि उपकरणों की पूजा करते है, इस अवसर पर गुड़ का चिला और गुलगुला भजिया खिलाया जाता है।

रकम डबल करने व 12 प्रतिशत की दर से प्रतिमाह ब्याज राशि देने का झांसा देकर धोखाधड़ी करने वाले आरोपी संजीत अग्रवाल को पुलिस ने किया गिरफ्तार

सूरजपुर। स्थानीय एक निवासी ने थाना सूरजपुर में 21.07.2025 को रिपोर्ट दर्ज कराया कि संजीत अग्रवाल के द्वारा शुभ निवेश कोचिंग सेन्टर चलाने के दौरान माह अप्रैल-मई 2024 में यह स्टॉक मार्केट का क्लास करता था इसी दौरान संजीत अग्रवाल द्वारा इसे प्रलोभन दिया कि 10 लाख रूपये लगाने पर हर महीने 12 प्रतिशत की दर से ब्याज राशि दिया जायेगा तथा अंत में मूल रकम वापस कर दिया जायेगा, जिसके झांसे में आकर यह दिनाँक 12/04/2024 को अपने एसबीआई खाता से संजीत अग्रवाल के खाता 10 लाख रूपये दिया। इसके कुछ दिन बाद पुन: 90 दिन में रकम दुगुना करने का प्रलोभन दिया गया जिस कारण यह पुन: 11 लाख रूपये संजीत अग्रवाल के खाता में दिया इसके बदले में संजीत अग्रवाल के द्वारा इसे अपने बैक खाता का एक 10 लाख और एक 11 लाख रूपये का चेक दिया। 90 दिन की अवधि पूर्ण होने पर जब यह संजीत से पैसा की मांग किया तो यह बार बार टाल मटोल करने लगा और इसके बाद संजीत अग्रवाल अपने मोबाइल फोन को बंद करके फरार गया। संजीत अग्रवाल अपना कोचिंग सेन्टर

को भी बंद कर दिया। संजीत अग्रवाल के द्वारा 12 प्रतिशत ब्याज प्रति माह व रकम दोगुना करने का झांसा देकर कुल 21 लाख रूपये का ठगी किया। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना सूरजपुर में अपराध क्रमांक 365/25 धारा 420 भादसं. के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया।

डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने प्रकरण के आरोपी की पतासाजी कर जल्द पकड़ने के निर्देश दिए थे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो व सीएसपी एस.एस.पैंकरा के मार्गदर्शन में थाना सूरजपुर पुलिस के द्वारा मामले की विवेचना के दौरान साक्ष्य संकलन कर प्राप्त सूचना के आधार पर बिलासपुर में दबिश देकर आरोपी संजीत अग्रवाल पिता कन्हैयालाल अग्रवाल उम्र 35 वर्ष निवासी भैयाथान रोड सूरजपुर को पकड़ा। पूछताछ पर उसने धोखाधड़ी को अंजाम देना स्वीकार किया जिसे गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया गया जहां से आरोपी को 3 दिन का पुलिस रिमाण्ड लिया गया है। प्रकरण के आरोपी के विरूद्ध पूर्व में 40 लाख रूपये लेकर धोखाधड़ी करने का भी अपराध पंजीबद्ध हो चुका है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी सूरजपुर विमलेश दुबे, एसआई अश्विनी पाण्डेय, प्रधान आरक्षक योगेन्द्र भगत, आरक्षक रविराज पाण्डेय, दशरथ राम, सोनू सिंह सक्रिय रहे।

मोबाईल एवं एक लाख नगद चोरी

रायपुर। राजधानी के सिविल लाईन थानाक्षेत्र में चोरों ने एक मोबाईल दुकान का ताला तोड़कर दुकान से लगभग 100 नग मोबाईल तथा नगद एक लाख रूपये पार कर दिया है। पुलिस चोरों की तलाश कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार विशाल विरनानी ने सिविल लाइन थाने में शिकायत दर्ज करवाई है कि उसकी पंजाबी कॉलोनी कटोरा तालाब में मोबाइल दुकान है।

यातायात पुलिस जवान महेश मिश्रा को मिलेगा स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रपति पदक

कोरिया। कोरिया गांव के मूल निवासी महेश मिश्रा (यातायात पुलिस जवान) को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति पदक से सम्मानित किया जाएगा। उन्हें 'आउट ऑफ टर्न' पदोन्नति का लाभ भी दिया जाएगा। महेश मिश्रा कहते हैं कि जब से मैं यहाँ यातायात पुलिस अधिकारी के रूप में तैनात हुआ हूँ, तब से मैं जागरूकता अभियान चलाता रहा हूँ। मैंने लोगों को यातायात नियमों के बारे में जागरूक करने का प्रयास किया है। मैंने सामाजिक कार्य भी अधिक करने का प्रयास किया है, जिसके परिणामस्वरूप मुझे यह महान सम्मान प्राप्त हुआ है और मुझे इस पर गर्व है।

नशे के कारोबार में लिप्त आरोपी को दी 10 वर्ष की सश्रम कारावास व 1 लाख रूपये अर्थदण्ड की सजा

सूरजपुर। बसदेई पुलिस ने मुखबीर की सूचना पर मोटर सायकल सहित संजय कुमार कुशवाहा पिता हरनारायण ग्राम शिवनंदनपुर विश्रामपुर को पकड़ा था जिसके कब्जे से एविल इंजेक्शन 30 नग व रिचोफिन इंजेक्शन 40 नग जप्त कर धारा 21(सी) एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही कर गिरफ्तार किया था। मामले के विवेचक एएसआई मानिकदास के द्वारा प्रकरण में पुख्ता साक्ष्य संकलित कर आरोप पत्र माननीय विशेष न्यायाधीश (एनडीपीएस एक्ट) न्यायालय सूरजपुर में पेश किया। इस मामले की सुनवाई विद्धान न्यायाधीश श्री मानवेन्द्र सिंह विशेष न्यायाधीश (एनडीपीएस एक्ट) सूरजपुर के यहां हुई। माननीय न्यायालय ने मामले की सुनवाई पूरी करते हुये प्रकरण के समग्र तथ्यों, गवाहों के कथन, एफएसएल रिपोर्ट के आधार पर अपराध सिद्ध होने से आरोपी संजय कुमार कुशवाहा पिता हरनारायण ग्राम शिवनंदनपुर, थाना विश्रामपुर को स्वापक औषधि एवं मन: प्रभावी पदार्थ अधिनियम 1985 की धारा 21(सी) के आरोप में दस वर्ष (10 वर्ष) के सश्रम कारावास एवं 1 लाख रूपये के अर्थदण्ड से दंडित किया है।

अब पुरानी गाड़ी बेचना भी महंगा सौदा, हर बार नाम ट्रांसफर पर लगेगी फीस

रायपुर। छत्तीसगढ़ में वाहन मालिकों को अब अपनी पुरानी गाड़ियों की बिक्री या नामांतरण (ट्रांसफर) के समय पहले से ज्यादा खर्च उठाना पड़ेगा। राज्य सरकार ने छत्तीसगढ़ मोटरयान कराधान नियम विधेयक 2025 के तहत नया कर प्रावधान लागू कर दिया है, जिससे प्रत्येक वाहन के ट्रांसफर पर सरकार को अतिरिक्त राजस्व प्राप्त होगा। गैर-परिवहन वाहनों जैसे कार और बाइक की बिक्री या नामांतरण पर अब वाहन की रजिस्ट्रेशन कीमत का 1त्न टैक्स देना होगा। वहीं, परिवहन वाहनों जैसे ट्रक, बस आदि पर यह टैक्स 0.5 प्रतिशत निर्धारित किया गया है। उदाहरण के लिए, यदि किसी कार की रजिस्ट्रेशन कीमत 10 लाख है, तो हर बार ट्रांसफर पर 10,000 का टैक्स देना होगा। राज्य सरकार ने निर्माण कार्यों में इस्तेमाल होने वाले विशेष वाहनों पर अब मासिक या त्रैमासिक टैक्स की जगह लाइफटाइम टैक्स लागू कर दिया है। इसमें शामिल हैं लोडर, डंपर, मोबाइल क्रेन, बेकहो लोडर, अन्य निर्माण मशीनें। इन वाहनों के मालिकाना हक में बदलाव होने पर भी सरकार को वाहन के मानक मूल्य का 0.5 प्रतिशत ट्रांसफर टैक्स मिलेगा। यह संशोधन विधेयक विधानसभा से पारित हो चुका है और इसका उद्देश्य राज्य के परिवहन और निर्माण क्षेत्र से स्थायी व पारदर्शी टैक्स वसूली सुनिश्चित करना है।

छत्तीसगढ़ में 1227 व्याख्याताओं को पदोन्नति, काउंसलिंग से होगी पदस्थापना

रायपुर। छत्तीसगढ़ के स्कूल शिक्षा विभाग ने 23 जुलाई को विभिन्न विषयों के 1227 व्याख्याता (टी संवर्ग) शिक्षकों के लिए पदोन्नति आदेश जारी किए हैं। इन पदोन्नत व्याख्याताओं की पदस्थापना काउंसलिंग के माध्यम से की जाएगी। जिन प्रमुख विषयों के शिक्षकों को पदोन्नति मिली है, उनमें हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, गणित, भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, राजनीति शास्त्र, इतिहास, भूगोल, अर्थशास्त्र और वाणिज्य शामिल हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशों पर, राज्य सरकार शिक्षा क्षेत्र में लगातार सुधार और शिक्षकों के हितों को ध्यान में रखते हुए तेज़ी से फ़ैसले ले रही है। यह निर्णय सरकार की उस प्रतिबद्धता को दर्शाता है कि राज्य के शिक्षकों को उनके कार्य, वरिष्ठता और योग्यता के आधार पर समय पर पदोन्नति और अवसर मिलें। यह भी उल्लेखनीय है कि पिछले एक साल में, स्कूल शिक्षा विभाग ने ज़िला और संभाग स्तर पर लगभग 7000 पदों पर पदोन्नति की प्रक्रिया पूरी की है।

अंबिकापुर से उत्तर प्रदेश जा रही बस से 30 लाख का गांजा जब्त, ओडिशा के 4 तस्कर गिरफ्तार

वाड्रफनगर। बलरामपुर जिले की बसंतपुर थाना व वाड्रफनगर चौकी पुलिस की संयुक्त टीम ने रविवार की रात मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई की। पुलिस ने 92 किलो गांजा के साथ 4 अंतरराज्यीय तस्करों को गिरफ्तार किया है। जब्त गांजे की कीमत करीब 30 लाख रुपए बताई जा रही है। सभी आरोपी ओडिशा राज्य के निवासी हैं और गांजा को अंबिकापुर से यात्री बस में उत्तर प्रदेश ले जा रहे थे। पुलिस ने बताया कि 20 जुलाई की देर रात मुखबिर से सूचना मिली कि अंबिकापुर से यूपी जा रही यात्री बस क्रमांक यूपी 17 एटी 3835 में सवार कुछ व्यक्ति गांजा की तस्करी कर रहे हैं। इस पर एसडीओपी रामअवतार ध्रुव के निर्देशन में चौकी प्रभारी वाड्रफनगर और थाना बसंतपुर की संयुक्त टीम ने घेराबंदी की। इसके बाद बस को वाड्रफनगर चौकी के सामने रोका गया। तलाशी के दौरान बस में बैठे 4 लोगों के बैग व झोलों से गांजा

बरामद किया गया। उनके पास से कुल 92 किलो गांजा जब्त कर चारों को गिरफ्तार किया गया है। जब्त गांजा की अनुमानित कीमत 30 लाख रुपए आंकी गई है। कार्रवाई में निरीक्षक जितेंद्र सोनी, एएसआई पुष्पराज सिंह व अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे। पुलिस ने 92 किलो गांजा जब्त कर ओडिशा के चार तस्करों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में ओडिशा के सुंदरगढ़ निवासी राज मुंडा पिता रवि मुंडा उम्र 23 वर्ष, सोनू बरूवा पिता मदन बरूवा उम्र 25 वर्ष, विक्रम भेंगरा पिता लिनियुस भेंगरा उम्र 23 वर्ष व विजय सेर्देरिया पिता संजय उम्र 23 वर्ष शामिल हैं। आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है।

आबकारी आरक्षक भर्ती परीक्षा 27 को, परीक्षार्थियों के लिए निर्देश जारी

मोहला। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल रायपुर द्वारा 27 जुलाई 2025 को आबकारी आरक्षक (एबीए 25) भर्ती परीक्षा का आयोजन होने जा रहा है। इसको लेकर नियंत्रक, छत्तीसगढ़ व्यापम द्वारा परीक्षार्थियों के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। उल्लेखनीय हैं कि 27 जुलाई को होने जा रही आबकारी आरक्षक भर्ती परीक्षा का समय प्रात: 11 बजे से लेकर अपराह्न 1.15 बजे तक है। जिसमें परीक्षार्थी को परीक्षा प्रारंभ होने से कम से कम 2 घंटे पूर्व परीक्षा केन्द्र में पहुंचना होगा ताकि प्रवेश के दौरान उनकी जांच (फ्रिस्किन) फ्रिस्किंग एवं सत्यापन कार्य किया जा सके। परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र में प्रात: 10:30 बजे तक प्रवेश दिया जाएगा, इसके बाद एंट्री नहीं होगी। प्रत्येक परीक्षा केन्द्र में आबंटित एक पुरूष एवं एक महिला कर्मी से फ्रिस्किंग(जांच) का कार्य किया जाएगा।

स्कूल लगने और छूटने के दौरान चिहिन्त मार्गों पर हैवी वाहनों की रहेगी नो एन्ट्री

सूरजपुर। जिले की पुलिस ने भारी वाहनों को स्कूल के समय के दौरान नो-एंट्री लागू कर दिया है, ताकि बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके और यातायात सुगम बना रहे। यह व्यवस्था सुबह और शाम के स्कूली बच्चों के आवागमन के दौरान भारी वाहनों को स्कूल के आसपास और मुख्य शहर में प्रवेश करने से रोकेगी। 14.07.2025 को डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर प्रशांत कुमार ठाकुर से विश्रामपुर क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों ने मुलाकात कर स्कूल टाईमिंग के दौरान भारी वाहनों का प्रतिबंधित करने का आग्रह किया था जिस पर उन्होंने स्कूली बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता क्रम में रखा और नो-एंट्री के मार्गो का सर्वे कराया एवं पुलिस अधिकारियों की बैठक लेने के उपरान्त विश्रामपुर क्षेत्र में स्कूल लगने एवं छूटने के दौरान चिहिन्त मार्गो पर भारी वाहनों को प्रतिबंधित कर दिया है। इस बारे में यातायात प्रभारी बृजकिशोर पाण्डेय ने बताया कि विश्रामपुर क्षेत्र में स्कूल लगने एवं छूटने के दौरान सुबह 7 बजे से 10.30 बजे तक एवं दोपहर 2 बजे से 4.30 बजे तक हैवी वाहन जो रेहर गायत्री से विश्रामपुर, दतिमा से विश्रामपुर एवं अम्बेडकर चौक से डीएव्ही स्कूल होते हुए भटगांव व सूरजपुर की ओर जाने वाले सभी हैवी वाहनों की नो एन्ट्री रहेगा, इसके लिए मार्ग के एन्ट्री प्वाईंट पर बैनर भी लगाया जायेगा। एनएच निर्बाध रूप से चालू रहेगी। यह कदम स्कूली बच्चों की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए उठाया गया है।

सूरजपुर में सड़क पर घूमने वाले मवेशियों के खिलाफ पुलिस का अभियान

सूरजपुर। ज़िले में सड़कों पर खुलेआम घूमते मवेशी लंबे समय से सड़क दुर्घटनाओं और यातायात जाम का एक बड़ा कारण बने हुए थे, जिससे आम जनता की जान-माल की सुरक्षा को ख़तरा पैदा हो रहा था। इस संबंध में खबरें प्रकाशित होने के बाद, पुलिस प्रशासन ने सक्रियता दिखाते हुए पशु मालिकों के ख़िलाफ़ क़ानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। राष्ट्रीय राजमार्ग-43 पर मवेशियों को जानबूझकर छोड़ने और सार्वजनिक मार्ग में बाधा उत्पन्न करने के आरोप में थाना सूरजपुर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 152 बीएनएसएस के तहत चार लोगों के विरुद्ध कार्रवाई की है। इनमें अजय बरगाह , नीरज चुटेल (35 वर्ष, ग्राम पर्री कुशवाहापारा, प्रबंधक, भगवती गौशाला, चंद्रशेखर वार्ड, सूरजपुर), बद्री प्रसाद और ज्ञानचंद राजवाड़े शामिल हैं। इन व्यक्तियों पर आरोप है कि वे अपने पालतू पशुओं को खुला छोड़कर न केवल यातायात को बाधित कर रहे थे, बल्कि आम लोगों की सुरक्षा को भी ख़तरे में डाल रहे थे। सूरजपुर पुलिस ने चेतावनी जारी की है कि भविष्य में यदि कोई भी व्यक्ति अपने पालतू मवेशियों को सड़कों पर छोड़ता पाया गया, तो उसके ख़िलाफ़ और अधिक कठोर क़ानूनी कार्यवाही की जाएगी।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार वर्ष 2025 के लिए आवेदन आमंत्रित 31 तक

दुर्ग। भारत सरकार, महिला एवं बाल विकास, मंत्रालय, नई दिल्ली के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार वर्ष 2025 के लिए ऑनलाईन आवेदन 31 जुलाई 2025 तक आवेदन लिये जाने के निर्देश प्राप्त हुए है। बच्चों को विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले बच्चों को माननीय राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित करने हेतु प्रतिवर्ष भारत सरकार, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार हेतु आवेदन आमंत्रित किया है।

क्षेत्रीय विधायक के मुख्य आतिथ्य में विकास खंड प्रेमनगर के सलका में हायर सेकेंड्री स्कूल का लोकार्पण कार्यक्रम हुआ सम्पन्न

क्षेत्रीय विधायक ने विभिन्न छात्रावासों में औचक निरीक्षण कर समस्याओं को दूर करने अधिकारियों को दिए निर्देश

सूरजपुर। सूरजपुर विधान सभा क्षेत्र प्रेमनगर अंतर्गत ब्लॉक मुख्यालय प्रेमनगर के ग्राम पंचायत सलका में हायर सेकेंड्री स्कूल भवन का लोकार्पण कार्यक्रम क्षेत्रीय विधायक भूलन सिंह मरावी के उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

लोकार्पण कार्यक्रम का प्रारंभ सर्वप्रथम विधि विधान से पूजा पाठ कर किया गया बच्चों ने अपने स्कूल में क्षेत्रीय विधायक भूलन सिंह मरावी एवं अन्य क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों का स्वागत किया साथ ही सभी कर्मचारियों ने अतिथियों का स्वागत किया गया आपको बतादें की हायर सेकेंड्री भवन की शासन स्तर से स्वीकृति दो साल पूर्व मिला था बिल्डिंग में दस कमरों का निर्माण किया गया है वर्तमान स्थिति में हायर सेकेंड्री स्कूल सलका के लिए भवन निर्माण हो जाने से बच्चों को बैठने के लिए उचित व्यवस्था बन चुका है क्षेत्रीय विधायक भूलन सिंह मरावी ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमारे जीवन में शिक्षा का होना बहुत महत्वपूर्ण है शिक्षा के बिना हमारा जीवन अधूरा है इसलिए सभी बच्चे अच्छे से मेहनत करें और अच्छे अंकों के साथ आगे बढ़ें हमारा उद्देश्य एक लक्ष्य के साथ होना चाहिए।

क्षेत्रीय विधायक भूलन सिंह मरावी ने ग्राम पंचायत सलका में संचालित कन्या छात्रावास का औचक निरीक्षण किया छात्रावास में बच्चों से मिलकर उनके समस्याओं को सुना छात्रावास में विधायक ने एक एक रूम में जाकर निरीक्षण किया उन्होंने प्रभारी अधीक्षक श्रीमती अनुगामी बड़ा से सभी पंजीयों का निरीक्षण किया जिसमें निरीक्षण के दौरान उन्होंने उपस्थिति पंजीयों काफी अनियमितता पाया कमरों में बल्ब न होने की समस्या भी मिला जिसे अधिकारियों को दूर करने के निर्देश दिए इसके पश्चात क्षेत्रीय विधायक मरावी ने ब्लॉक मुख्यालय में संचालित प्री मैट्रिक छात्रावास प्रेमनगर में औचक निरीक्षण किया सभी कमरों में जाकर बच्चों से मिलकर जानकारी लिया बच्चों ने छात्रावास में होने वाले समस्याओं से क्षेत्रीय विधायक को बताया बच्चों ने पानी की समस्या को विधायक के सामने प्रमुखता से रखा और एकलव्य आवासीय विद्यालय के बच्चों से भी क्षेत्रीय विधायक भूलन सिंह मरावी ने मिला और बात चीत किया बच्चों ने बताया कि हमारे विद्यालय के लिए भवन निर्माण न होने से काफी समस्या हो रहा है हम लोग बरसात के समय में काफी समस्या में रह पा रहे हैं बच्चों ने लो वोल्टेज की समस्या को भी रखा क्षेत्रीय विधायक ने पानी की समस्या एवं लो वोल्टेज की समस्या को तत्काल दूर करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए पोस्ट मैट्रिक छात्रावास एवं प्री मैट्रिक छात्रावास तथा एकलव्य आवासीय विद्यालय में साफ सफाई की कमी रहने से बच्चों को गंदगी में रहकर पढ़ाई करना पड़ता है पदस्थ प्रभारी अधीक्षकों को साफसफाई में विशेष ध्यान देने के लिए निर्देश दिए साथ ही सभी बच्चों को क्षेत्रीय विधायक भूलन सिंह मरावी ने अपना कॉन्टेक्ट नंबर भी लिखवाया और कहा कि कोई भी समस्या छात्रावास में हो तो मुझे अवगत कराएं आवासीय बच्चों ने क्षेत्रीय विधायक भूलन सिंह मरावी को अपने छात्रावास में पाकर बहुत खुश हुवे और सभी छात्राओं ने थैंक यू बोलकर बिदाई किए।

क्षेत्रीय विधायक भूलन सिंह मरावी ने विकास खंड प्रेमनगर में संचालित कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय का भी औचक निरीक्षण किया सभी छात्राओं से मिलकर उन्होंने उनके समस्याओं को जाना बच्चों ने एक बिल्डिंग रिपेयर कराने एवं पानी की समस्या विधायक के सामने रखा विधायक ने नगर पंचायत प्रेमनगर के सीएमओ एवं इंजीनियर तथा विद्युत विभाग के जेई सभी को बुलाकर सभी समस्याओं को दूर करने के निर्देश दिए उन्होंने बच्चों को कहा कि सभी बच्चे अपने पढ़ाई पर विशेष ध्यान दें छात्रावास में किसी भी प्रकार की समस्या नहीं होगी सभी समस्याओं को दूर किया जाएगा कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय के समस्त पंजीयों का निरीक्षण किया गया।

क्षेत्रीय विधायक भूलन सिंह मरावी के साथ जिला पंचायत उपाध्यक्ष रेखा राजलाल रजवाड़े जनपद उपाध्यक्ष पूनिया राजवाड़े पूर्व मंडल अध्यक्ष जगमोहन सिंह पूर्व जिला पंचायत सदस्य अजय श्याम निज सहायक महादेव सिंह मंडल महामंत्री महेंद्र कुमार यादव भाजयुमो मंडल महामंत्री प्रदीप साहू सुभाष साहू सहित विभागीय अधिकारी कर्मचारि उपस्थित थे।

श्रम मंत्री देवांगन होंगे मुख्य अतिथि

कोरबा। बिजली कर्मचारी महासंघ का अधिवेशन दर्री में आयोजित किया गया है। 27 जुलाई को होने वाले इस अधिवेशन में प्रदेश के श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। इस अधिवेशन में किए गए कार्यों की जानकारी दी जाएगी। प्रत्येक क्षेत्रों के पदाधिकारी जानकारी देते हुए बताएंगे कि क्या-क्या कार्य हुए हैं। इसके अलावा नए पदाधिकारियों का भी चयन किया जाएगा। इसकी तैयारी पहले से ही की जा रही है। कार्यक्रम को सफल बनाने में भामसं के राष्ट्रीय सचिव राधेश्याम जायसवाल, महासंघ प्रदेश महामंत्री नवरतन बरेठ, जिला भामसं अध्यक्ष अजय मिश्रा, चंद्रशेखर दुबे, शब्बीर मेमन, संदीप राठौर सहित अन्य कार्यकर्ताओं के द्वारा तैयारी की जा रही है।

घर वापसी प्रमुख जूदेव का आगमन कल

कोरबा। लव जिहाद सहित कई मुद्दों को लेकर धर्मसेना के द्वारा कल सुभाष चौक से एक रैली निकाली जाएगी और कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा जाएगा। इस कार्यक्रम में घर वापसी कार्यक्रम प्रमुख प्रबल प्रताप जूदेव शामिल होंगे। इसके अलावा राम बालकदास, अंजू गभेल को भी आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए धर्मसेना के प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्र बहादुर सिंह के द्वारा लगातार सभी क्षेत्रों में अलग-अलग बैठक ली गई है। रूपेन्द्र गभेल के द्वारा रामपुर विधानसभा क्षेत्र में बैठक लेकर कार्यकर्ताओं को आने कहा गया है। इस कार्यक्रम में दीपका क्षेत्र के राधेश्याम सिंह, मोहित बाधवानी, कुसमुंडा से प्रकाश शर्मा, बांकीमोंगरा से विष्णु पटेल, बालको से सदानंद सिंह, दर्री क्षेत्र से राजा कुशवाहा, घनश्याम राठौर कार्यकर्ताओं को लेकर पहुंचेंगे। जिला संयोजक राकेश शर्मा के द्वारा सभी क्षेत्रां के कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए अधिक से अधिक संख्या में आने को कहा है।

भाजपा मंडल अध्यक्ष राठौर ने ज्ञापन सौंपा

कोरबा। केसाबाड़ी नगर मंडल क्षेत्र अंतर्गत आने वाले ग्राम दादर में सड़क निर्माण कने की मांग मंडल अध्यक्ष राजेश राठौर के द्वारा की गई है। इनके द्वारा नगर पालिक निगम के महापौर को ज्ञान सौंपा गया। जिसमें उन्होंने कहा है कि दादर में बना हुआ सड़क लगातार टूट रहा है। पानी निकासी की व्यवस्था नहीं होने के कारण पानी सड़क पर बने गड्ढों में भर जाता है। पानी निकासी की व्यवस्था के लिए अलग से अलग से नाली का निर्माण करना होगा। इसके अलावा सड़क निर्माण जरूरी हो गया है। लोगों को आने-जाने में परेशानी हो रही है। मंडल अध्यक्ष राजेश राठौर के साथ, मिलापराम बरेठ, पुनीराम साहू, घोपराम राठिया सहित अन्य कार्यकर्ता थे।

जायसवाल बने सांसद प्रतिनिधि

कोरबा। हरदीबाजार क्षेत्र के कांग्रेस नेता भूपेन्द्र गुलशन जायसवाल को सांसद श्रीमती ज्योत्सना महंत ने आत्मानंद स्कूल के लिए प्रतिनिधि नियुक्त किया है। इसके पहले श्री जायसवाल कांग्रेस के कई पदों पर रहे हैं। उनकी सक्रियता को देखते हुए उन्हें यह जिम्मेदारी दी गई है।

रात भर भारी बारिश से हुंकरा नाला ओवरफ्लो, 12 गांवों का संपर्क टूटा

कोरबा। जिले में गुरुवार रात से लगातार हो रही मूसलधार बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। शहर से लेकर सुदूर ग्रामीण अंचलों तक पानी ही पानी नजर आ रहा है। कई इलाकों में जलभराव और नदी-नालों में उफान की स्थिति बनी हुई है। कोरबा रेवेन्यू सबडिवीजन के अंतर्गत आने वाले कुदमुरा क्षेत्र में स्थिति और भी गंभीर हो गई है।

ग्रामीण क्षेत्र में बहने वाला हुंकरा नाला शुक्रवार सुबह भारी बारिश के चलते ओवरफ्लो हो गया। बारिश के पानी की रफ्तार इतनी तेज रही कि नाला उफान पर आ गया और सड़कों के ऊपर से बहने लगा। स्थानीय लोगों के अनुसार, नाले में पानी की ऊंचाई लगभग 5 फीट तक पहुंच गई है, जिससे आवागमन पूरी तरह से ठप हो गया है।

हमारे संवाददाता के अनुसार हुंकरा नाला के ऊपर से तेज बहाव के कारण कुदमुरा और बरपाली से सटे करीब 12 गांवों का संपर्क पूरी तरह कट गया है। इन गांवों में आवागमन का एकमात्र रास्ता हुंकरा नाला पार करके ही संभव था, लेकिन नाले की भयावह स्थिति ने ग्रामीणों को घरों में कैद कर दिया है। प्रभावित गांवों में प्रमुख रूप से कुदमुरा, बरपाली, डोंडरा, जामपानी, खैरझिटी, कर्राबेड़ा, मुड़ापार, बम्हनी, बेलतरा, जरेली, कुम्हारी व गोविंदपुर का नाम सामने आया है। इन गांवों के लोग आवश्यक सामग्री के लिए भी बाहर नहीं निकल पा रहे हैं, जिससे संकट की स्थिति बनती जा रही है। गांवों में सावन और भादों के इस बारिश के मौसम को लेकर लोग बेहद चिंतित हैं। ग्रामीणों का कहना है कि अभी तो मौसम की शुरुआत है और नाले की यह स्थिति है, आगे क्या होगा यह सोचकर ही डर लग रहा है। यदि प्रशासन ने समय रहते वैकल्पिक मार्ग या पुल निर्माण की व्यवस्था नहीं की तो भविष्य में बड़ी जनहानि से इनकार नहीं किया जा सकता। प्राप्त जानकारी के अनुसार, राजस्व विभाग और आपदा प्रबंधन की टीम को अलर्ट मोड में रखा गया है। फिलहाल, क्षेत्रीय प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है और जलस्तर के कम होने का इंतजार कर रहा है, ताकि आवश्यकतानुसार राहत और सहायता पहुंचाई जा सके।

कुचैना मार्ग पर भी सड़क बहा

कुसमुंडा-कुचैना-दीपका मार्ग पर पुल के निकट भारी बारिश की वजह से सड़क के काफी हिस्से के धंसने व बहने के कारण इस मार्ग पर आवागमन बाधित हो गया है। मार्ग पर इस सड़क की दशा पहले से ही दयनीय थी। रात भर हुई बारिश ने और भी हालात खराब कर दिए। अब लोगों विशेषकर चारपहिया वाहन चालकों को घूमकर जाना पड़ रहा है।

किसान मित्र योजना

प्रोत्साहन राशि के लिए चक्कर लगा रहे ग्रामीण

कोरबा। कटघोरा वनमंडल अंतर्गत तनेरा व बनिया गांव के दर्जनों ग्रामीण शासन की महत्वकांक्षी योजना किसान मित्र योजना की प्रोत्साहन राशि पाने के लिए वन विभाग का लगातार चक्कर लगा रहे हैं लेकिन वन विभाग के अधिकारी उन्हें राशि दिलाने में अब तक नाकाम हैं, जिससे उनमें गहरा आक्रोश है।

जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ शासन में मोदी की गारंटी एवं साय के सुशासन में शासन की विभिन्न महत्वकांक्षी योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। जिनमें से किसान मित्र योजना कृषकों के हित एवं आर्थिक लाभ पहुंचाने की दृष्टि से संचालित है जिसका क्रियान्वयन वन विभाग के द्वारा किया जाता है किंतु कटघोरा वनमंडल अंतर्गत सुदूर वनांचल क्षेत्र पसान वन परिक्षेत्र के ग्राम बनिया एवं तनेरा के ग्रामीण कृषकों द्वारा जुलाई 2024 में क्लोन नीलगिरी के पौधे का अपने स्वयं के व्यय पर खुद की भूमि पर वृक्षारोपण किया गया है जिसका प्रोत्साहन राशि आज दिनांक तक अप्राप्त है। ग्रामीण कृषक वन विभाग के रवैये से परेशान हैं क्योंकि एक ओर खेतों में धान की फसल को जंगली जानवरों द्वारा चौपट कर दिया जाता है और मुआवजा राशि संबंधित वन रक्षक के द्वारा अपने किसी परिचित व्यक्ति अथवा चाहने वालों के नाम से निकाल लिया जाता है। वहीं दूसरी तरफ नीलगिरी रोपण के प्रोत्साहन राशि भी दिलाने में वन विभाग के कर्मचारी नाकाम हैं। प्रोत्साहन राशि के लिए भटक रहे किसानों में तनेरा के तीजराम, श्रवण कुमार, कृष्ण कुमार, गौरीशंकर, शिव रजक, सुनील, रमेश, संतोष कुमार तथा ग्राम बनिया के महाबलेश्वर, राजेश कुमार, सूर्यकुमार व रामसिंह शामिल हैं।

मासूम के गले में फंसा चना, हुई मौत

कोरबा। जिले में गुरुवार को एक दर्दनाक हादसे में 2 साल के बच्चे की जान चली गई। बताया जा रहा है कि बच्चे के गले में चना फंस गया था, जिसके बाद परिजन उसे तत्काल मेडिकल कॉलेज अस्पताल लेकर पहुंचे। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल में डॉक्टरों द्वारा समय पर इलाज नहीं किया गया और गंभीर स्थिति के बावजूद लापरवाही बरती गई, जिससे बच्चे की जान नहीं बच सकी।

जानकारी के मुताबिक यह घटना सिविल लाइन थाना क्षेत्र की है। छोटू कुमार (37 वर्ष) मध्य प्रदेश के राजगढ़ ब्यावरा के निवासी हैं। वे कोरबा में पानी पुरी बेचने का काम करता है। उसका भाई भी यही काम करता है। सुबह करीब 8 बजे दिव्यांश कुमार घर के आंगन में खेल रहा था। खेलते-खेलते वह कमरे में आ गया और वहां रखे चने को निगल गया। इसके बाद मासूम रोने लगा और उसे सांस लेने में दिक्कत होने लगी। जिसके बाद उसके चाचा गोलू बंसल (27 वर्ष) उसे फौरन मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले गया। उसका आरोप है कि जब भी वे डॉक्टर से बच्चे की स्थिति के बारे में पूछते, तो उन्हें कहा जाता था कि बड़े डॉक्टर आकर देखेंगे। उनका कहना है कि उपचार में देरी के कारण बच्चे की मौत हो गई। वहीं, अस्पताल प्रबंधन ने परिजनों के आरोपों को खारिज किया है। मामले में शिशु रोग विशेषज्ञ डॉक्टर हरबंश का कहना है कि बच्चे को अस्पताल लाए जाने तक उसकी हालत बेहद गंभीर हो चुकी थी। जांच में पता चला कि चना गले से होकर फेफड़ों में फंसने से इंटरनल ब्लीडिंग (आंतरिक रक्तस्राव) शुरू हो गया था, जिससे उसकी मौत हुई। परिजनों ने इसकी शिकायत उच्च अधिकारियों से की है और दोषी डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

निगम के कई वार्डों में पेयजल की किल्लत, भटक रहे लोग

कोरबा। कोरबा शहर में नगर निगम द्वारा जल आवर्धन योजना के तहत पानी की सप्लाई की जाती है, लेकिन पिछले कुछ समय से पानी मटमैला आ रहा है। और वह भी हफ्ते में दो से तीन दिन 15 से 20 मिनट के लिए पानी की सप्लाई की जा रही है।इससे वार्ड वासियों हो कई तरह की समस्याएं हो रही है। यही नहीं इसके लिए वार्ड नंबर 29 के कांग्रेस पार्षद रामगोपाल कुर्रे ने नगर निगम में लिखित शिकायत भी की थी। जिसमें बताया गया था कि वार्ड में पानी की बहुत ज्यादा समस्या है लोगों को पीने का पानी पर्याप्त मात्रा में नहीं मिल पा रहा।

वार्ड नंबर 29 के पार्षद रामगोपाल कुर्रे द्वारा इस संबंध में नगर निगम के अधिकारियों से शिकायत करते हुए व्यवस्था को दुरुस्त करने की मांग की गई थी। लेकिन अब तक इसमें कोई सुधार नहीं आया और लोग पेयजल के लिए इधर-उधर भटक रहे हैं।

वहीं वार्ड नंबर 14 की पार्षद प्रभा टीकम राठौर ने बताया कि हमारे वार्ड में भी पानी की बहुत ज्यादा समस्या है पानी की सप्लाई पूरी तरह से नहीं होने से लोगों के घरों में पीने के लिए पानी नहीं पहुंच पा रहा है। जल योजना के तहत करोड़ों रुपए शासन की तरफ से दिया जा रहा है लेकिन इसका लाभ लोगों तक पहुंचता नहीं दिख रहा है। क्योंकि हफ्ते में दो से तीन दिन ही पानी दिया जा रहा है वह भी 15 से 20 मिनट के लिए जो पानी गंदा आ रहा है पीने योग्य नहीं है। बारिश शुरू होने के बाद कुछ दिन बाद से इस तरह की समस्या कुछ ज्यादा ही देखी जा रही है। ऐसे में लोगों को इस मटमैला पानी को पीने में सोचना पड़ जाता है। पेयजल किल्लत की समस्या से मुड़ापार एवं चिमनीभट्ठा के लोग ही नहीं जूझ रहे हैं बल्कि कुंआभट्ठा, अमरैया पारा और शारदा विहार जैसे इलाकों में यह दिक्कत ज्यादा देखने को मिल रही है। वार्ड के कुछ लोगों ने भी बताया कि पिछले एक दो महीने से पानी की सप्लाई सही से नहीं हो रही है। जो पानी आ रहा है वह भी पीने लायक नहीं है। क्योंकि उसमें गंदगी साफ दिखाई देती है। उन्होंने इस समस्या को दूर करने की मांग की। मुड़ापार पार्षद ने अपने आवेदन में यह भी बताया था कि जल आवर्धन योजना के तहत पानी की सप्लाई हफ्ते में दो तीन दिन ही दिया जा रहा है। महज 15 से 20 मिनट तक पानी सप्लाई हो रही है। बताया जा रहा है कि जबकि एक घंटे तक पानी की सप्लाई की जानी है ताकि लोगों को पर्याप्त पानी मिल सके।इस संबंध में नगर निगम के अधिकारियों का कहना है कि बहुत ज्यादा पानी में टर्बिटी बढ़ जाने के कारण फेडरेशन कार्य स्लो हो जाने से पंप नहीं चल पा रहा जिसके कारण टंकी नहीं भर पा रहा है।हालांकि इसे लेकर फिल्टर प्लांट में लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। एक वजह यह भी है कि बहुत ज्यादा बरसात और हवा के कारण लाइट बार-बार बंद हो जाने के कारण पंप नहीं चल पा रहा है। जिससे टंकी नहीं भर पा रहा है जल्दी पानी की समस्या को दूर कर दिया जाएगा जिससे पानी के किल्लत वाले वार्ड के लोगों को साफ पानी मिलने लगेगा।

गज दल पहुंचा पसरखेत, फसलों को किया नुकसान

कोरबा। वनमंडल कोरबा के कोरबा वन परिक्षेत्र अंतर्गत गेराव व दरगा में विचरण कर रहे 21 हाथियों का दल अब वापस लौटकर पसरखेत रेंज पहुंच गया है। हाथियों के इस दल को आज सुबह यहां के जंगल के कक्ष क्रमांक 1135 में विचरण करते हुए देखा गया और इसकी जानकारी वन विभाग को दी गई। इस पर वन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी मौके पर पहुंचकर हाथियों की निगरानी करने के साथ आसपास के गांवों में मुनादी कराने का अभियान शुरू कर दिया है। ग्रामीणों को हाथियों के आने की जानकारी देने के साथ दूरी बनाए रखने की सलाह दी जा रही है। वन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक हाथियों ने यहां आने से पहले छिंदकोना में तीन ग्रामीणों के धान की फसल को नुकसान पहुंचाया है।

आयुक्त ने मुख्य मार्गों का भ्रमण कर जायजा लिया

कोरबा। आयुक्त आशुतोष पाण्डेय के नेतृत्व में अधिकारियों की टीम प्रतिदिन सुबह-सुबह शहर की सड़कों पर घूम-घूमकर व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने में लगी हुई है। आज आयुक्त श्री पाण्डेय ने घंटाघर चौक से होते हुये महाराणा प्रताप चौक, टी.पी.नगर चौक, नया बस स्टैण्ड, लालूराम कालोनी, सुनालिया चौक, डी.डी.एम. रोड के पास लायंस गार्डन तक के मुख्य मार्ग का भ्रमण कर जायजा लिया तथा साफ-सफाई कार्य, अवैध अस्थाई दखल, सी.एण्ड डी.वेस्ट व भवन निर्माण सामग्री डम्पिंग, अतिक्रमण व गदंगी करने वालों के विरूद्ध कार्यवाही, चेतावनी एवं अर्थदण्ड किये जाने आदि के निर्देश अधिकारियों को देते हुये व्यवस्थाओं में सुधार करने का अल्टीमेटम दिया। आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने अधिकारियों, स्वच्छता कार्य एजेंसियों व अव्यवस्था फैलाने वालों को कड़ा संदेश देते हुये कहा कि प्रतिदिन अधिकारी कर्मचारी सुबह-सुबह शहर का भ्रमण करें, अव्यवस्थाओं का जायजा लें तथा उनमें तत्काल सुधार लाने की जमीनी कार्यवाही सुनिश्चित करायें।

आयुक्त श्री पाण्डेय ने अधिकारियों की टीम के साथ घंटाघर चौक से महाराणा प्रताप चौक, महाराणा प्रताप चौक से होते हुवे गुरू घासीदास चौक तक के मुख्य मार्ग का भ्रमण कर हुये साफ-सफाई कार्यो व शहर की व्यवस्थाओं से जुड़े विभिन्न पहलूओं का सघन रूप से जायजा लिया। उन्होने घंटाघर चौक स्थित मिनीमाता कालेज के समीप रेलिंग स्थित नालियों के पीछे काफी मात्रा में उत्सर्जित कचरे के ढेर को देखकर वहॉं पर स्थित अस्थाई दुकानदारों से कहा कि यदि वे यहॉं पर कचरे फैलाते पाये गये तो उनके विरूद्ध जुर्माने आदि की कार्यवाही की जावेगी। इसी कड़ी में महाराणा प्रताप चौक के पास सर्कस मैदान व बाईपास रोड के विभिन्न स्थानों का अधिकारियों के साथ साफ-सफाई कार्यो का निरीक्षण करते हुवे पाया गया कि गुरू घासीदास चौक स्थित चाय नाश्ता की दुकानों के सामने डस्टबिन नहीं रखने पर जुर्माने की कार्यवाही अधिरोपित की गई तथा इन दुकान संचालकों को कड़ी हिदायत दिया गया कि वे अपने प्रतिष्ठानों, दुकानों में डस्टबिन अवश्य रखें एवं आने वाले ग्राहकों से कहा कि वे डिस्पोजल आदि सामग्रियों को डस्टबिन में ही डालें।

भ्रमण के दौरान टी.पी.नगर स्थित लालूराम कालोनी के पास रिक्त भूखण्ड में कचरे की डम्पिंग व काफी मात्रा में गदंगी बिखरी देख आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने गहरी नाराजगी जाहिर की तथा अधिकारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि वे संबंधित भूखण्ड मालिक को अल्टीमेटम दें कि वे तत्काल गदंगी को साफ करायें। उन्होने कहा कि रिक्त भूखण्ड में जमा गदंगी व कचरे की डम्पिंग जहॉं एक ओर शहर की सुंदरता में धब्बा है, वहीं दूसरी ओर इस गदंगी के कारण पैदा होने वाली दुर्गंध व कीटाणु लोगों के स्वास्थ्य व पर्यावरण के लिये घातक होते हैं, अतः रिक्त भूखण्ड की गदंगी तत्काल साफ की जाये, यह अंतिम रूप से सुनिश्चित करें।

इस अवसर पर अपर आयुक्त विनय मिश्रा, जोन कमिश्नर भूषण उरांव, अखिलेश शुक्ला, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.संजय तिवारी, सुनील वर्मा, लीलाधर पटेल, सहायक अभियंता राहुल मिश्रा, अश्वनी दास, मनोज साहू, धनमोहन रात्रे के साथ ही अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

उद्योग मंत्री ने किया योग शिक्षकों का सम्मान

कोरबा। लखन लाल देवांगन उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री छत्तीसगढ़ शासन के द्वारा कोरबा जिले भर की योग शिक्षकों का सम्मान उनके कर कमलों द्वारा किया गया इस हेतु मंत्री निवास कोहड़िया चारपारा में सुबह 11ः00 बजे तक सभी योग शिक्षक शिक्षिकाए निर्धारित समय अनुसार पहुंचे मंत्री महोदय जी द्वारा उनका विश लगाकर अभिनंदन किया गया वर्तमान सरकार द्वारा योग के प्रति अधिक जागरूकता लाने में विशेष सहयोग करने वाले देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी जिस प्रकार से देश सेवा का कार्य कर रहे हैं उनके सारे ऊर्जा स्रोत का केंद्र योग व्यायाम प्राणायाम को ही जाता है

अपने अपने क्षेत्र में सक्रिय रूप से उपस्थित सभी योग शिक्षक योग व्यायाम प्राणायाम को जन जन तक पहुंचाने में अनुशासन से कार्य कर रहे हैं सभी का आभार सम्मान क्रमशः किया गया। प्रातः कालीन पंजीयन अनुसार योग कार्य को बढ़ाने हेतु सबको मैंटस प्रदान कर उत्सवर्धन किया गया उपस्थित शिक्षकों में रामेश्वर पांडेय, इंद्राणी पांडेय, बालक दास महंत ,लक्ष्मी मूर्ति ,जानकी साहू , किरण जैश, किरण सिंह, सुनीता शर्मा, संध्या दिक्षित ,मंजू साहू ,आभा देवांगन, ज्योति वाला साहू, ज्योति पंडित, पूर्णिमा राठौर ,मालती चौहान, सविता सोनी, ज्योति चंद्रा जोगेश्वरी, सीमा तिवारी, ज्योति दास , ललिता बरैठ, आशा सोलंकी ,लता पतं ,साक्षी जैयस ,जानवी कुर्रे, हेमलता मौसी, गीता चंद्रा, कृतिका चंद्रा, दीप्ति चंद्रा, शालू सिंह ,अष्टमी सिंह ,सावित्री हंस ,पूजा चंद्रा, एस एस मूर्ति, मानूराममांझी, विनोद गुप्ता, संजय कुर्मावंशी ,सविता विश्वकर्मा, यशवंत कुमार, वृंदा चौधरी, ज्योति सलसेड़, सीता दीक्षित, दुर्गेश्वरी राठौर, सुखलाल चौहान, ईश्वर प्रसाद बघेल ,लक्ष्मण दास ,मिलन दास ,डी के पटेल योग मित्र मंडल में धनेश डड़सेना, आर बी द्विवेदी, बीके मिश्रा, ए दास, दी पंडा, दीपक पटेल आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

पूरी ताकत झोंकने के बाद भी श्रमिक संगठनों की स्थिति यथावत

कोरबा। एसईसीएल गेवरा परियोजना में सभी चार श्रमिक संगठनों ने प्रथम आने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा दी थी। सदस्यता अभियान होने के बाद गैरहाजिर रहने वाले कामगारों को भी सदस्य बनना है। लेकिन पिछले वर्ष की भांति इस बार भी एचएमएस गेवरा क्षेत्र में सबसे आगे है। एचएमएस एसईसीएल के अध्यक्ष रेशमलाल यादव ने कहा कि उनके संगठन के द्वारा किए गए कार्यों का लाभ उन्हें मिला है। लगातार अभी भी काम किए जा रहे हैं। दूसरे स्थान पर रहने वाले एसकेएमएस ने भी कड़ी मेहनत की थी। उनके द्वारा आयोजित सम्मेलन में एसकेएमएस के एसईसीएल महामंत्री अजय विश्वकर्मा भी शामिल होने के लिए आए हुए थ। एसकेएमएस के एल.प.अघरिया, दीपक उपाध्याय, कृपाल सिंह, हरनारायण केशरवानी ने कड़ी मेहनत की थी। अरूण सिंह एसकेएमएस को छोड़कर अचानक दूसरे संगठन में शामिल हो गए थे। उनके विभिन्न संगठन में जाने से जो नुकसान हुआ है उसे भरने का काम दूसरे संगठन से आए गोपाल यादव ने पूरा किया। जबकि अभी एसईकेएमसी तीसरे स्थान पर बना हुआ है। कुछ सदस्यों की बढ़ोत्तरी हुई है। इनके द्वारा लगभग 5 स्थानों में अलग-अलग बेठक ली गई थी। डी.केमिश्रा, एमपी सिंह, छेदराम राठौर, गिरीश जायसवाल, गिरीश शुक्ला सहित सभी सदस्यों ने कड़ी मेहनत की थी। जबकि इस बार बीकेकेएमएस में 100 की संख्या बढ़ाकर सबको चौकाया है। गेवरा प्रोजेक्ट में बाबू सिंह को महत्व देकर संगठन को मजबूत किया गया। इसके लिए मदन सिंह, रामनारायण साहू, प्रीतम राठौर, कुलदीप कुमार, वीरेंद्र राठौर ने कड़ी मेहनत क है। अब गैरहाजिर कामगारों का सत्यापन होना है लेनिक इससे कुछ ज्यादा लाभ नहीं होने वाला है। एसईकेएमसी व बीकेकेएमएस के माध्य दूसरे नंबर की लड़ाई है।

स्वामी कौशल किशोर मिश्र की ओर से प्रकाशक, मुद्रक सुभाष अग्रवाल द्वारा आकाश आफसेट प्रिंटर्स से मुद्रित कर तिलक मार्ग, ट्रांसपोर्ट नगर, कोरबा से प्रकाशित, संपादक सुभाष अग्रवाल फोन: 221149, मो. : 9425224167 आर.एन.आई. पंजी. नं. 50254/89, ई-मेल tarunpresskrb@gmail.com